आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी 10:20 तक उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 1 जुलाई 2025
वर्ष 3, अंक 311, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर | एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

भोपाल गैस त्रासदी का काला अध्याय खत्म 14

वित्तीय स्थिरता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण 12

HAPPY DOCTOR'S DAY

मस्तिष्क से सम्बन्धी समस्त समस्याओं का समाधान एक स्थान पर

पनेशिया हॉस्पिटल

ए मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड सेंटर फॉर न्यूरोसाईन्सेस

ब्रेन स्ट्रोक / पक्षघात / लकवा आदि के लक्षण दिखते ही आपके पास केवल 4:30 घण्टे हैं।

B	E	F	A	S	T
BALANCE	EYES	FACE	ARMS	SPEECH	Time
Less of Balance, Headache or Dizziness	Blurred Vision	One side of the Face Drooping	Arm or Leg Weekness	Speech Difficulty	Time to call for Ambulance Immediately

"कृपया ऐसे अस्पताल में जायें जहाँ पर CT SCAN व पैथोलॉजी की समस्त सुविधा के साथ न्यूरो विशेषज्ञ डॉक्टर व टीम उपलब्ध हो क्योंकि समय बचाना ही ब्रेन को बचाना है। हेड इंजरी व स्ट्रोक के मरीज़ों की कैसे रोकथाम की जा सकती है, हम इसके प्रयासरत रहते हैं।"

डॉ विकास शुक्ला MS, M.Ch (Neuro Surgery), Brain & Spine Surgeon

हर 6 में से 1 व्यक्ति अपने जीवन में स्ट्रोक का सामना करता है।

द पनेशिया

ए मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड सेंटर फॉर न्यूरोसाईन्सेस

Come Home to Wellness...

24 घंटे स्पेशिलिस्ट डॉक्टर्स उपलब्ध

स्ट्रोक होने पर, तुरन्त इलाज न मिलने से मस्तिष्क का नुकसान होता है...

117/473, एल–ब्लॉक, काकादेव (नीरछीर चौराहा और डबल पुलिया के मध्य) कानपुर
सम्पर्क करें : 7897997632, 7897997631, 0512-2501355, 2501455

मुँह में घाव • थूक में खून आना • आवाज बदलना • खाने का फंसना • निगलने में दर्द

आपको ऐसे लक्षण है तो

डरें नहीं, तुरन्त परीक्षण करायें और कैंसर से बचें

डॉ. प्रीति शुक्ला M.D.
कैंसर रोग विशेषज्ञ

117/473, एल–ब्लॉक, काकादेव (नीरछीर चौराहा और डबल पुलिया के मध्य) कानपुर
सम्पर्क करें: 7897997632, 7897997631, 0512–2501355, 2501455

सीमित अवधि

क्या आप चाहते है गारन्टीड जॉब?
प्रवेश लें, उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी द्वारा मान्यता प्राप्त

दि पनेशिया पैरामेडिकल साइन्स एवं नर्सिंग इंस्टीट्यूट

(A Unit of The Panacea Hospital, Kanpur)

DIPLOMA COURSES:
• Emergency & Trauma Technician • OT Technician
• MRI Technician • CT Technician • Physiotherapy Technician

329, लखनपुर (सेल्स टैक्स रोड), कानपुर
मो. 7880473131, 9935266953, 9454369302, 0512–3550199

कारोबारी के घर अलमारी खाली कर गए चोर। अमृत विचार

मोबाइल कारोबारी के घर 70 लाख की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- श्याम नगर के रामपुरम राम नगर हाउसिंग सोसाइटी में वारदात
- परिजन ताला बंद करके गए थे चित्रकूट और मैहर दर्शन को
- रविवार देर रात घर लौटने पर घटना की जानकारी हुई

अमृत विचार। चकेरी के श्याम नगर में रात्रि गश्त की पोल खोलते हुए चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। चोरों ने मोबाइल एसेसरीज कारोबारी के बंद मकान से नगदी व जेवरात समेत 70 लाख के माल पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार चित्रकूट और मैहर दर्शन करने गया था। रविवार देर रात घर लौटने पर घटना की जानकारी हुई। चकेरी पुलिस के साथ डीसीपी पूर्वी, फॉरेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच पड़ताल की।

श्याम नगर के रामपुरम राम नगर हाउसिंग सोसाइटी निवासी अंकुर दीक्षित मोबाइल एसेसरीज कारोबारी हैं। वह पिता जटाधर दीक्षित और पत्नी आशी दीक्षित के साथ रहते हैं। अंकुर के अनुसार 28 जून को वह अपने पिता, कानपुर देहात के मैथा निवासी फूफा प्रेम दत्त द्विवेदी, बुआ शोभा और उनकी दो बेटियों के संग कार से चित्रकूट और मैहर दर्शन के लिए गए थे। जबकि पत्नी आशी घर बंद करके अपने मायके बर्रा चली गई थी। इस दौरान चोर 28 जून की देर रात घर के मेनगेट का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। चोर कमरों में रखी अलमारियों के लॉकर तोड़कर 35 हजार रुपये की नगदी व जेवरात समेत करीब 70 लाख का माल चोरी कर ले गए। रविवार रात को जब वह घर लौटे तो घटना की जानकारी हुई। जिसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सोमवार सुबह चकेरी पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्र कराने के साथ ही आस पास लगे सीसीटीवी देखे। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता भी पहुंचे और जांच पड़ताल की। डीसीपी पूर्वी ने बताया कि पीड़ित से तहरीर लेकर मामला दर्ज किया जा रहा है। साथ ही आसपास के फुटेज देखे जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियो की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

शिकायत की ओएसडी की निलंबित लिपिक को किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जिलाधिकारी के पास रिश्वत की चेक लेकर पहुंचा था पीड़ित
- केडीए ओएसडी पर लगाया था 30 हजार मांगने का आरोप

अमृत विचार। रजिस्ट्री के नाम पर घूस मांगने के मामले में केडीए उपाध्यक्ष ने योजना लिपिक को निलंबित कर दिया। बीते शुक्रवार को पीड़ित नीरज गुप्ता ने ओएसडी अजय कुमार पर रजिस्ट्री के नाम पर 30 हजार घूस मांगने का आरोप लगाया था। पीड़ित ने शिकायती पत्र के साथ 30 हजार की चेक ओएसडी के नाम जिलाधिकारी को दी थी। जिसके बाद मामले में जांच करने रहे उपाध्यक्ष ने ओएसडी जोन 3 की आख्या पर डीएस भूतल योनजा-बर्रा-6 के द्वितीय श्रेणी लिपिक अतुल सोनकर को निलंबित कर दिया। लिपिक पर निबन्धन की कार्यवाही लम्बित रखने का आरोप है। ओएसडी ने बताया कि उनतक फाइल पहुंची ही नहीं।

यह था पूरा मामला

- केडीए में शुक्रवार को हड़कंप मच गया था जब पीड़ित 30 हजार रुपये की चेक लेकर जिलाधिकारी जीतेंद्र प्रताप सिंह के पास पहुंच गया और बोला कि सर ये रिश्वत की चेक केडीए में दे दीजिए और हमारे मकान की रजिस्ट्री करा दीजिए। पीड़ित नीरज गुप्ता जिलाधिकारी के पास पहुंचे और उन्हें बताया कि एक कालोनी की रजिस्ट्री कराने के नाम पर एक विशेष कार्याधिकारी द्वारा 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है।

आख्या के अनुसार नीरज गुप्ता द्वारा प्राधिकरण के एकल विण्डो के माध्यम से दिनांक 0409.2024 को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। लेकिन, भूखण्ड का निबन्धन प्रार्थना पत्र निस्तारित नहीं किया गया। पाया गया कि लिपिक द्वारा पत्रावली लगभग 6 माह तक पूरी नहीं की गई। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह ने आदेश जारी कर कहा कि लिपिक अतुल सोनकर द्वारा अपने पास फाइल अपने पास लम्बित रखी। आवेदक का कार्य काफी समय तक लम्बित रखने एवं प्रकरण का निस्तारण समय से न करने से प्राधिकरण की छवि भी धूमिल हुई।

ट्रक में घुसी कार, एक की मौत

कानपुर। बर्रा फ्लाईओवर ओवरटेक करने के दौरान एक कार आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। वहीं पीछे से आ रही दूसरी कार भी उसमें जा टकराई। ड्राइवर के साथ आगे की सीट में बैठे युवक की मौत हो गई। दो साथी घायल हो गए।

योगेंद्र विहार नई बस्ती निवासी 24 वर्षीय शिवम राजपूत ड्राइवर थे। परिजनों ने बताया कि रविवार को शिवम अपने दो दोस्त के साथ कानपुर देहात गया था। जहां से लौटते वक्त देर रात बर्रा स्थित कारगिल पेट्रोल पंप के पास ऊपर फ्लाईओवर पर आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में उनकी कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। पीछे से आ रही दूसरी कार ने टक्कर मार दी। सीट बेल्ट नहीं पहने होने के कारण एयरबैग खुलने के बावजूद चालक के साथ आगे की सीट में बैठा शिवम घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बर्रा थाना प्रभारी ने बताया कि ओवरटेक करने के दौरान कार ट्रक से टकराने में कार सवार युवक की मौत हुई है।

सम्पर्क सूत्र–
मो.9305196507

9305078082

आधुनिकतम विश्वस्तरीय स्पाइन सर्जरी की सुविधा से युक्त
मैक्स क्योर हॉस्पिटल गुजैनी गाँव अम्बेडकर नगर, कानपुर

काफ्रेंस एवं वर्कशॉप 28 से 30 जून 2025

दूरबीन विधि द्वारा स्पाइन सर्जरी का
निःशुल्क परामर्श कैम्प एवं सर्जिकल वर्कशाप

आप सभी को डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं

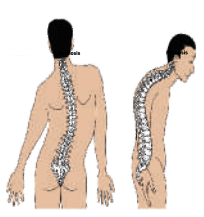

कमर दर्द

सियाटिका

Dr. SatishChandra Gore
Pioneer of Endoscopic Spine Surgery

Dr. Malcolm.D. Pestonji
Founder, ESF (I)

डा. अनुपम सचान
आर्थो स्पाइन सर्जन
वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ
Organizer & Course Director

Dr. Varun Agarwal
Practicing Endospine Surgeon & Professor Rohilkhand Medical College - Bareilly

Dr. Shirazahmed Munshi
Practicing Endospine, Surgeon & Pain Management Cheers Multispeciality Hospital - Ahemedabad

Dr. SUDEEP JAIN
AIIMSONIAN Practicing Spine & Endospine Surgeon Spine Solutions, India

Dr. PAWAN VERMA
Additional Professor (Neurosurgery) S.G.P.G.I. Lucknow

Dr. Vedpal Yadav
Professor(Department of Orthopaedic) Maulana Azad Medical College - New Delhi

Dr. Shah Waliullah
Additional Professor (Orthopedic) KGMU, Lucknow

Dr. R.S. Gangwar
Additional Professor (Obst. & Geratric ICU) KGMU, Lucknow

Dr. AMIT GUPTA
Assistant Professor Neuro Surgery Department G.S.V.M. Medical College - Kanpur

रीढ़ की हड्डी से सम्बन्धित समस्याओं जैसे–स्लिप डिस्क, सियाटिका, स्टिनोसिस, फ्रैक्चर आदि समस्याओं के लिए निःशुल्क कैम्प एवं सर्जिकल वर्कशाप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश विदेश से ख्यातिप्राप्त सर्जन भाग ले रहे हैं आपसे अनुरोध है कि इस अवसर का लाभ अवश्य प्राप्त करें।

रीढ़ की हड्डी की समस्या से पीड़ित रोगियों की बड़ी संख्या को देखते हुए फालो अप कैम्प 6 जुलाई एवं सर्जिकल कैम्प को बढ़ाकर क्रमशः 20 जुलाई, 3 एवं 14 अगस्त तक किया जा रहा है ताकि समस्या से परेशान लोग आसानी से आधुनिकतम इलाज का लाभ पा सके।

आप सभी को डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं

An ISO 9001 : 2008

राही

मेडिकल सेन्टर प्रा0 लि0

मा0 उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी (स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री) द्वारा सम्मान प्राप्त करते डॉ. मुनेश्वर सिंह, फाउण्डर एण्ड चेयरमैन (राही मेडिकल सेंटर प्रा लि. कानपुर)

मा0 उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी (स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री) द्वारा सम्मान प्राप्त करते डॉ. कुमुद प्रताप सिंह, डायरेक्टर (राही मेडिकल सेंटर प्रा लि. कानपुर)

Dr. M.S. RANA
(Director)

Facilities- C.G.H.S, E.C.H.S, C.A.P.F., P.M.J.A.Y.(Ayushman Bharat)

सेन्टर में उपलब्ध विभाग

1) आर्थोपेडिक (हड्डी एवं जोड़ रोग)
2) बाल रोग विभाग
3) मानसिक रोग विभाग
4) नाक, कान व गला रोग विभाग
5) स्त्री व प्रसूति रोग विभाग
6) जनरल मेडिसन विभाग
7) स्वांस रोग विभाग
8) न्यूरोलाजी विभाग
9) गुर्दा रोग विभाग
10) फिजियोथेरेपी विभाग
11) प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी
12) दन्त रोग विभाग
13) सघन चिकित्सा विभाग
14) कैंसर विभाग
15) जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी

आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी 10:20 तक
उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 1 जुलाई 2025
वर्ष 3, अंक 311, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

भोपाल गैस त्रासदी का काला अध्याय खत्म 14

वित्तीय स्थिरता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण 12

पशुओं के कल्याण की भावना से कार्य करें : मुर्मू

राष्ट्रपति ने आईवीआरआई के 11वें दीक्षांत समारोह में 576 विद्यार्थियों को प्रदान कीं मेडल और उपाधियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित 11वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सक या शोधकर्ता के रूप में जो भी कार्य करें, उस समय मन में बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना होनी चाहिए। पशु और मानव का रिश्ता परिवार का है। पशु के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकते। पशु हमारे जीवन का धन हैं। हमारी संस्कृति सभी जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। राष्ट्रपति ने गांवों में घरेलू पशु नहीं दिखने को लेकर चिंता व्यक्त की।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने 2021 से 2024 के बीच के स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी के 576 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने आगाह किया कि उपभोग आधारित संस्कृति मानव, जीव-जंतुओं व पर्यावरण को अकल्पनीय क्षति पहुंचा सकती है। राष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज गांवों में घरेलू पशु नहीं दिखते हैं। यह पशु खेती में सहयोग करते हैं। टेक्नोलॉजी युग तो आया, लेकिन जमीन में खेती के साथी केंचुआ आदि समाप्त हो रहे हैं। इससे जमीन बंजर हो रही है। जमीन की उर्वरता बचाने के लिए किसानों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों व आमजन को सोचना चाहिए। पशु संपदा का संरक्षण व विकास हमारा कर्तव्य होना चाहिए। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से कहा कि कॅरियर के रूप में आपने निरीह व बेजुबान पशुओं की चिकित्सा व कल्याण के क्षेत्र को चुना है।

हमें अपनी परंपरा और अवधारणा का अनुसरण करते हुए पशु कल्याण के लिए प्रयास करना चाहिए। ईश्वर ने मनुष्य को सोचने-समझने की जो शक्ति दी है उसका उपयोग जीव-जंतुओं के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी आदि मौजूद रहे।

आईवीआरआई के दीक्षांत समारोह में एक छात्रा को उपाधि प्रदान करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। साथ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार व अन्य लोग। ● अमृत विचार

136 वर्ष का हो गया भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान

576 विभिन्न कोर्सों के विद्यार्थियों को 11वें दीक्षांत समारोह में दी गई उपाधि

35 साल बाद दूसरी बार राष्ट्रपति के हाथों छात्रों की मिलीं उपाधि और मेडल

जीवन रक्षक सेवा केंद्र बना आईवीआरआई : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईवीआरआई के 11वें दीक्षांत समारोह में शोधकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। यहां के वैज्ञानिक उस मूक प्राणी की आवाज बनते हैं जिसे दुनिया सुन नहीं पाती है। आप सभी की शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है। योगी ने कहा कि आईवीआरआई न केवल पशुधन बल्कि हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है। कोरोना के दौरान जब आरटी-पीसीआर जांच एक चुनौती बनी हुई थी, तब आईवीआरआई ने प्रदेश सरकार के साथ मिलकर 2 लाख से अधिक कोविड जांच करवाईं। इस संस्थान की प्रतिबद्धता यह दिखाती है कि इसकी भूमिका केवल पशु चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि वह मानव जीवन रक्षा में भी अग्रणी रही है।

भारत की चिकित्सा क्षमता का प्रतीक है एम्स : राष्ट्रपति

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि एम्स भारत की चिकित्सा क्षमता का प्रतीक है। यहां हर मरीज को उम्मीद की नई किरण दिखाई देती है। राष्ट्रपति ने डॉक्टरों की तुलना पीड़ित के लिए भगवान से करते हुए विद्यार्थियों को संवेदनशील बनने की सीख दी। कहा कि एक संवेदनशील डॉक्टर न केवल दवा, बल्कि अपने व्यवहार से भी मरीज को जल्द ठीक करने में मदद करता है। सहानुभूतिपूर्ण देखभाल से मरीज की हालत में तेजी से सुधार होता है। चिकित्सा एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि सेवा है। राष्ट्रपति सोमवार को गोरखपुर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधि व मेडल प्रदान किया।

मतदाता सूची की समय समय पर समीक्षा जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत है क्योंकि ये कई कारणों से बदलती रहती हैं और संविधान में प्रावधान है कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची का हिस्सा हों और जो नहीं हैं, वो वोट नहीं दे सकें। आयोग ने यह टिप्पणी उस वक्त की है, जब कई विपक्षी दलों ने कहा है कि गहन पुनरीक्षण के कारण राज्य मशीनरी का उपयोग करके बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किए जाने का खतरा है।

● विपक्षी दलों के आरोप पर बोला- निर्वाचन आयोग

आयोग ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है क्योंकि यह निरंतर बदलाव से गुजरने वाली सूची होती है जो मौतों, प्रवासन के कारण लोगों के स्थानांतरण और 18 वर्ष के नए मतदाताओं के जुड़ने के कारण बदलती रहती है। बयान में कहा गया है, इसके अलावा, संविधान का अनुच्छेद 326 निर्वाचक बनने के लिए पात्रता निर्दिष्ट करता है। केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के निवासी ही निर्वाचक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं का विवरण शामिल है। इसका उपयोग 2003 की सूची में शामिल लोग अपना गणना फॉर्म जमा करते समय दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में कर सकते हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची की उपलब्धता के कारण राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी सुविधा होगी क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत को कोई दस्तावेज जमा नहीं करना होगा।

एक नजर

प्रदेश में आज से खुलेंगे स्कूल-कॉलेज

लखनऊ। परिषदीय स्कूलों के साथ ही राज्य में आज से सभी विद्यालय खुल जाएंगे। परिषदीय स्कूलों में छात्र-छात्राओं का स्वागत रोली-चंदन और माला पहनाकर होगा। इसी के साथ ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण एक से 15 जुलाई तक चलेगा। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा है कि समस्त परिषदीय विद्यालयों को स्वच्छ, सुंदर और उत्सवमय रूप में सजाया जाएगा।

पांच फीसदी महंगी हुई प्राकृतिक गैस

नई दिल्ली। वाहन के लिए सीएनजी और खाना पकाने के लिए पीएनजी बनाने में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस की कीमत जुलाई के लिए पांच प्रतिशत बढ़ाई गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम नियोजन और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार, मासिक संशोधन के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा संचालित पुराने क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस की कीमत 6.41 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 6.75 अमेरिकी डॉलर प्रति इकाई कर दी गई है।

13 किग्रा हेरोइन, हथियार बरामद, तीन गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब सरकार के नशा विरोधी अभियान 'युद्ध नशिया विरुद्ध' के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। पुलिस आयुक्त धनप्रीत कौर ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल 13.1 किलोग्राम हेरोइन, पांच पिस्तौल, 12 कारतूस, तीन मैगजीन, तीन लग्जरी वाहन और 22,000 रुपये ड्रग मनी बरामद की है।

जीएसटी संग्रह 5 साल में 22.08 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

● वित्त वर्ष 2020-21 में था 11.37 लाख करोड़ रुपये संग्रह

सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह पांच साल में दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपये था।

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार सकल जीएसटी संग्रह 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपये के अपने उच्चतम स्तर को छू गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में औसत मासिक संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2023-24 में 1.68 लाख करोड़ रुपये और 2021-22 में 1.51 लाख करोड़ रुपये था।

जीएसटी के आठ वर्षों पर एक सरकारी बयान में कहा गया कि इसके लागू होने के बाद से, माल और सेवा कर ने राजस्व संग्रह और कर आधार बढ़ाने में मजबूत वृद्धि दिखाई है।

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए पीपीएफ और एनएससी सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। यह लगातार छठी तिमाही है जब लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को यथावत रखा गया है।

भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने पार्टी से दिया इस्तीफा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में रामचंदर राव की भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर संभावित नियुक्ति से नाराज विधायक टी. राजा सिंह ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को सोमवार को पत्र लिखकर कहा कि वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। वर्तमान में रेड्डी पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख हैं और पार्टी आलाकमान मंगलवार को नए अध्यक्ष की घोषणा कर सकता है। सिंह ने पत्र में कहा कि राज्य में पार्टी के नए प्रमुख की नियुक्ति का निर्णय न सिर्फ उनके लिए, बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं, नेताओं और मतदाताओं के लिए भी झटका और निराशा लेकर आया है, जिन्होंने हर उतार-चढ़ाव में पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहकर उसका साथ दिया है। कहा कि बहुत दुख के साथ मैंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला किया है।

● तेलंगाना प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर थे नाराज

तेलंगाना में दवा फैक्ट्री में विस्फोट से 12 लोगों की मौत, 34 घायल

संगारेड्डी (तेलंगाना), एजेंसी

● संगारेड्डी जिले में हुआ हादसा, केमिकल रिएक्शन को माना जा रहा वजह

● सुबह 9.28 से 9.35 बजे के बीच हुआ विस्फोट, मौजूद थे 150 कामगार

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार को एक दवा उत्पादन संयंत्र में संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और 34 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार विस्फोट पशम्यलारम औद्योगिक क्षेत्र में सिगाची दवा कंपनी के संयंत्र के एक रिएक्टर में संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया (केमिकल रिएक्शन) के कारण हुआ। विस्फोट के कारण वहां आग भी लग गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया है।

पुलिस महानिरीक्षक (मल्टी जोन) वी. सत्यनारायण ने फैक्ट्री सूत्रों के हवाले से बताया कि विस्फोट के समय फैक्ट्री में 150 लोग थे जबकि उस क्षेत्र में करीब 90 लोग थे जहां विस्फोट हुआ है। उन्होंने बताया कि विस्फोट सुबह 9.28 से 9.35 बजे के बीच हुआ।

कंपनी प्रबंधन ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी, जिसने दमकल विभाग को सूचित किया। उन्होंने बताया कि करीब 10 अग्निशमन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के कर्मी भी बचाव अभियान में लगे हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। करीब 10 श्रमिक एक कमरे में फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि विस्फोट के समय कितने श्रमिक काम कर रहे थे, उन्होंने कहा कि सटीक संख्या का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है, क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि श्रमिकों का विवरण रखने वाले व्यक्ति की मृत्यु हो गई है।

विस्फोट के बाद घटनास्थल पर राहत कार्य में जुटे बचावकर्मी। ● अमृत विचार

पीएम ने जताया दुख, दो-दो लाख देने की घोषणा

प्रधानमंत्री मोदी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया और इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

कुछ शवों के डीएनए मिलान की जरूरत

हैदराबाद। पशम्यलारम औद्योगिक क्षेत्र में सिगाची दवा कंपनी के संयंत्र में हुए विस्फोट और आग दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान के लिए आधा दर्जन शवों का डीएनए मिलान किया जाना चाहिए। पाटनचेरू के तहसीलदार ए रंगा राव ने बताया कि अभी तक केवल तीन शवों की पहचान हो पाई है तथा छह शव इतना अधिक जल चुके हैं कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही है, जबकि तीन अन्य को मलबे से निकाले जाने का इंतजार है। पहचान के लिए छह शवों के डीएनए मिलान की जरूरत है।

ऑनलाइन एलएलएम पाठ्यक्रम अनधिकृत

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने कहा है कि एलएलएम या समकक्ष कानूनी पाठ्यक्रम को उसकी मंजूरी के बिना ऑनलाइन या हाइब्रिड माध्यम से प्रदान करना अनधिकृत एवं गैर-मान्यता प्राप्त है। बीसीआई ने दूरस्थ या हाइब्रिड माध्यम से ऑनलाइन पेश किए जाने वाले गैर-मान्यता प्राप्त मास्टर ऑफ लॉ (एलएलएम) पाठ्यक्रम के खिलाफ एक परामर्श जारी किया है। कानूनी शिक्षा पर बीसीआई की स्थायी समिति के सह-अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राजेंद्र मेनन की ओर से तैयार किया गया यह परामर्श पत्र 25 जून को सभी उच्च न्यायालयों को भेजा गया था। पत्र में कहा गया है कि ऑनलाइन, दूरस्थ, मिश्रित या हाइब्रिड माध्यम से या एलएलएम और एमएससी (कानून) जैसे पाठ्यक्रम बीसीआई की पूर्व मंजूरी के बिना अनधिकृत हैं।

● बीसीआई ने सभी हाईकोर्ट को भेजा परामर्श पत्र

किशोरी को आतंकी गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश

संवाददाता, प्रयागराज

● पीड़िता को प्रयागराज से केरल ले गए थे आरोपी, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

अमृत विचार : प्रयागराज जिले की पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर केरल ले जाने, उसका धर्म परिवर्तन कराने और आतंकी गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश के आरोप में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़िता ने आरोपियों के चंगुल से भागने के उपरांत पुलिस के सामने इसका खुलासा किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि दरकशा बानो और मोहम्मद कैफ नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता को केरल से प्रयागराज लाकर वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है।

गंगा नगर के पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि 26 जून को पीड़िता की मां ने फूलपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि बानो उनकी 15 वर्षीय बेटी को आठ मई को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गई थी। मोहम्मद कैफ ने नाबालिग को मोटरसाइकिल से प्रयागराज जंक्शन पहुंचाया। बानो उसे ट्रेन से पहले दिल्ली ले गई फिर वहां से केरल जहां उसने नाबालिग को कुछ संदिग्ध लोगों से मिलवाया। संदिग्धों ने उसे रुपयों का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के लिए दबाव बनाया, वह किसी तरह उनके चंगुल से भागकर त्रिशूर रेलवे स्टेशन पर पहुंची।

मणिपुर में बंदूकधारियों ने चार को गोली से उड़ाया

चुराचांदपुर/इंफाल, एजेंसी

● यूनाइटेड कूकी नेशनल लिबरेशन आर्मी ने ली जिम्मेदारी

● मोंगजांग गाव के पास दोपहर में घात लगाकर किया हमला

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने 72 वर्षीय महिला सहित कम से कम चार लोगों की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि घात लगाकर यह हमला मोंगजांग गांव के पास दोपहर दो बजे के आसपास हुआ जब पीड़ित एक कार में यात्रा कर रहे थे। मोंगजांग चुराचांदपुर शहर से लगभग पांच किमी दूर है।

चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि चारों लोगों को नजदीक से गोली मारी गई। यूनाइटेड कूकी नेशनल लिबरेशन आर्मी (यूकेएनएलए) ने एक बयान में इस हमले की जिम्मेदारी ली। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान थेनखोथांग हाओकिप उर्फ थापी (48), सेखोगिन (34), लेंगोउहाओ (35) और फाल्हिंग (72) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मौके से 12 से अधिक खाली कारतूस बरामद किए गए। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया है।

अमरनाथ यात्रा के लिए आज से ऑफलाइन पंजीकरण

जम्मू, एजेंसी

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए मंगलवार से ऑफलाइन पंजीकरण भी शुरू होगा। इसके लिए यहां टोकन वितरण केंद्र सोमवार को चालू कर दिया गया। वहीं, अधिकारियों ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। 38 दिवसीय वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। यह यात्रा दो मार्गों से संपन्न होगी। तीर्थयात्री अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक नुनवान-पहलगाम मार्ग तथा गांदरबल जिले में छोटे, लेकिन अधिक खड़े ढलान वाले 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर तक जा सकते हैं।

पंजीकरण टोकन के लिए काउंटर पर श्रद्धालुओं की लगी भीड़।

श्रद्धालुओं का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा। अधिकारियों ने सोमवार को जम्मू के सरस्वती धाम में टोकन वितरण केंद्र खोला, बारिश के बावजूद पंजीकरण के वास्ते टोकन लेने के लिए केंद्र पर श्रद्धालु उमड़ पड़े। लंबी कतारें लग गईं। जम्मू (दक्षिण) के उपसंभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) मनु हंसा ने यहां बताया कि आज से टोकन वितरण शुरू हो गया है। सरस्वती धाम में एक टोकन केंद्र स्थापित किया गया है। टोकन लेने के बाद तीर्थयात्री मंगलवार को पंजीकरण करा सकते हैं और दो जुलाई को जम्मू में भगवती नगर आधार शिविर से शुरू होने वाली तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं।

यात्रा 3 जुलाई से होगी शुरू, टोकन के लिए लगी कतार

यात्रा के लिए इस बार बेहतर सुविधाएं : सिन्हा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा के लिए काफी बेहतर व्यवस्था की गई है। सिन्हा ने तीन जुलाई को शुरू होने वाली यात्रा से पहले जमीनी तैयारियों की समीक्षा करने के लिए गंदेरबल के बालटाल की यात्रा के दौरान कहा कि सुरक्षित और परेशानी मुक्त यात्रा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता भी की जिसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया।

अमरनाथ यात्रा के मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाई गई : श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा से पहले दक्षिण कश्मीर के पवित्र गुफा मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर उच्च तकनीक वाले उपकरणों की तैनाती समेत कई उच्च स्तरीय सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर रणनीतिक स्थानों पर चेहरा पहचानने वाली प्रणाली लगाई गई है। इसके अतिरिक्त, कश्मीर घाटी से गुजरने वाले पूरे यात्रा मार्ग को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है।

यहां कराएं पंजीकरण

दक्षिण जम्मू के एसडीएम मनु हंसा ने बताया कि पंजीकरण मंगवार को तीन केंद्रों - वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में शुरू होगा। यह एकमात्र केंद्र है, जहां से श्रद्धालु टोकन प्राप्त कर सकते हैं। केंद्र सुबह सात बजे खुलता है। एसडीएम ने कहा कि टोकन और पंजीकरण का प्रतिदिन का कोटा दो-दो हजार है और काउंटर तब तक खुले रहेंगे, जब तक कि दैनिक कोटा समाप्त नहीं हो जाता।

डॉक्टरों ने सीमेंट भरकर ठीक कर दी रीढ़ की हड्डी

महिला की रीढ़ की डी12 हड्डी को बोन्स सीमेंट के माध्यम से फिर से बनाया गया

- ऑपरेशन का सजीव प्रसारण सर्जरी के लिए डॉक्टरों को प्रशिक्षित भी किया गया
- दूरबीन विधि से ऑपरेशन करने पर अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज बरेली के स्पाइन विशेषज्ञ डॉ. वरुण अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र देते डॉक्टर्स। अमृत विचार

अमृत विचार। चिकित्सा क्षेत्र में स्पाइन की सर्जरी को काफी जटिल माना जाता है, लेकिन अब यह जटिलता दूरबीन विधि से आसान हो रही है। दूरबीन विधि से ऑपरेशन करने पर गलती की गुंजाइश नहीं रहती है। इसके अलावा रीढ़ की हड्डी को ठीक करने के लिए सीमेंट का उपयोग भी किया जा रहा है।

गुजैनी गांव अंबेडकर नगर स्थित मैक्स क्योर हॉस्पिटल में सोमवार को रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज बरेली के ऑर्थोपेडिक, इंडोस्कोपी व रोबोटिक स्पाइन विशेषज्ञ डॉ. वरुण अग्रवाल, केजीएमयू के डॉ.आर एस गंगवार, उर्सला अस्पताल के डॉ.अनुपम सचान ने 'स्पाइनोस्कोपी 2025 कानपुर' कार्यशाला में दूसरे दिन सोमवार को टीम के साथ 45 वर्षीय महिला की रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन दूरबीन विधि से किया। जिसका लाइव प्रसारण साकेत नगर स्थित होटल मंदाकिनी में मौजूद डॉक्टरों ने देखा और विशेषज्ञों द्वारा उनको प्रशिक्षित भी किया गया। इस ऑपरेशन की खास बात ये रही कि महिला को लोकल एनेस्थीसिया दिया गया था। छोटा सा चीरा लगाकर दूरबीन विधि से रीढ़ की डी12 हड्डी को बोन्स सीमेंट के माध्यम से फिर से बनाया गया। 10 फुट से नीचे गिरने के कारण महिला की रीढ़ की डी12 हड्डी फ्रैक्चर हो गई और पिचक गई थी।

डॉ. वरुण अग्रवाल ने बताया कि महिला की रीढ़ की हड्डी के पेडिकल पार्ट में निडिल डालकर बोनस सीमेंट (पम्मा) भरकर उसे डी12 का आकार दिया गया। ऑपरेशन के दौरान महिला अपने पैर और पंजे मूव भी कर रही थी। डॉ.अनुपम सचान ने बताया कि दूरबीन विधि से यह ऑपरेशन करीब 30 मिनट तक चला, जबकि इस तरह के ऑपरेशन को बिना दूरबीन विधि से करने पर दो से तीन घंटे तक का समय लगता था। दूरबीन विधि से ऑपरेशन करने पर मरीज की 24 घंटे में छुट्टी भी कर दी जाएगी। ऐसी वर्कशॉप कानपुर नगर में पहली बार आयोजित की गई है, जिसमे श्रीलंका, नेपाल, अहमदाबाद, न्यू दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान, हैदराबाद, लखनऊ व बरेली आदि जिलों व राज्यों से डॉक्टरों ने आकर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन पर उनको प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

रीढ़ की हड्डी में दर्द के मुख्य कारण

- रीढ़ की हड्डी में दर्द के मुख्य कारणों में मांसपेशियों में खिंचाव, डिस्क की समस्या, साइटिका, स्पाइनल स्टेनोसिस, खराब मुद्रा, चोट और कुछ चिकित्सा स्थितियां शामिल हैं। डॉक्टरों के मुताबिक मांसपेशियों में खिंचाव और मोच दर्द का एक सामान्य कारण है, जो अक्सर अचानक गति या अधिक भार उठाने के कारण होता है। साइटिक तंत्रिका में जलन या दबाव के कारण होने वाला दर्द कमर से पैर तक जाता है। स्पाइनल स्टेनोसिस में रीढ़ की हड्डी में नसों के लिए जगह का संकुचित होने से समस्या होती है। लंबे समय तक गलत मुद्रा में बैठने या खड़े रहने और दुर्घटना, खेल या गिरने से रीढ़ की हड्डी में चोट लगने से रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ सकता है। इनके अलावा भावनात्मक तनाव भी पीठ दर्द में योगदान कर सकता है।

> एमआरआई जांच कराने पर महिला की डी12 हड्डी पिचक जाने की जानकारी हुई, जिसकी वजह से उसे चलने-फिरने व उठने-बैठने में दिक्कत हो रही थी। महिला का ऑपरेशन पूरी तरह से निशुल्क किया गया है।
>
> -डॉ .आरएस गंगवार, केजीएमयू लखनऊ

> रीढ़ की हड्डी की सीमेंट सर्जरी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें टूटी हुई रीढ़ की हड्डी के कशेरुका में बोन सीमेंट इंजेक्ट किया जाता है। इससे मरीज को दर्द से राहत मिलती है और रीढ़ की हड्डी को स्थिरता मिलती है।
>
> -डॉ .राहुल जैन, बरेली

किशनपुर कान्हा गोशाला में महापौर और नगर आयुक्त ने निरीक्षण किया।

गौशालाओं में कृष्ण गीत गूंजेंगे और बांसुरी बजेगी

- गोवंशों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए नगर निगम की पहल
- नगर आयुक्त, महापौर ने किशनपुर कान्हा गोशाला का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किशनपुर स्थित कान्हा गौशाला में गोवंशों के स्वास्थ्य के सुधार के लिये साउण्ड सिस्टम लगेंगे। जिसमें सुबह और शाम कृष्ण गीतों के साथ ही बांसुरी की धुन बजेगी। सोमवार को महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने गौशाला का निरीक्षण करने के दौरान यह निर्देश दिए। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. आरके निरंजन ने बताया कि महापौर ने गौशाला में भक्तिमय माहौल बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि गौशाला में भगवान श्री कृष्ण के साथ ही गोमाता की प्रतिमा भी लगेगी। उन्होंने बताया कि पूर्व में एक शोध में सामने आया है कि बांसुरी की आवाज व भक्ति गीतों से गोवंशों के स्वास्थ्य में अनुकूल प्रभाव में पड़ता है।

कान्हा गौशाला में कुल 5314 गौवंश संरक्षित हैं। सोमवार को महापौर और नगर आयुक्त ने बारिश में गौशाला की व्यवस्था की जांच की। गौवंशों को गुड़ मिष्ठान खिलाया। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने वृक्षारोपण के कार्य को देखा। महापौर ने गौशाला के सौन्दरीकरण के आदेश दिए। इस दौरान मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके निरंजन, पशुचिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह, अधिशाषी अभियन्ता भास्कर दिवाकर, राजस्व निरीक्षक दिनेश कुमार, केयरटेकर ऋषीकेश एवं अन्य कर्मी रहे। महापौर और नगर आयुक्त ने किशनपुर स्थित नए एनीमल बर्थ कन्ट्रोल सेन्टर को देखा। तुलसी उपवन में निर्मित होने वाले डॉग पार्क की भी महापौर ने जानकारी ली।

जिलाधिकारी को सम्मानित करते अल्पसंख्यक समुदाय के पदाधिकारी। अमृत विचार

आप लोग सम्मान देकर चढ़ा देते हो, पत्नी डाउन कर देती हैं...

- जिलाधिकारी का मजाकिया अंदाज देखकर गूंजे ठहाके
- डीएम का सम्मान किया अल्पसंख्यक समुदाय ने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के कार्यों से प्रभावित होकर अल्पसंख्यकों की टीम उनका सम्मान करने पहुंच गई। फूलों से लादकर स्मृति चिह्न देकर जब जिलाधिकारी का सम्मान किया गया तो जिलाधिकारी मजाकिया अंदाज में बोले, आप लोग सम्मान देकर मुझे ऊपर चढ़ा देते हो, पत्नी से मिलता हूं तो वह डाउन कर देती हैं, इतना सुनते ही वहां ठहाके गूंजने लगे।

सोमवार को आल इंडिया अल्पसंख्यक बोर्ड का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी को सम्मानित करने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचा और उनके द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा सम्मान स्वरूप पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी की कर्तव्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा जनसेवा के प्रति उनके समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिलाधिकारी का कार्य सिर्फ प्रशासनिक दायित्व तक सीमित नहीं है बल्कि वे जनता के सुख-दुख में सहभागी बनकर एक सच्चे लोकसेवक की भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर श्री गुरु सिंह सभा लाटूश रोड के चेयरमैन सरदार हरविंदर सिंह लार्ड, मौलाना अबू बकर हादी, साजिद सर, मुफ्ती उमर फारुक हादी कासमी, पैंथर धनीराव बौद्ध आदि मौजूद थे।

सीज वाहनों को जमा करने के लिए जमीन मांगी

कानपुर। संभागीय परिवहन अधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को पत्र लिखा है कि जनपद में वाहन डिटेंशन यार्ड के निर्माण के लिए 1 से 2 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। तहसील नर्वल के ग्राम पनौरी में 1.5 एकड़ ऊसर भूमि चिह्नित की गई है जो अनुपयुक्त है। तहसील सदर के ग्राम सचेंडी अथवा उससे लगे ग्राम में रोड से लगी हुई भूमि उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गई है ताकि वाहन आसानी से पहुंच सकें। एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार सिंह ने बताया कि सीज करने के बाद ऐसे वाहनों को रखने में दिक्कत होती है, ऐसे वाहनों को रखने के लिए डिटेंशन सेंटर यार्ड के लिए भूमि की तलाश है।

सुरक्षाकर्मियों के तालमेल से मां को मिला बच्चा

कानपुर। मेट्रो स्टाफ ने एक मासूम को उसकी मां से मिलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 8 वर्षीय अर्पित 28 जून की रात कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन के सुरक्षा चेकप्वाइंट के निकट भटक रहा था। सुरक्षा कर्मियों और स्टेशन कंट्रोलर को पूछताछ में पता चला कि अपने परिजनों से बिछड़ गया है। स्टेशन कंट्रोलर ने इसके बाद चाइल्ड केयर हेल्पलाइन नंबर को सूचित किया। बच्चे को मेट्रो स्टेशन पर तैनात यूपीएसएसएफ और चाइल्ड केयर हेल्पलाइन की टीम जीआरपी थाने लेकर गई। अगले दिन जीआरपी ने औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्चे को मां को सौंप दिया।

समस्या आईआईए के प्रतिनिधिमंडल ने केस्को एमडी के साथ की बैठक

बिजली सताएगी तो इंडस्ट्री बैठ जाएगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

केस्को अधिकारियों के साथ बैठक करते आईआईए के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली की समस्याओं को लेकर सोमवार को उद्यमियों और केस्को अधिकारियों के बीच बैठक हुई। उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली कटौती, लो वोल्टेज व बढ़े हुए बिजली के बिल सहित अन्य समस्याएं बताईं। उद्यमियों ने कहा कि इसी तरह से यदि बिजली व्यवस्था परेशान करेगी तो इंडस्ट्री बैठ जाएंगी। अघोषित कटौती, लो वोल्टेज और ट्रिपिंग से उत्पादन में लगातार बाधा आ रही है। ऑर्डर तक लेट हो रहे हैं। दो महीने से समस्या ज्यादा बढ़ गई है।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता केस्को एमडी सैमुअल पॉल एन ने की। आईआईए की ओर से संस्था के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य ने उद्योगों की समस्याएं रखीं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली की आवाजाही के कारण के उत्पादन की क्षति पहुंच रही है। इसके साथ ही 25 अलग-अलग समस्याओं का ज्ञापन की उन्होंने केस्को एमडी को दिया। अधिकारियों को बताया गया कि इनमें सबसे अधिक समस्या विद्युत बिलिंग से संबंधित हैं। उद्योगों में लो-वोल्टेज की समस्या व विद्युत ट्रिपिंग की समस्या को प्रमुखता से बैठक में रखा गया। प्रबंध निदेशक ने एक सप्ताह के अंदर औद्योगिक क्षेत्र की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए निर्देशित किया। बैठक में चैप्टर अध्यक्ष दिनेश बरासिया ने कहा कि उद्योगों की समस्यायें आम जनमानस की समस्याओं से अलग होती हैं। इसलिए एक अधिकारी को औद्योगिक क्षेत्र में और नियुक्त किया जाए, जो उद्योगों की समस्याओं का त्वरित निवारण करा सके। प्रबंध निदेशक ने अधिशासी अभियंता के साथ एक अवर अभियंता की नियुक्ति करने के लिये आदेशित किया। बैठक में आरके अग्रवाल, मनमोहन राजपाल, अनूप गुप्ता, हर्षल अग्रवाल, विक्रांत अग्रवाल, संजय राजपाल आदि थे।

आईआईए भवन में जल्द लगेगा कैंप

उद्यमियों की समस्याओं को जल्द सुलझाने के लिए आईआईए भवन में जल्द कैंप लगाए जाने का भी आदेश हुआ। इस कैंप में उद्यमियों के बिलों को ठीक करने तथा उद्यमियों की अन्य समस्याओं का समाधान किया जाएगा। हर महीने उद्यमियों के साथ बैठक कर उद्योगों के सामने विभाग से सम्बंधित आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान कराया जायेगा।

आज का मौसम

तेज हवाओं, गरज चमक के साथ स्थानीय स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है ।

32.0⁰	27.0⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05:19	सूर्यास्त 07:06

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

देवकी नगर, टाटमिल में बिजली सात घंटे गुल

कानपुर। शहर में दो दिन से हो रही बारिश में पांच से सात घंटे तक बिजली गुल रहने पर लोगों के बीच नाराजगी है। सोमवार को दहेली सुजानपुर, देवकी नगर, टाटमिल, फेथफुलगंज, शांति नगर, शंकराचार्य नगर व दामोदर नगर में बिजली दोपहर एक बजे गुल हो गई थी, इनमे से कई क्षेत्रों की बिजली रात नौ बजे तक नहीं आ सकी थी। वहीं, अजमेरी चौराहा व चमनगंज क्षेत्र में बिजली छह घंटे गुल रही। इसके अलावा रायपुरवा, देव नगर, मछरिया, लाटूश रोड, बेगमपुरवा, केशव नगर, रावतपुर, मंगला विहार, स्वर्ण जयंती विहार, काकादेव, नौबस्ता, बर्रा समेत दो दर्जन से अधिक क्षेत्रों में बिजली का संकट रहा। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक तेज बारिश में 11केवी पोषक ट्रिप होने पर देवकी नगर व टाटमिल फीडर की आपूर्ति बाधित हो गई थी, जिसपर रात नौ बजे के बाद तक मरम्मत कार्य चला।

दामोदर नगर में 11केवी एचटी लाइन पर पेड़ की बड़ी डाल गिरने के कारण एक बजे से शाम पांच बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं, केस्को के टोल फ्री नंबर 1912 पर आई 1445 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमे से 895 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

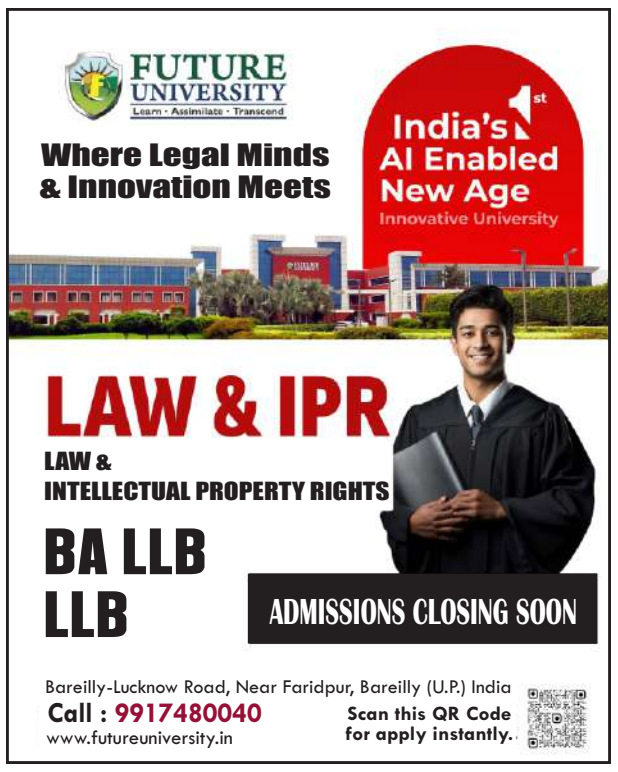

शहर में दो दिन तक हो सकती है रिमझिम बारिश

कानपुर। शहर में बुधवार तक रिमझिम बारिश होने की उम्मीद मौसम विशेषज्ञों ने जताई है। दो दिन बाद धूप खिल सकती है।

मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि गंगा के मैदानों पर टर्फ लाइन का निर्माण बेहतर तरह से हो गया है। टर्फ लाइन का असर शहर में भी पड़ेगा। टर्फ लाइन के ऊपर व नीचे होने पर बारिश शहर में कम या ज्यादा होगी। सीएसए विवि के मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 1 जुलाई तक तेज हवाओं, गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा रहने की संभावना है।

Advertorial

Saluting Our Medical Heroes On Doctor's Day

To care for those who once cared for us is one of the highest honors.

Dr. Pallavi Singh
OBS Gynae

On this Doctor's Day, I, Dr. Pallavi Singh, on behalf of Chandni Hospital, extend my heartfelt wishes to all the doctors across the country and around the world. This day is a tribute to your dedication, resilience, and unwavering commitment to the healing profession. It is a moment to reflect, appreciate, and most importantly, to express gratitude for the sacrifices made in the pursuit of saving lives.

Doctors' Day is not just a date on the calendar. It is a celebration of the noblest profession known to humanity — one that demands not just intellect, but immense compassion, patience, and sacrifice. Whether in bustling emergency rooms, quiet consultation chambers, or remote village clinics, the essence of a doctor remains the same — to serve.

■ The Silent Warriors of Healthcare

Doctors are often referred to as the "soldiers without swords." Unlike many professions, the work of a doctor doesn't end with the clock striking five. Emergencies don't come with warnings, and sickness doesn't recognize weekends or holidays. Despite long hours, emotional strain, and sometimes personal losses, doctors show up — every single day — to heal, to help, and to give hope.

The world witnessed this in its most profound form during the COVID-19 pandemic. Doctors stood at the frontline, risking their own lives and that of their families, to protect and care for others. It wasn't just medical expertise that saved millions; it was also the courage, commitment, and compassion of doctors who chose to serve even when fear and uncertainty loomed large.

■ A Calling, Not Just a Career

To be a doctor is not merely to have a degree or wear a white coat. It is a calling — a commitment to serve humanity in its most vulnerable moments. Patients do not just come with symptoms; they come with hopes, fears, and expectations. A doctor's words can bring peace, their knowledge can bring clarity, and their touch can bring healing.

In a world that is fast moving toward artificial intelligence and automation, the human touch remains irreplaceable in medicine. No machine can replicate the empathy in a doctor's voice, the assurance in their eyes, or the comfort of their presence in times of distress.

■ Challenges and Triumphs

The life of a doctor is not easy. The road begins with years of relentless study, followed by internships, specializations, sleepless nights, and countless exams. Even after the degree is earned, the learning never truly ends. Each patient teaches something new, each case adds to experience, and every challenge strengthens the resolve.

There are moments of joy — a mother holding her newborn, a cancer patient declared disease-free, a child recovering from a serious illness. But there are also moments of despair — a life lost despite best efforts, a diagnosis that comes too late, or the silent pain of watching someone suffer. Doctors carry both triumphs and tragedies in their hearts — silently, with strength and grace.

■ The Role of Doctors in Society

Doctors are the bridge between science and humanity. In a society where misinformation spreads rapidly, especially through social media, the role of doctors as educators becomes crucial. We must guide our communities not just in treatment but in prevention. Health awareness, vaccination, hygiene, mental health — these are areas where doctors can truly shape a healthier future.

Moreover, the responsibility goes beyond the hospital walls. As community leaders, doctors can influence public health policies, inspire the next generation, and advocate for a more inclusive and accessible healthcare system.

■ Gratitude and Recognition

On this Doctors' Day, let us take a moment to honor every doctor — from the senior most surgeon to the youngest resident — for the countless lives they touch. Let us remember the ones who left us too soon, especially during the pandemic. Let us also thank the families of doctors, who silently bear the stress, the absence, and the unpredictability of a doctor's life with immense patience and pride.

To the nurses, paramedics, and support staff — our strongest allies — your support enables us to do our best. Doctors alone cannot heal the world; it takes a team, and we are grateful for every member of it.

■ To My Fellow Doctors

To all my fellow doctors — I see your sleepless nights, your quiet tears after a loss, your sense of duty, and your endless pursuit of excellence. I salute your strength. Let this day be a reminder that what you do matters. Your presence brings hope to the hopeless, healing to the broken, and dignity to the suffering.Continue to walk with integrity, lead with empathy, and treat with humility. Remember that the white coat you wear is not just a symbol of knowledge, but of trust — one of the greatest gifts any human can receive.

■ A Note from Chandni Hospital

At Chandni Hospital, we are proud to be a part of this legacy. Our doctors represent not just competence, but compassion. We believe in patient-centered care, ethical practice, and continuous learning. On this Doctors' Day, we reaffirm our commitment to these values.We will continue to support our medical team with the best infrastructure, technology, and training. We will continue to put patients at the heart of everything we do. And we will continue to honor the spirit of the medical profession — every single day.

NABH & NABL Accredited Hospital

CHANDNI HOSPITAL PVT. LTD.
Address : 9/60, Arya Nagar, Kanpur
E-mail.com : chandnihospital@gmail.com | Web. : www.chandnihospital.com

बरसात से कई सड़कें धंसीं, पोल गिरे

ब्रह्म नगर में 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया, जवाहर नगर अंध विद्यालय के गेट के सामने भी सड़क धंसी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मूसलाधार बारिश में शहर की तीन जगहों पर सड़कें धंस गईं। ब्रह्म नगर चौराहे पर सड़क धंसने से करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया। नगर निगम ने सोमवार सुबह बैरीकेडिंग लगाई। सड़क के नीचे से एक गहरा नाला निकलता है, जिसकी वजह से बरसात में सड़क धंस गई। इसी तरह जवाहर नगर में अंध विद्यालय के गेट के सामने सड़क धंसने से 5 फीट गहरा गड्ढा बन गया। स्थानीय लोगों ने खुद ही गड्ढे को बैरीकेट किया।

स्वरूप नगर इलाके में सोमवार सुबह सड़क धंसने से 3 फीट गहरा गड्ढा बन गया। नगर निगम को सूचना दी गई है। सड़क धंसने के बाद स्वरूप नगर में मरम्मत कार्य शुरू हो गया है। ब्रह्म्म नगर, जवाहर नगर में मंगलवार सुबह से कार्य शुरू होगा। इसी तरह आर्य नगर स्थित गैंजेस क्लब के पास तेज हवा बारिश के दौरान बिजली के दो पोल भी टेढ़े हो गए। पास में ही मौजूद यूरो किड्स स्कूल की दीवार भी गिर गई। पास में लगे पेड़ की बड़ी डाल गिरने से बिजली के पोल टेढ़े हो गए। सोमवार को नगर निगम की टीम ने पेड़ के गिरे हुए हिस्से को हटाया। केस्को की टीम पोल लगाने के लिए पहुंची।

ब्रह्मनगर चौराहा पर हुआ बड़ा गड्ढा। अमृत विचार

जोन 4 कार्यालय के बाहर भी सड़क धंस गई। अमृत विचार

परमट के खुले नाले में स्कूटी सहित गिरे सेवादार

कानपुर। गोविंद नगर स्थित एक गुरुद्वारा के सेवादार टीपी सिंह परमट में जलभराव के दौरान खुले नाले में स्कूटी सहित गिर गए। ये देख वहां खड़े लोगों ने शोर मचाया और सेवादार को स्कूटी सहित नाले से बाहर निकाला। सरदार टीपी सिंह ने बताया कि रविवार की शाम को किसी काम से परमट गए थे। उस समय भीषण बारिश हो रही थी जिसके कारण मंदिर के आसपास सड़कें जलमग्न थीं। कुछ दो पहिया वाहन सवारों को निकलते देख जलभराव के अंदर से टीपी सिंह ने भी निकलने की कोशिश की लेकिन वहां नाले का चैंबर खुला हुआ था जिसमें टीपी सिंह स्कूटी सहित नाले में चले गये। सीवर के अंदर दम घुटने लगा। छटपटाते हुए टीपी सिंह ने किसी तरह अपने आपको बाहर निकाला लेकिन स्कूटी अंदर ही फंसी रही जिसे बाद में लोगों ने किसी तरह बाहर निकाला। घटना के चलते स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई और मोबाइल भी खराब हो गया।

ADVERTISEMENT

27 साल से अधिक आपका विश्वसनीय हेल्थ मित्र
स्वर्णिम वर्ष 1997-2025
Happy DOCTOR'S DAY 1ST JULY
पालीवाल डायग्नोस्टिक्स (प्रा.) लि. सहयोग डॉ. लाल पैथलैब्स

24 घंटे लैब सेवा

पालीवाल
डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड

मुख्य लैब : 117/एच–1/02, पाण्डु नगर, जे.के. मन्दिर के सामने, कानपुर–05
फोन : 0512-2335500, 2235821, 2232962

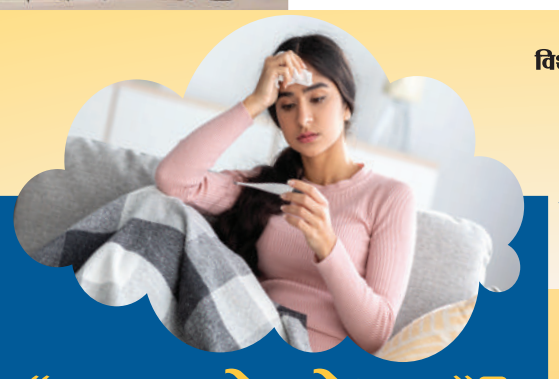

विश्वस्तरीय क्वालिटी आकर्षक दरों पर किफायती स्वास्थ्य परीक्षण

24 उत्कृष्ट लैब्स | 250+ कलेक्शन सेंटर्स | 270 + पिकअप पॉइंट्स | 10 लाख कुल पेशेंट प्रतिवर्ष (2024-25) में

"बुखार से परेशान"?
इन्तजार नहीं, जाँच करवाएं
घर से सैम्पल कलेक्शन 60 मिनट में
• सही निदान के लिए डॉक्टर से परामर्श अवश्य करायें •

हमारी व्यापक रेंज
Fever PANELS
मात्र ₹650/- से आरम्भ

मलेरिया और टाइफाइड — फीवर पैनल बेसिक
मलेरिया, टाइफॉइड, डेंगू और अन्य वायरल बुखार — फीवर पैनल प्लस

परीक्षण में शामिल
डेंगू | मलेरिया | वायरल | यूरीन आर/ई | मियादी बुखार

• समय पर रिपोर्ट • समय पर घर से नमूना-संग्रह • एन.ए.बी.एल. प्रमाणित

स्वस्थ पैनल करायें, टैक्स बचायें
टैक्स बेनिफिट अन्डर सेक्शन 80 डी
हमारे विभिन्न किफायती हेल्थ पैकेजेस में से आज ही चुनें, अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाईन नं. पर संपर्क करें।
होम कलेक्शन/हेल्पलाईन नं.
9305028499, 7311130006, 9336843141

सभी जाँचें एक छत के नीचे
सुविधाएं — NABL & ISO CERTIFIED LAB
• सी.टी. स्कैन • कलर डॉप्लर • ऑडियोमेट्री
• पैथोलॉजी • इको कार्डियोग्राफी • टी0एम0टी0
• ओ0पी0जी0 • आई एण्ड ईयर • ई0ई0जी0
• एक्सरे (डिजिटल) • अल्ट्रासाउन्ड • पी0एफ0टी0

customercare.pdpl@lalpathlabs.com www.paliwaldiagnostics.in

मुख्य शाखा लैब
परख डायग्नोस्टिक सेन्टर
सी.टी. स्कैन, एक्सरे, अल्ट्रासाउन्ड व सभी पैथोलॉजी जाँचें
37/17 वेस्टकॉट बिल्डिंग कैम्पस, द मॉल, कानपुर
फो.: 0512-2363605, 2304005, 9919406571

साउथ ब्रान्च
मातृ छाया बिल्डिंग
621/37, W-2 बर्रा
निकट सचान गेस्ट हाउस
फोन: 9335093357, 9838900770

ADVERTISEMENT

"डॉक्टर्स डे पर आप सभी को डॉक्टर की नेक सलाह"

अच्छे स्वास्थ्य के लिए जाँचों की महत्ता

डॉ. उमेश पालीवाल
डायरेक्टर

इंसान के लिए स्वस्थ शरीर से बढ़कर दुनिया में कोई दूसरी महत्वपूर्ण चीज नहीं हो सकती। स्वास्थ्य का मोल या तो आपका स्वस्थ तन-मन आपको बताता है या फिर आपका चिकित्सक। स्वस्थ शरीर का पता हमें आसानी से नियमित स्वास्थ्य जांचों से ही लग सकता है। 1 जुलाई को 'डॉक्टर्स डे' के अवसर पर पालीवाल डायग्नोस्टिक्स के निदेशक डॉ. उमेश पालीवाल आपको बता रहे हैं कि स्वस्थ शरीर के लिए जांचों का कितना अधिक महत्व है...

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हम अपने कैरियर, परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि खुद के स्वास्थ्य में आ रहे छोटे–मोटे परिवर्तन को अनदेखा कर देते है। हम तब ही डॉक्टर के पास जाते हैं जब कोई समस्या गंभीर रूप ले लेती है। लेकिन बहुत कम लोग ही यह जानते हैं कि समय– समय पर कराई गई स्वास्थ्य जांचें कई गंभीर बीमारियों को उनके शुरूआती अवस्था में जानकारी हो जाने से उससे बचाव का सबसे कारगर तरीका हो जाता है।

स्वास्थ्य परीक्षण क्या है ?

स्वास्थ्य जांच (Health Check - up) एक ऐसा माध्यम है जिसमें शरीर के अलग–अलग अंगों और कार्यप्रणालियों की स्थिति का मूल्यांकन किया जाता है। यह एक पूर्व चेतावनी प्रणाली की तरह काम करती है, जो यह बताती है कि आपके शरीर में कहीं कोई समस्या तो नहीं पनप रही है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए जाँचों की आवश्यकता क्यों ?

1. बीमारियों का समय रहते पता लगाना–

कई गंभीर बीमारियाँ जैसे डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, थायरॉइड, लिवर और किडनी रोग, कैंसर आदि लंबे समय तक बिना लक्षण के विकसित होती रहती हैं। नियमित जांच से इन्हें शुरुआती चरण में ही पकड़कर इलाज शुरू किया जा सकता है।

2. जटिलताओं से बचाव–

अगर बीमारी का समय पर इलाज न हो तो वह गंभीर रूप ले सकती है। हेल्थ चेकअप से आप भविष्य में होने वाली जटिलताओं और महंगे इलाज से बच सकते हैं।

3. स्वास्थ्य पर नियंत्रण बनाए रखना–

जांचों के आधार पर व्यक्ति अपनी जीवनशैली में जरूरी परिवर्तन कर सकता है जैसे– खानपान में सुधार, व्यायाम, तनाव प्रबंधन आदि।

4. मानसिक शांति और व्यक्ति का आत्मविश्वास–

जब आपको पता होता है कि आपकी सभी रिपोर्ट नॉर्मल हैं तो मन में एक अलग सकारात्मकता और आत्मविश्वास आता है। इससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

5. जाँचों की नॉर्मल रेंज–

मनुष्य में सभी जाँचों की नार्मल रेन्ज काफी बड़ी होती है तथा अलग–अलग लोगों में यह अलग–अलग स्थिर रहती है तथ किसी बीमारी की प्राथमिक अवस्था में यह बढ़ने या घटने पर नार्मल रेन्ज के बाहर जाने में काफी वक्त लग जाता है अतः उस व्यक्ति की पूरी रिपोर्ट से तुलना करने पर हम बीमारी की और अधिक शुरूआती अवस्था में पहचान सकते है।

किन लोगों के लिए स्वास्थ्य जांच और भी जरूरी है?

- 30 वर्ष से ऊपर के सभी पुरुष एवं महिलाएं।
- जिनके परिवार में डायबिटीज, हृदय रोग, कैंसर या अन्य आनुवांशिक बीमारियों का इतिहास हो।
- अधिक तनावपूर्ण नौकरी करने वाले व्यक्ति
- धूम्रपान या शराब सेवन करने वाले लोग
- मोटापे से ग्रसित व्यक्ति
- गर्भवती महिलाएं या मातृत्व की योजना बना रहीं महिलाएं।

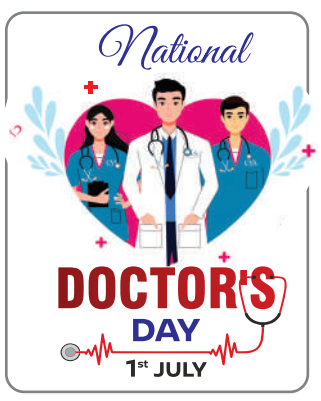

मुख्य आवश्यक जाँचें जो स्वास्थ्य परीक्षण मे बहुत जरूरी होती है–

ब्लड शुगर टेस्ट (Fasting/ pp & HbA1c)
- थायरॉइड प्रोफाइल (TSH, T3, T4)
- लिपिड प्रोफाइल (सभी तरह के कोलेस्ट्रॉल)
- लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT)
- किडनी फंक्शन टेस्ट (KFT)
- CBC (Complete Blood Count)
- विटामिन D और B12
- यूरीन रूटीन टेस्ट
- E C G , X - R a y , अल्ट्रासाउंड (डॉक्टर की सलाह अनुसार)
- कैन्सर की जाँचें – PSA (पुरुषों में), पैपस्मीयर/ मैमोग्राफी (महिलाओं में)

नियमित स्वास्थ्य जाँच के लाभ–

- समय रहते बीमारी की पहचान।
- इलाज की कम लागत।
- जटिल बीमारियों से बचाव।
- जीवनशैली सुधार में मदद।
- दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा।
- बीमार होने पर इलाज में आसानी।

निष्कर्ष–

"बीमारी का इंतजार क्यों करें, जब रोकथाम संभव है।"

स्वास्थ्य जांच सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है, यह आपके और आपके परिवार के सुरक्षित भविष्य का आधार है। आज ही अपने नजदीकी विश्वसनीय लैब (एन.ए.बी.एल. प्रमाणित) में जाकर हेल्थ चेकअप कराएं। क्योंकि समय पर की गई जाँच जीवन बचा सकती है।

HAPPY DOCTOR'S DAY
Chandrabhal Hospital
Multi Speciality Hospital
डा. राजेश बाजपेयी
(MBBS, D.Ortho, Mch.)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण विशेषज्ञ
आयुष्मान भारत PMJAY एवं दीनदयाल उपाध्याय कैशलेश योजना द्वारा अनुबंधित
CU, NICU, EMERGENCY, MEDICAL STORE
Y-1280, Kidwai Nagar, Near R.B.I. Colony, Kanpur Mob.: 7571810604
24 घंटे सुविधा उपलब्ध

गंभीर से गंभीर सोरायसिस को जड़ से करती हैं ठीक

सोरायसिस एक पुराना त्वचा संबंधी रोग है, जिसमें त्वचा पर मोटे, लाल, खुजलीदार और परतदार चकत्ते बन जाते हैं। यह कोई संक्रामक रोग नहीं है, लेकिन इसका असर व्यक्ति की मानसिक और सामाजिक स्थिति पर पड़ता है। आज के समय में लाखों लोग इससे परेशान हैं। होम्योपैथी चिकित्सा प्रणाली इस रोग को जड़ से ठीक करने की दिशा में कारगर मानी जाती है। सोरायसिस क्या है? सोरायसिस एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली त्वचा की कोशिकाओं पर हमला करती है। इसके कारण त्वचा की कोशिकाएँ असामान्य रूप से तेज़ी से बढ़ती हैं और त्वचा पर सफेद-चांदी जैसी परतें बन जाती हैं। सोरायसिस के लक्षणः त्वचा पर लाल और खुरदुरी चकत्ते उन पर चांदी जैसी परतें,तेज़ खुजली और जलन,खून आना या फटना,सिर, कोहनी, घुटनों, पीठ आदि पर ज़्यादा असर,कुछ मामलों में जोड़ दर्द ,सोरायसिस के कारणः आनुवांशिकता,तनाव ,प्रतिरक्षा प्रणाली की गड़बड़ी,मौसम परिवर्तन,चोट या त्वचा पर खरोंच,धूम्रपान और शराब,डॉ मधुलिका शुक्ला ने कई ऐसे सोरायसिस के केसेज बहुत कम समय में ठीक किए हैं ,डॉ मधुलिका का कहना है कि होम्योपैथी शरीर के अंदर से इलाज करती है, न कि केवल लक्षणों को दबाती है। यह प्रतिरक्षा तंत्र को संतुलित करती है और त्वचा की गहराई से सफाई करती है। होम्योपैथिक उपचार के लाभःरोग की जड़ पर काम करता है,साइड इफेक्ट नहीं होते,लक्षणों में धीरे-धीरे लेकिन स्थायी सुधार होता है,मानसिक तनाव को भी कम करता है,रोग के दोबारा लौटने की संभावना घटाता है सुझावःतनाव से बचें, ध्यान व योग करें,तैलीय व मसालेदार भोजन से परहेज़ करें,त्वचा को मॉइश्चराइज़ रखें,सूरज की रोशनी में सीमित समय तक रहें,पर्याप्त पानी पिएँ और संतुलित आहार लें,सोरायसिस कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। यदि समय रहते पहचान हो जाए और सही होम्योपैथिक उपचार लिया जाए, तो यह रोग काफी हद तक नियंत्रित और कई बार पूरी तरह से ठीक भी हो सकता है। साथ ही जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाकर रोगी एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकता है।

● डॉ. मधुलिका शुक्ला

डॉ.मनीष सक्सेना। डॉ.पल्लवी सिंह। डॉ.धनंजय चौधरी

राष्ट्रीय डॉक्टर्स-डे

डायलिसिस गुर्दा रोग
डा. समीर गोविल
एम.डी.(मेडिसिन), डी.एन.बी.(गुर्दारोग)
गुर्दा रोग परामर्शदाता
भूतपूर्व गुर्दा रोग विशेषज्ञ, संजय गांधी पी.जी.आई. लखनऊ
क्लीनिक
• कनिष्क हॉस्पिटल
10/503A खलासी लाइन, तिलकनगर आभा नर्सिंग होम के बगल में, कानपुर
सोम से शनि दोपहर 1 से 3 बजे
• 372 विकास नगर, सेलटैक्स ऑफिस डबल रोड, कानपुर
सोम से शनि सायं 7:00 से 8:00
M: 9839923723, 8948558429

Happy Doctor's Day
SIS HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
(Multi Speciality Hospital)
NABH QCI
• आई.सी.यू. • एन.आई.सी.यू. • पी.आई.सी.यू. • मॉड्यूलर ओ.टी. • डाइलेसिस • लैपरोस्कोपिक सर्जरी
CGHS, TPA Mediclaim धारकों को कैशलेस सुविधा
HDFC Mediclaim Available
OPD (10am to 7pm)
पेट व लीवर रोग विशेषज्ञ | नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ | नवजात एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ | चेस्ट रोग विशेषज्ञ | हड्डी रोग विशेषज्ञ | हृदय रोग विशेषज्ञ
ज्वाइन्ट रिपलेसमेंट | गैस्ट्रो साइन्स | एडवांस ट्रामा मैनेजमेंट
यूरो एवं युरोआंकोलॉजी | न्यूरोलॉजी | नेफ्रोलॉजी
कैंसर सर्जरी | प्लास्टिक एण्ड कॉस्मेटिक सर्जरी | मैटरनिटी एण्ड इनफर्टिलिटी
आयुष्मान/ दीनदयाल उपाध्याय कार्ड धारकों हेतु इलाज सुविधा
अम्बेडकर पुरम, आवास विकास नं. 3, कल्यानपुर, कानपुर
फोन: 0512-2982488, मो.: 9336119188, 7380515151

NATIONAL DOCTORS' DAY
Nutan HOMEOPATHIC CLINIC DR. Madhulika Shukla
डॉक्टर्स डे पर सलाम आपके साहस और समर्पण को...
चिकित्सा के क्षेत्र में होम्योपैथी को दे रही हैं नई दिशा डॉ मधुलिका शुक्ला
डॉ. मधुलिका शुक्ला
Senior Homeopathic Physician and consultant
Awarded by Ministry of State for Health and Family Welfare of India
Awarded by Ministry of Ayush (UP Govt)
अंडाशय में गांठ (ओवेरियन सिस्ट)
हार्मोनल असंतुलन, पेट के निचले हिस्से में दर्द, भारीपन या सूजन, मासिक धर्म में अनियमितता, भारी रक्तस्राव, दर्दनाक मासिक धर्म, उल्टी–मतली, भूख न लगना, स्तनों में दर्द
गर्भाशय की गांठ (यूटरिन फाइब्रॉयड)
एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन के असंतुलन, मोटापा, उच्च रक्तचाप, भारी व दर्दभरा मासिक धर्म रक्तस्राव, पेट के निचले हिस्से में दबाव या दर्द, बार–बार पेशाब आना, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, कब्ज, थकान, यौन संबंध के दौरान दर्द
PCOD / PCOS के लक्षण
पीरियड्स अनियमित होना, श्रोणि में दर्द होना, ब्लड प्रेशर बढ़ना, दूसरे हार्मोन में असंतुलन होना, बांझपन की शिकायत होना, मुहांसे आना, स्वभाव में बदलाव, बालों का झड़ना, अनचाहे अंगों पर बाल आना, वजन का बढ़ना, त्वचा सबंधी समस्या, अंडाशय में सिस्ट आदि।
Happy Patients ... Happy Doctor..!
सबसे अनमोल तोहफ़ा आपका विश्वास
पता: केशवपुरम, कल्याणपुर, कानपुर
9452349863

बरसात के मौसम में आहार और डायबिटीज मैनेजमेंट"

मानसून का मौसम न केवल सुहावना होता है, बल्कि यह हमारी सेहत पर भी खासा प्रभाव डालता है। इस मौसम में नमी और तापमान में बदलाव के कारण पाचनतंत्र थोड़ा धीमा हो सकता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी प्रभावित होती है। ऐसे में संतुलित और पोषणयुक्त आहार लेना बेहद आवश्यक है। बरसात में हल्का, सुपाच्य और घर का ताज़ा बना हुआ भोजन लेना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्ज़ियों को अच्छे से धोकर पकाना चाहिए, ताकि संक्रमण का खतरा न हो। डायबिटीज से पीड़ित व्यक्तियों को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें अपने आहार में अधिक फाइबर युक्त चीजें जैसे साबुत अनाज, दलिया, फलियां और मौसमी फल (जैसे अमरूद, जामुन आदि) शामिल करने चाहिए। मीठे और डीप फ्राइड खाद्य पदार्थों से परहेज करें। साथ ही, नियमित अंतराल पर भोजन लेना और पानी की मात्रा बढ़ाना आवश्यक है। टहलना या हल्का व्यायाम भी ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मददगार होता है। स्वस्थ और संतुलित आहार अपनाकर हम न केवल मानसून की परेशानियों से बच सकते हैं, बल्कि डायबिटीज जैसी बीमारियों को भी नियंत्रित रख सकते हैं। याद रखें-सही खानपान ही सच्चा उपचार है।

● रंजना सक्सेना, डाइटीशियन

घबराहट बेचैनी बुरे सपने आना सिर में दर्द बार बार हाथ धोना पारिवारिक कलह OCD एंजायटी Anxiety
मानसिक तनाव अत्यधिक उदासी नशे की लत अनिन्द्रा अनावश्यक डर लगना मासपेशियों में दर्द याददाश्त में कमी
डिप्रैशन Depression
एवं अन्य सभी मानसिक समस्याओं के निदान हेतु सम्पर्क करें
ईरा मनोरोग निदान केन्द्र एवं काउन्सलिंग सेन्टर
डॉ. ईरा त्रिपाठी (Ph.D.)
कन्सल्टेन्ट क्लीनिकल साइकोलोजिस्ट
स्वरूप नगर, कानपुर, 8840546994, 7355704438

फेको विधि द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन
लेंस लगाकर बिना टांका
30000 से अधिक लेंस प्रत्यारोपण के अनुभवी
डा. अमित गुप्ता
M.B.B.S., M.S. नेत्र सर्जन
स्पेक्ट्रम हेल्थ केयर
गीतानगर, निकट छपेड़ा पुलिया, कानपुर
पंजीकरण हेतु मो. 9451984816
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा

घुटनों/जोड़ों का दर्द | पैरालिसिस | दमा व मानसिक रोग
लीवर/किडनी | कैंसर | बी.पी./शुगर
इनफर्टिलिटी | स्त्री रोग | सेक्स रोग
मस्कुलर | त्वचा रोग | हार्ट रोग
फ्री हेल्थ चेकअप कैम्प
1 जुलाई डॉक्टर्स डे से 10 जुलाई गुरु पूर्णिमा तक
घुटनों के सभी रोगों का इलाज जानू वस्ति द्वारा
आँखों के रोगों का इलाज अक्षि तर्पण द्वारा
किडनी के सभी रोगों का इलाज उदर वस्ति द्वारा
रीढ़ की हड्डी के सभी रोगों का इलाज पृष्ठ वस्ति द्वारा
मस्तिष्क के सभी रोगों का इलाज शिरोधारा द्वारा
इनफर्टिलिटी के सभी रोगों का इलाज पंचकर्म द्वारा
आयुर्वेद पंचकर्म की मदद से आप निसंतानता एवं गंभीर बीमारियों से पा सकते हैं छुटकारा
॥ इवा आयुर्वेद ॥
मल्टीस्पेशलिटी पंचकर्म सेन्टर
डॉ. सोनम गुप्ता
BAMS (BHOPAL), MD (AY), C.C. GARBH SANSKAR (BHU), CCP (KERALA), CCIUCD (URSALA KANPUR), M.PHIL
वरिष्ठ आयुर्वेद स्त्री-प्रसूति एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ
डॉ. सौरभ गुप्ता
BAMS (BHOPAL), MD (AY), CCBIM (PUNE), CCP (KERALA)
वरिष्ठ आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
बी.पी. एवं शुगर की जाँच फ्री एवं अन्य सभी खून की जाँचों, अल्ट्रासाउण्ड में 50% तक छूट।
सम्पर्क करें: 7007279848, 9044429359
एच-1066 सत्यम बिहार, बगिया क्रासिंग रोड, (केशव वाटिका मोड़ के पास) कल्यानपुर, कानपुर

स्पेक्ट्रम हेल्थ केयर, गीतानगर

स्पेक्ट्रम हेल्थ केयर, गीतानगर, निकट छपेड़ा पुलिया में वरिष्ठ नेत्र सर्जन अमित गुप्ता द्वारा आंखों से सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज किया जाता है डा. अमित गुप्ता ने बताया कि आंखों की बीमारी को लोग लम्बे समय तक नजर अंदाज करते हैं जिससे आंखों में पानी आना और मोतियाबिंद की बीमारी पनपने लगती है आंखों की समय समय पर जांच करवाते रहना चाहिये।

यहां पर मोतियाबिन्द का आपरेशन अत्याधुनिक फेको विधि से किया जाता है हमारे यहां अब नेत्र परीक्षण हेतु नवीनतम ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी यानी ओसीटी मशीन द्वारा आंखों के रेटिना, कार्निया और ऑप्टिक नर्व्स की समस्याओं की जांच व इलाज किया जाता है इसके अलावा आईओएल मास्टर 700 विद टू के, मोतियाबिंद के आपरेशन में उच्च कोटि के लेंस का बिल्कुल सटीक नम्बर निकालने के लिये उपयोग में लाई जाने वाली जेईस कम्पनी की कानपुर की सर्वप्रथम टू के मशीन है उच्च कोटि के लेंस के प्रत्यारोपण में बिल्कुल सही नम्बर निकालना अति आवश्यक है आईओएल मास्टर 700 विद टू के, ये काम सहजता से कर देती है टोरिक एवं इडाफ लेंस के प्रत्यारोपण में ये मशीन एक वरदान के समान है। डा. अमित गुप्ता को लगभग 30000 से भी ज्यादा आपरेशन का अनुभव है यहां आयुष्मान कार्ड धारकों का निःशुल्क इलाज किया जाता है।

● डॉ. अमित गुप्ता, नेत्र सर्जन

आप सभी को डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
Rama Devi Medical Centre Pvt. Ltd.
RAMA DEVI, G.T. ROAD, KANPUR
Email: rdmc.ramadevi@rediffmail.com
हमारे यहाँ निम्न सुविधाएं उपलब्ध हैं
जनरल स्पेशिएलिटी
• आई.वी.एफ.
• जनरल मेडिसिन
• स्त्री एवं प्रसूति रोग
• बाल्य रोग एवं नवजात शिशु चिकित्सा
• नाक, कान, गला
• नेत्र रोग विभाग
• हड्डी एवं जोड़ रोग
• दंत रोग
• जनरल सर्जरी (लैप्रोस्कोपी)
• छाती एवं दमा रोग (चेस्ट फिजीशियन)
सुपर स्पेशिएलिटी
• न्यूरोलॉजी
• नेफ्रोलॉजी (किडनी रोग)
• कार्डियोलॉजी (हृदय रोग)
• यूरोलॉजी (मूत्र रोग)
• पीडियाट्रिक सर्जरी (बच्चो की सर्जरी)
• प्लास्टिक सर्जरी
• गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग
24 घंटे उपलब्ध सुविधायें
ICU • NICU • Blood Bank • Pathology
CT-Scan • X-ray • Operation Theater
Emergency & Trauma Care
Endoscopy • Labour Room
Medical Store • Ambulance Service
किलकारी से गूँजेगा अब आपका आँगन
PAPA IVF RAMA DEVI MEDICAL CENTRE
निःशुल्क निःसंतानता जाँच शिविर
अब आपके अपने शहर कानपुर में
निःशुल्क पंजीकरण हेतु सम्पर्क करें 8090052201/02
PAPA IVF Fertility & IVF Centre A Unit of Ramadevi Medical Centre
ESIC, C.G.H.S. E.C.H.S. C.A.P.F T.P.A
एवं आयुष्मान भारत द्वारा सम्बद्ध
पं० दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना
Mob.: 7080902021, 7080902022, 7080902028, 9140718743

निर्यातकों का 20 फीसदी तक कारोबार प्रभावित

युद्ध के बाद बदले हालात से ऑर्डर हो रहे होल्ड, संशय में निर्यातक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ईरान-इजरायल युद्ध के बाद पनपे वैश्विक हालात से शहर के नए 129 निर्यातक सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं। नए निर्यातकों का उत्पाद खरीदारों ने होल्ड पर रख दिया है। निर्यात विशेषज्ञों के अनुसार अब तक नए निर्यातकों का लगभग 20 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ है। इनमें ज्यादतर निर्यातक ऐसे हैं जो यूरोप और यूके में अपने उत्पाद भेजते हैं।

शहर में पिछले वित्तीय वर्षों में 129 ऐसे युवा निर्यातक थे जिन्होंने अपना निर्यात कारोबार शुरू किया था। इन निर्यातकों ने चमड़े से अलग एग्रो, डेकोरेशन, गारमेंट, पेट्स टॉय सहित अन्य सेक्टर का करोबार शामिल था। ये अस्थिरता का सीधेतौर पर सामना कर रहे हैं। अब कम पूंजी और खरीदार होने की वजह से इन निर्यातकों के सामने कई परेशानियां खड़ी हो

- बीमा प्रीमियम महंगा होने से ही निर्यात कारोबार पर पड़ रहा असर

129 निर्यातक सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं

01 करोड़ से कम पूंजी पर निर्यात कारोबार से जुड़े युवा

19 देशों में सीधा निर्यात करते हैं यह नए युवा निर्यातक

रही है। फियो के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि नए निर्यातक जिन्होंने अपना निर्यात कारोबार पिठले एक या दो वित्तीय वर्षों से शुरू किया है उन्हें युद्ध से उपजी वैश्विक अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है।

मांग-आपूर्ति में परिवर्तन

वैश्विक कारोबार में हाल ही के तीन महीनों में मांग और आपूर्ति में परिवर्तन भी निर्यातकों को देखने को मिल रहा है। इसका असर भी नए निर्यातकों पर पड़ रहा है। इसकी वजह नए निर्यातक कम व सीमित उत्पादों में कारोबार करना हैं। इसके अलावा शुरुआती पूंजी कम होने की वजह से भी इन निर्यातकों का बहुत जल्द अपना उत्पाद बदलना भी मुश्किल साबित हो रहा हैं।

यह पड़ेगा असर

युद्ध से पैदा हुए अस्थिरता के हालात से ऐसे युवा जो निर्यात कारोबार में आना चाह रहे हैं वे अब रुक गए हैं। ऐसी स्थिति में शहर में इस वित्तीय वर्ष नए निर्यातकों का कारोबार में आने की संख्या में भविष्य में कमी दर्ज की जा सकती है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय निर्यात कारोबार में आने की योजना बना रहे युवा वैश्विक कारोबार पर रिसर्च कर रहे हैं। वे तुरंत आने के बजाए वैश्विक मांग के अस्थिर होने का इंतजार कर रहे हैं।

दिन में जलानी पड़ी लाइट

शहर में सोमवार को लगातार दूसरे दिन झमाझम बारिश हुई। इससे मौसम सुहाना हो गया। घिरे काले-काले बादलों से शाम से पहले ही अंधेरा छाने लगा। जिसकी वजह से वाहन सवारों को दिन में ही लाइट जलानी पड़ी। अमृत विचार

195 परिषदीय विद्यालयों का विलय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विलय के बाद समीप के स्कूलों में पढ़ेंगे बच्चे
- बेसिक शिक्षा विभाग की विद्यालय मर्जर नीति का खाका हुआ तैयार
- कम बच्चे वाले विद्यालयों से पास के स्कूलों में बच्चों का होगा स्थानांतरण

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा विभाग ने ऐसे प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय जहां छात्र संख्या 50 से कम है, को बंद करने का आदेश दिया है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का पास के ही दूसरे विद्यालयों में विलयन किया जाएगा। जिले में स्कूलों के मर्जर का खाका तैयार कर लिया गया है। इसके तहत नए सत्र से 195 स्कूल कम हो जाएंगे। इन स्कूलों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को दूसरे नजदीकी स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। बच्चों के स्थानांतरण की जानकारी उनके अभिभावकों को स्कूल की ओर से दी जाएगी।

परिषदीय स्कूलों के मर्जर से जिले में सबसे अधिक भीतरगांव ब्लॉक प्रभावित होगा। इस ब्लॉक में सबसे अधिक स्कूलों का मर्जर होने जा रहा है। भीतरगांव ब्लॉक में 50 से कम बच्चों वाले 35 व 20 से कम बच्चों वाले 100 स्कूल सामने आए हैं। ऐसे गांव जहां पर दो स्कूल हैं और उन स्कूलों में 44 व 50 के आसपास बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, उनका भी मर्जर किया जा रहा है। विभाग की ओर से कुल 195 स्कूलों का मर्जर जिले में किया गया है। इनमें सभी तरह के स्कूल मसलन 20 से कम छात्र, 50 से कम छात्र व एक गांव में दो स्कूल शामिल हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह ने बताया कि विभाग की ओर से मर्जर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। नए सत्र से इसे लागू कर दिया जाएगा।

विरोध में उतरे शिक्षक संगठन

मर्जर से पठन-पाठन को नुकसान

- स्कूल मर्जर नीति का शिक्षकों की ओर से विरोध शुरू हो गया है। शिक्षक संगठनों ने ज्ञापन देकर अपनी बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाई है। शिक्षक पेयरिंग (मर्जर) के नाम पर कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों के विलय की नीति का विरोध कर रहे हैं। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक महासभा के तहत परिषदीय शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अरुण पाठक को सौंपा। संगठन के प्रांतीय संयोजक अनुग्रह त्रिपाठी ने कहा कि पेयरिंग की नीति से बेसिक विद्यालयों की पठन-पाठन व्यवस्था को नुकसान होगा। इस दौरान अर्चित शुक्ल, दिनकर त्रिवेदी, दीपक चौहान, मनीष पाठक, मनीष निगम सहित मौजूद रहे।

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत, साथी घायल

- **कानपुर।** किदवईनगर में शनिवार देर रात तेज रफ्तार पिकअप ने दो युवकों को टक्कर मार दी और भाग निकला। पुलिस ने घायल युवकों को हैलट भेजा। जहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गई, दूसरे की हालत गंभीर है। पुलिस वाहन व चालक के बारे में पता कर रही है। जंगईपुरवा कंजड़ बस्ती निवासी 22 वर्षीय दीपक मजदूरी करता था। परिवार में पिता रामकिशन, भाई सूरज और जयकिशन हैं। भाइयों ने बताया कि शनिवार देर रात वह अपने दोस्त अर्जुन के साथ चाय पीने के लिए निकला था। तभी बारादेवी के पास तेज रफ्तार पिकअप ने दोनों को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों घायल हो गए। हैलट में इलाज के दौरान दीपक की मौत हो गई। हादसे की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। किदवईनगर थाना प्रभारी ने बताया कि पिकअप चालक के बारे में पता किया जा रहा है।

मायके में रह रही महिला ने फांसी लगा जान दी

कानपुर। गोविंद नगर थानाक्षेत्र में रविवार देर रात लेबर कालोनी में रह रही महिला ने बाथरूम में फंदे से लटककर जान दे दी। परिजनों ने पति समेत ससुरालीजनों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। परिजनों के अनुसार युवक ने प्रेम विवाह कर फंसाया था।

गोविंद नगर के लेबर कालोनी निवासी महेंद्र सिंह के अनुसार उनकी बेटी गुरमीत उर्फ खुशी (21) से सीटीआई कालोनी निवासी फैक्टरी कर्मी निखिल अरोड़ा ने सवा साल पहले दोस्ती की। बेटी से प्रेम विवाह कर लिया। शादी के बाद से लगातार दहेज की मांग को लेकर आए दिन पति और अन्य ससुरालीजन प्रताड़ित करते रहते थे। बेटी दो माह से उनके पास रह रही थी।

स्क्रैप गोदाम कर्मचारियों से मारपीट कर रंगदारी मांगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आरोपी पक्ष ने कहा, अवैध गोदाम की शिकायत पर खुन्नस में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार। कोयलानगर में एक स्क्रैप कारोबारी ने गोदाम में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट करने और 25 हजार रुपये महीना रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। कारोबारी ने चकेरी पुलिस से शिकायत कर मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि अवैध कबाड़ गोदाम की शिकायत जिलाधिकारी से की थी। जिसकी खुन्नस में कारोबारी ने मुकदमा दर्ज कराया है।

मूलरूप से दिल्ली रोहिणी सेक्टर 24 पाकेट सेवन निवासी कारोबारी सुनील कुमार का कोयलानगर के सनिगवां रोड पर स्क्रैप का गोदाम है। सुनील ने बताया कि वह आते-जाते रहते हैं। गोदाम में कर्मचारी काम करते हैं। आरोप है कि सनिगवां के प्रदीप कुमार तिवारी गोदाम में आकर कर्मचारियों से मारपीट कर महीना बांधने की मांग करते हैं।

विरोध पर गोदाम बंद करा देने की धमकी दी। सुनील के अनुसार बीती 24 जून को आरोपी प्रदीप अपने साथी बबलू शुक्ला, प्रमोद तिवारी, बउअन पांडेय समेत अन्य के साथ गोदाम में आए और कर्मचारियों से मारपीट व तोड़फोड़ की। जाते समय 25 हजार रुपये महीना रंगदारी देने की धमकी दी। जिसके बाद पीड़ित ने चकेरी थाने में शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं दूसरे पक्ष के प्रदीप ने बताया कि उन्होंने 12 जून को सुनील के अवैध गोदाम की शिकायत जिलाधिकारी से की थी। गोदाम रिहायशी इलाके के बीच व गैस पाइप लाइन के पास बना है। 24 जून को नगरनिगम की टीम ने अतिक्रमण हटवाया था।

गोदाम से परेशानी होने पर कर्मचारियों का इलाके के लोगों से विवाद भी हुआ था। आरोप है कि सुनील ने खुन्नस में फर्जी मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है। दूसरा पक्ष अगर शिकायत करता है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

यूपीटीटीआई छात्रों को जर्मनी की नौकरियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नई कंपनियों की ओर से बातचीत पूरी, अगस्त से आएंगी कंपनियां
- प्रोडक्ट डेवलपिंग सहित अन्य पदों के लिए युवाओं को परखेंगी

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान में नए सत्र से जर्मनी और मॉरिशस की कंपनियां भी युवाओं को रोजगार देने संस्थान आ सकेंगी। संस्थान की ओर से निजी कंपनियों से बातचीत पूरी हो गई है। 15 अगस्त के बाद से यह कंपनियां संस्थान के प्लेसमेंट सेल में युवाओं को परखने आ रही है।

यूपीटीटीआई में स्थापित प्लेसमेंट सेल नए सत्र में युवाओं को रोजगार देने की तैयारी कर रहा है। इस बार नए सत्र में प्लेसमेंट सेल में कई विदेशी कंपनियां भी जुड़ी है। यह कंपनियां खासतौर पर प्रोडक्ट डेवलेप्मेंट के लिए युवाओं को परखने आएंगी। इनमें मॉरिशस की कंपनी सीएमटी स्पिनिंग भी शामिल हैं। इसके अलावा नए सत्र में संस्थान में आने वाली कंपनियों में जर्मनी की कंपनी वॉयथ पेपर ग्रुप भी इस बार संस्थान में विदेशी कंपनी के रूप में जुड़ी है। उधर संस्थान में इंडोरामा कंपनी भी प्लेसमेंट देने वाली विदेशी कंपनी में जुड़ी है। यह कंपनी इंडोनेशिया के साथ ही थाईलैंड, जर्मनी, इटली व भारत में भी काम करती है। शामिल होने वाली कंपनियों में रिलाइंस भी सूची में शामिल हैं। प्लेसमेंट सेल से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यह कंपनियां संस्थान में प्रमुख रूप से टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी से जुड़े छात्रों को परखने की योजना पर काम कर रही है। प्लेसमेंट सेल प्रभारी प्रो जेपी सिंह ने कहा कि निजी कंपनियों के साथ लगातार बातचीत चल रही है। संस्थान के साथ जल्द ही और भी अधिक कंपनियां जुड़ सकेंगी।

शोध पर कंपनियां सक्रिय

- शहर में टेक्सटाइल रिसर्च पर संस्थान के युवा बेहतर कार्य कर रहे हैं। देश विदेश की कपनियां इन रिसर्च पर भी युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है। खासतौर पर औद्योगिक टेक्सटाइल पर संस्थान पर हो रहे शोध को अब विदेशी कंपनियां भी शोधपरक छात्रों को अपने यहां पर रोजगार देने के लिए संस्थान से संपर्क कर रहीं हैं।

युवाओं को प्रशिक्षण

- संस्थान में प्लेसमेंट सेल की ओर से युवाओं को नौकरी पाने के लिए भी प्रशिक्षण दिया जाता है। खासतौर पर निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ साक्षात्कार का भी प्रशिक्षण युवाओं को दिया जाता है। कई बार इस प्रशिक्षण में पेशेवर विशेषज्ञ भी शामिल होकर युवाओं को महत्वपूर्ण टिप्स देते हैं।

सार-संक्षेप

बोलेरो की टक्कर से जलकल कर्मी की मौत

कानपुर। चचेरे भाई के साथ स्कूटी से रायबरेली जा रहे जलकल के चतुर्थश्रेणी कर्मी को बीते रविवार को उन्नाव के अचलगंज में तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान जलकल कर्मी ने दम तोड़ दिया। बेनाझाबर निवासी खुशीराम (40) जलकल में चतुर्थ श्रेणी कर्मी थे। परिजनों ने बताया कि बीते रविवार को वह अपने चचेरे भाई महेश के साथ रायबरेली के सलवन पूरे भैरव गांव जा रहे थे। उन्नाव के अचलगंज में सड़क किनारे स्कूटी खड़ी करके आराम करने लगे। तभी पहले बाइक सवार ने टक्कर मारी। इसके बाद पीछे से आई तेज रफ्तार बोलेरो ने स्कूटी समेत दोनों को टक्कर मार दी। परिजनों का आरोप है कि सूचना देने के बाद भी कोई भी अधिकारी झांकने तक नहीं पहुंचा। कर्नलगंज इंस्पेक्टर रविंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि हादसा उन्नाव में हुआ है। परिजन वहीं रिपोर्ट दर्ज कराएंगे।

बकाया वेतन मांगने पर जानलेवा हमला, रिपोर्ट

कानपुर। गोविंदनगर में कर्मचारी को तीन माह की बकाया वेतन मांगना भारी पड़ा। फैक्ट्री मालिक ने उसे एक होटल के पास बुलाकर साथियों के साथ मिलकर धारदार हथियार से वार कर बेदम कर दिया। कर्मी के पिता ने मालिक व उसके साथी पर जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रतनलालनगर एचआईजी कॉलोनी निवासी विनोद कुमार ने बताया कि उनका बेटा अमन वर्मा दादानगर स्थित गिरिराज इंडस्ट्री में नौकरी करता है। बेटे को करीब तीन माह से मालिक हर्षित अग्रवाल से करीब 66 हजार रुपये वेतन नहीं दिया था। कई बार मांगने पर मालिक ने रुपये नहीं दिए और नौकरी छोड़ने पर अंजाम की धमकी दी। बीती 26 जून को हर्षित अग्रवाल ने अमन को फोन करके दादानगर स्थित होटल के पास बुलाया। अमन अपने मित्र अभय चंदेल के साथ पहुंचा। हर्षित व उसके साथी आदित्य कार से आए और अमन को पीटने के बाद धारदार हथियार से हमला किया, सिर पर ईंट मारी। अभय की सूचना पर परिजन पहुंचे और बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया।

कानपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एयरपोर्ट निदेशक को मिली ईमेल, पुलिस, खुफिया सक्रिय
- पुलिस ने एयरपोर्ट और आसपास चलाया चेकिंग अभियान

अमृत विचार। कानपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई मेल एयरपोर्ट डायरेक्ट को मिला तो हड़कंप मच गया। डायरेक्टर ने घटना की जानकारी चकेरी पुलिस को दी जिसपर पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया।

कानपुर एयरपोर्ट के डायरेक्टर संजय कुमार को रविवार को धमकी भरा ई मेल मिला जिसमें कानपुर, लखनऊ समेत 18 एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई थी। जिसपर एयरपोर्ट अथारिटी की ओर से थाना चकेरी में तहरीर दी गई है। पुलिस और खुफिया विभाग घटना को लेकर गंभीरता से जांच कर रहा है। दूसरी ओर एयरपोर्ट के अंदर सीआईएसएफ, वायुसेना भी

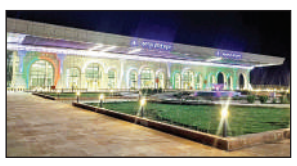

अलर्ट पर है। एयरपोर्ट पर संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है और चप्पे चप्पे पर तलाशी अभियान चलाया गया। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय का कहना है कि एयरपोर्ट अथारिटी की ओर से तहरीर मिली है। सूचना मिलने के बाद एयरपोर्ट के बाहर चेकिंग कराई गई। एडीसीपी एलआईयू ने बताया कि जानकारी जुटाई जा रही है।

DR. B S KUSHWAH
INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

रामा अस्पताल
लखनपुर- कानपुर
निकट कानपुर विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर
निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर
दिनांक : 01 जुलाई 2025 | 09:00 बजे से 04:00 बजे तक

हृदय रोग | किडनी रोग | कैंसर रोग
मस्तिष्क रोग | यूरोलॉजी | श्वांस रोग
हड्डी एवं जोड़ | मनोरोग | जनरल सर्जरी
बाल एवं शिशु | नाक,कान,गला | स्त्री रोग
नेत्र रोग | जनरल मेडिसिन | दन्त रोग

नियम और शर्तें लागू

70 वर्ष से अधिक बुजुर्गों के लिए आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनाया जायेगा
कृपया अपना आधार कार्ड एवं मोबाइल अवश्य लायें।

24x7 एम्बुलेंस सुविधा • आई.सी.यू. • रेडियोलोजी • ब्लड बैंक • पैथोलोजी • फार्मेसी

निःशुल्क सर्जरी | निःशुल्क रक्त की जाँच | निःशुल्क मरीज़ बिस्तर
न्यूनतम दरों पर दवाइयां | निःशुल्क अल्ट्रासाउंड | निःशुल्क पौष्टिक आहार

आयुष्मान भारत योजना कार्ड | TPA हेल्थ इंश्योरेंस | ECHS एवं
पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज

संपर्क करें 7081570570, 8810781642

दिया जीवन | 34 ग्राम पंचायतों में लक्ष्य के अनुरूप नदी की खुदाई का काम पूरा

किसानों के लिए वरदान साबित होगी नून नदी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नवीन सभागार में बैठक करतीं मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन। अमृत विचार

अमृत विचार। नून नदी पुनरूद्धार का कार्य लगभग पूर्ण हो जाने के बाद प्रथम बारिश में धारा प्रवाहित होने लगी है, जो देखने में बहुत ही मनोहर लग रही है। नून नदी से निश्चित रूप से इस क्षेत्र के जल स्तर में सुधार होगा तथा क्षेत्रीय किसानों को सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता होगी।

वर्तमान में नून नदी प्रवाह क्षेत्र के 34 ग्राम पंचायतों में लक्ष्य के अनुरूप नदी की खुदाई का काम पूरा हो चुका है। सोमवार को सरसैयाघाट स्थित नवीन सभागार में नून नदी एवं पौधरोपण को लेकर मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें नून नदी में अभी तक किये गये सफाई अभियान के साथ ही वृक्षारोपण की कार्य योजना की समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत एवं विकास खण्ड स्तर पर नून नदी पुनरूद्धार एवं वृक्षारोपण समिति का गठन किया जो विकास खण्डीय एवं ग्राम स्तरीय समितियां नून नदी में कराये गये कार्यों का अनुरक्षण सुनिश्चित करेंगी। बैठक में उपायुक्त श्रम रोजगार चन्द्र मोहन कनौजिया के अतिरिक्त नून नदी के बहाव क्षेत्र में आने वाली ग्राम पंचायतों के प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायक, अतिरक्त कार्यक्रम अधिकारी एवं संबंधित खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

शतेषु जायते शूरः सहस्रेषु च पण्डितः।
वक्ता दशसहस्रेषु दाता भवति वा न वा।।

सौ लोगों में से एक शूरवीर होता है। हजार लोगों में एक विद्वान होता है। दस हजार लोगों में एक अच्छा वक्ता होता है। वहीं लाखों में बस एक ही दानी होता है।

संपादकीय

कालेज परिसर में दरिंदगी

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा को उसके ही कॉलेज परिसर में घसीटा जाता है, गैंगरेप किया जाता है, वीडियो रिकॉर्ड होता है और उसे धमकी दी जाती है कि अगर किसी से कुछ कहा तो यह वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। सवाल यह है कि कॉलेज का वह परिसर जो पढ़ाई और कानून की समझ के लिए बनाया गया था, वह एक साजिशी अपराध की जगह कैसे बन गया? सीसीटीवी कैमरे चालू थे, सुरक्षा गार्ड मौजूद थे, मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई है, फिर भी पुलिस ढंग से तभी हरकत में आई जब वीडियो सोशल मीडिया पर तैरने लगा। मुख्य आरोपी अब गिरफ्तार किए जा चुके हैं। क्या मौके से मिले सबूत काफी नहीं थे पुलिस को फ़ौरन कार्रवाई के लिए? या फिर राज्य सरकार को पहले यह तय करना था कि आरोपियों का राजनीतिक संबंध कितना भारी पड़ेगा? क्या इसलिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चुप्पी इस बार भी उतनी ही स्पष्ट है जितनी आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर के केस में थी? यह पहली बार नहीं है कि कोलकाता के किसी कॉलेज में एक छात्रा के साथ बलात्कार हुआ हो। ठीक दस महीने पहले आरजी कर मेडिकल कॉलेज की इंटर्न डॉक्टर के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ, उसके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। उस केस में भी तमाम सबूतों के बावजूद कार्रवाई धीमी रही और अब तक न्याय अधूरा है।

सवाल यह है कि क्या कोलकाता के कॉलेज लड़कियों के लिए कैंपस नहीं, क्राइम सीन बनते जा रहे हैं? क्या महिला सुरक्षा अब भी केवल घोषणाओं और चुनावी वादों तक सीमित रहेगी? राज्य सरकार कह रही है कि आरोपी का पार्टी से कोई रिश्ता नहीं, लेकिन ये स्पष्टीकरण तब क्यों आता है जब आरोप गहराने लगते हैं? बीजेपी मुख्यमंत्री से इस्तीफ़ा मांग रही है, महिला आयोग की टीम को कॉलेज कैंपस में देर से प्रवेश दिया गया क्या यह सब एक लड़की की अस्मिता से बड़ा है? क्या हम फिर वही कहानी दोहराते रहेंगे-पहले रेप, फिर चुप्पी, फिर राजनीति, फिर मीडिया ट्रायल, और फिर धीरे-धीरे भूल जाना? क्या छात्रा की आपबीती, जिसमें वह कहती है कि "मुझे लगा मैं ज़िंदा नहीं बचूंगी," केवल एक सुर्खी बनकर रह जाएगी? समाज, पुलिस, कॉलेज प्रशासन और राजनेता सभी को यह तय करना होगा कि वे पीड़िता के साथ खड़े हैं या आरोपियों की चुप्पी के हिस्सेदार हैं। क्योंकि सवाल अब यह नहीं कि अगला शिकार कौन होगी, सवाल यह है कि अगली बार भी सब उतने ही चुप रहेंगे क्या?

क्या मशीनें भर सकती हैं धरती का घाव

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
नई दिल्ली

जलवायु न्याय, या क्लाइमेट जस्टिस, एक नैतिक और राजनीतिक अवधारणा है जो जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरणीय संकट न मानकर उसे वैश्विक असमानताओं की एक कड़ी मानती है।

जब धरती की छाती पर मशीनों की सनसनाहट प्रकृति के हृदय की धड़कनों को दबा दे, जब वनों की हरियाली पर कृत्रिम सोल्यूशंस का धुंआ छा जाए, तब यह प्रश्न अनिवार्य हो उठता है-क्या तकनीक वास्तव में उस करुण क्रंदन का प्रत्युत्तर है जो जलवायु न्याय की मांग करता है? आज मानवता एक ऐसे युग के मुहाने पर खड़ी है जहां एक ओर विज्ञान अपने चमत्कारों से भविष्य गढ़ने का दावा करता है, वहीं दूसरी ओर पृथ्वी, जो मां के समान हमें जीवन देती रही, उसके आंचल पर हमने प्रदूषण, शोषण और उपेक्षा के धब्बे छोड़ दिए हैं। 'क्लाइमेट जस्टिस बनाम क्लाइमेट टेक्नोलॉजी' की यह बहस कोई साधारण विमर्श नहीं, बल्कि सभ्यता के विवेक और वर्चस्व की उस लड़ाई का प्रतीक है जिसमें ग्लोबल नॉर्थ अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारियों से बचकर तकनीकी उपायों की आड़ में नए उपनिवेश रच रहा है, जबकि ग्लोबल साउथ अब भी उन आंधियों को झेल रहा है जो उसने कभी बोई ही नहीं थीं।

जलवायु न्याय, या क्लाइमेट जस्टिस, एक नैतिक और राजनीतिक अवधारणा है जो जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरणीय संकट न मानकर उसे वैश्विक असमानताओं की एक कड़ी मानती है। यह दृष्टिकोण मानता है कि जलवायु संकट का बोझ समान रूप से वितरित नहीं हुआ है, न तो उत्पत्ति के स्तर पर और न ही प्रभाव के स्तर पर। ऐतिहासिक रूप से, ग्लोबल नॉर्थ यानी यूरोप, अमेरिका, जापान जैसे विकसित देश औद्योगिक क्रांति से लेकर अब तक वायुमंडल में सर्वाधिक ग्रीनहाउस गैसें छोड़ते आए हैं। इसके विपरीत, ग्लोबल साउथ जैसे भारत, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया के अन्य विकासशील देश, ऐसे हैं जिन्होंने अपेक्षाकृत कम उत्सर्जन किया है, परन्तु जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों को सबसे अधिक झेला है। यही विसंगति जलवायु न्याय की मूल भावना है।

इस असंतुलन को ठीक करने के लिए 'क्लाइमेट जस्टिस' की परिकल्पना न्याय, उत्तरदायित्व और पुनर्वितरण पर आधारित है। इसका तात्पर्य यह है कि जिन राष्ट्रों ने इतिहास में अधिक प्रदूषण किया है, उन्हें आज जिम्मेदारी लेनी चाहिए, न केवल अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने की, बल्कि उन विकासशील देशों की सहायता करने की भी जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे हैं। इसमें तकनीकी सहायता, वित्तीय सहायता और जलवायु अनुकूलन के उपाय शामिल हैं। लेकिन समस्या यहीं समाप्त नहीं होती।

जब ग्लोबल नॉर्थ तकनीकी समाधानों की बात करता है, जैसे कि कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी या सोलर जियोइंजीनियरिंग तो यह एक नई बहस को जन्म देता है। क्या यह वास्तव में समस्या का समाधान है या केवल एक और तकनीकी भ्रम है जो मूल कारणों से ध्यान भटका देता है? क्या यह जलवायु संकट की वास्तविक नैतिक और ऐतिहासिक जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ने का एक नया उपनिवेशवादी तरीका नहीं है?

कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी, जिसमें उद्योगों या वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को खींच कर ज़मीन के भीतर दफना दिया जाता है, सुनने में आकर्षक लग सकती है। परन्तु यह तकनीक अभी तक व्यावसायिक रूप से सक्षम नहीं हो सकी है और इसके दीर्घकालिक प्रभावों पर भी संशय बना हुआ है। अधिकांश सीसीएस प्रोजेक्ट्स या तो असफल रहे हैं, या फिर इतने महंगे हैं कि इन्हें बड़े पैमाने पर लागू करना व्यावहारिक नहीं दिखता। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि इस तकनीक के पीछे छिपा हुआ भाव यह है कि हम अभी भी जीवाश्म ईंधनों का उपयोग करते रह सकते हैं, क्योंकि हमारे पास "वैकल्पिक उपाय" हैं। यह न केवल एक भ्रम है, बल्कि नैतिक रूप से भी गलत है, क्योंकि यह जलवायु न्याय की भावना को नकारता है।

सोलर जियोइंजीनियरिंग का विचार तो और भी अधिक विवादास्पद है। इस तकनीक में पृथ्वी की सतह पर आने वाली सौर ऊर्जा को नियंत्रित करने के लिए कृत्रिम उपाय किए जाते हैं, जैसे कि स्ट्रैटोस्फीयर में सल्फर डाइऑक्साइड के कण छोड़ना ताकि सूरज की रोशनी को परावर्तित किया जा सके। यद्यपि वैज्ञानिकों ने इसकी कुछ प्रयोगशालाओं में सफलता का दावा किया है, परन्तु इसके दीर्घकालिक और वैश्विक प्रभावों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं है। अगर यह प्रयोग असफल हो जाए, तो इसका परिणाम वैश्विक मौसम प्रणाली पर भयानक प्रभाव डाल सकता है जिसमें बाढ़, सूखा, मानसून की विफलता आदि की संभावना है।

अब यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि ऐसी तकनीकें किसके हित में हैं? क्या यह तकनीकें केवल उन राष्ट्रों को सशक्त नहीं करतीं जो पहले से ही अधिक संसाधन, तकनीकी प्रभुत्व और वैश्विक संस्थाओं पर प्रभाव रखते हैं? उदाहरण के लिए, यदि अमेरिका या चीन सोलर जियोइंजीनियरिंग का प्रयोग करते हैं और उसके परिणामस्वरूप भारत या अफ्रीका में सूखा पड़ता है, तो कौन जिम्मेदार होगा? जलवायु परिवर्तन को एक वैश्विक 'कॉमन' मानने की आवश्यकता है, न कि एक प्रयोगशाला जहां कुछ शक्तिशाली देश अपने हितों के लिए मौसम और प्रकृति के साथ खिलवाड़ करें।

वास्तव में, जलवायु तकनीकों की यह प्रवृत्ति एक नई तरह की उपनिवेशवादी मानसिकता को जन्म देती है- 'ग्रीन कॉलोनियलिज़्म'। पहले उपनिवेशवादी देशों ने वैश्विक दक्षिण से संसाधन लूटे, आज वे अपने प्रदूषण की भरपाई के नाम पर उन्हीं देशों में "कार्बन ऑफसेट प्रोजेक्ट्स" चला रहे हैं। विशाल भूभागों को "कार्बन सिंक" बनाने के लिए किसानों और आदिवासियों की भूमि छीनी जा रही है, उन्हें जंगलों की रक्षा करने का ठेका दिया जा रहा है जबकि उन जंगलों के 'मालिक' अब बहुराष्ट्रीय कंपनियां बन चुकी हैं। यह न तो न्याय है, न विज्ञान, यह एक पॉलिसी किया हुआ शोषण है, जिसे अब पर्यावरणीय नैतिकता का लबादा पहनाया जा रहा है।

इस सबके बीच, जलवायु न्याय की पुकार और भी मुखर होती जा रही है। ग्लोबल साउथ के देश बार-बार यह मांग करते आए हैं कि 'लॉस एंड डैमेज' फंड- जिसकी स्थापना कॉप27 में की गई थी, वास्तविक रूप में अमल में आए। यह फंड उन देशों को मुआवजा देने के लिए है जो जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसानों से जूझ रहे हैं, जबकि उन्होंने इस संकट में बहुत कम योगदान दिया है। लेकिन अब तक इसमें बहुत कम प्रगति हुई है। तकनीक की आड़ में नैतिक जिम्मेदारी को बार-बार टाल दिया गया है।

इस संबंध में यह जानना भी आवश्यक है कि तकनीक को पूरी तरह खारिज करना भी उचित नहीं होगा। हां, तकनीकें सहायक हो सकती हैं, अगर उनका प्रयोग जलवायु न्याय के दृष्टिकोण से किया जाए। स्थानीय स्तर पर अनुकूलन तकनीकें, जैसे जल संरक्षण के पारंपरिक उपायों का आधुनिकीकरण, सौर ऊर्जा का स्थानीयकरण, जैविक कृषि में तकनीकी सहायता आदि, वास्तव में न्यायपूर्ण समाधान बन सकते हैं। लेकिन इनका विकास नीचे से ऊपर की प्रक्रिया में होना चाहिए, न कि ऊपर से थोपे गए मॉडल के रूप में।

हम कह सकतें हैं कि तकनीक एक औज़ार हो सकती है, पर वह लक्ष्य नहीं हो सकती। जब तक हम जलवायु संकट को केवल तकनीकी चुनौती मानते रहेंगे, हम उसके वास्तविक समाधान से दूर भागते रहेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति की भरपाई करना केवल विज्ञान की सीमा से परे है-यह एक नैतिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण की मांग करता है और जब तक यह पुनर्निर्माण नहीं होता, तब तक जलवायु न्याय केवल एक नारा रहेगा, और तकनीकें केवल अस्थायी मरहम। हमें मरहम नहीं, उपचार चाहिए- न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ। यही मानवता और प्रकृति दोनों के भविष्य की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

प्रसंगवश

कलाकार और साहित्यकार

शंभुनाथ
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कोलकाता

कला अनैतिकता की दीमक लगने से एक जर्जर सुंदरता भर होती है, कोई बड़ा असर नहीं छोड़ती। यहां अनैतिकता का कोई पवित्रतावादी तात्पर्य नहीं है, क्योंकि आज नैतिकता के प्रधान स्रोत होने चाहिए-बंधुत्व, स्वतंत्रता और समानता। अतः आज अनैतिक का अर्थ है जो बंधुत्व, स्वतंत्रता और समानता का अपने आचरण में विरोधी है। हाल में एक कलाकार-कवि के अभद्र आचरण को किसी विच्छिन्न घटना के रूप में न देखकर हिंदी समाज में नैतिकता के सार्वभौम पतन के संदर्भ में देखा जा सकता है। हर तरफ हिंसा और पितृसत्ता सहित तमाम सत्ताएं बेलगाम हैं। इस कलाकार-कवि को कुछ ज्यादा घेरा गया, यह कहना भी जरूरी है कि यह कोई हंसने या मजा लेने की घटना नहीं है, यह पतन बड़ा कष्टदायक है। यह भी देखा जा सकता है कि इस घटना का संबंध केवल जेंडर मुद्दे से नहीं है, इस कलाकार-कवि के पुराने बेहूदी प्रकृति के आक्रमणों के लंबे सिलसिले से है जिसकी कड़ी नामवर सिंह, अशोक वाजपेयी आदि से शुरू होती है और उसमें शायद ही आगे सुधार हो। लेखकों पर वैचारिक आक्रमणों का हमेशा स्वागत है, पर क्या हिंदी में ऐसा आक्रमण रत्ती भर बचा है। यह व्यक्तिगत आक्रमण और चुनी हुई चुप्पियों का युग है। यही वजह है कि कई बार हिंदी लेखकों को आत्मप्रचार में उतरना पड़ता है जो एक दयनीय दशा है। दरअसल हिंदी साहित्यिक संसार में सराहना की जितनी गहरी भूख है, उतनी यह दुर्लभ है। इससे बहुत सी अनैतिकताओं और कुंठाओं का जन्म होता है, जिसका असर लेखक की सोच और उसकी साहित्यिक गुणवत्ता पर पड़ता है। बहुत दृढ़ व्यक्ति ही कला और नैतिकता दोनों को जीवन भर साध सकता है। यह प्रेमचंद-प्रसाद-निराला-महादेवी-अज्ञेय-मुक्तिबोध का युग नहीं है! आज हिंदी लेखक अपनी-अपनी छोटी-बड़ी गुमटियों में हैं। कुछ तरह तरह के कारण से अपने को बड़ा लेखक समझते हैं। यह अस्वाभाविक नहीं है। लेकिन इसपर विचार करना चाहिए कि आखिर विश्व मंच पर हिंदी लेखकों की वैसी उल्लेखनीय उपस्थिति क्यों नहीं है जैसी अफ्रीका, लैटिन अमेरिका या एशिया की कई छोटी भाषाओं के लेखकों की भी बड़े पैमाने पर है। महज कलाकार होने और साहित्यकार होने, मनुष्य होने में फर्क है!

हादसों से सबक लेने की जरूरत

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है।

धार्मिक उत्सवों में दुर्घटनाओं का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बैंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाईं थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। गुंडिचा मंदिर के पास घटी यह घटना पूरी तरह प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री मोहन मांझी ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर और एसपी विनीत अग्रवाल का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए।

भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। साफ है, प्रत्येक कुंभ में जानलेवा घटनाएं घटती रहने के बावजूद शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिए। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती, अतएव उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अक्सर देखने में नहीं आती? लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? अतएव देखने में आता है कि आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं।

रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकि उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए। क्योंकि उन पर जो घटना के भयावह दृश्य दिखाई देने लगे थे, उनसे निपटने का तात्कालिक कोई उपाय ही संभव नहीं रह गया था। ऐसी लापरवाही और बदइंतजामी सामने आना चकित करती है। दरअसल रथयात्रा में जो भीड़ उमड़ी थी, उसके अवागमन के प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत थी, उसके प्रति घटना से पूर्व सर्तकता बरतने की जरूरत थी? इसके प्रति प्रबंधन अदूरदर्शी रहा।

मेलों के प्रबंधन की सीख हम विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण से लेते हैं। जो भारतीय मेलों के परिप्रेक्ष्य में कतई प्रासंगिक नहीं है। क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। जो इस रथयात्रा में देखने में आई है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता इन्हीं लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया गया था। नतीजतन भीड़ ठसाठस के हालात में आ गई और दुर्घटना घट गई। नतीजतन पिछले कुछ समय से सबसे ज्यादा मौतें भगदड़ की घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में उन श्रद्धालुओं की हो रही हैं, जो ईश्वर से खुशहाल जीवन की प्रार्थना करने धार्मिक यात्राओं पर जाते हैं। साथ ही पिछले दो दशक के भीतर मंदिर हादसों में लगभग 5000 से भी ज्यादा भक्त मारे जा चुके हैं। जाहिर है, धार्मिक दुर्घटनाओं से छुटकारा पाने की कोई उम्मीद निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रही है ?

सोशल फोरम

संगठनों की चुप्पी पर सवाल

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

जब 2009 में शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) लागू हुआ, तब उसके क्रियान्वयन की आधारभूमि तैयार करने में अनेक गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओएस) की भूमिका उल्लेखनीय थी। बाल अधिकार, समावेशी शिक्षा, शत-प्रतिशत नामांकन, समुदाय आधारित निगरानी-इन सब पहलुओं को लेकर इन संगठनों ने सरकार पर दबाव बनाया, शोध प्रस्तुत किए और नीतिगत बदलावों की मांग की। लेकिन आज जब उसी आरटीई की मूल भावना के विरुद्ध उत्तर प्रदेश के कुछ गांवों में पेयरिंग, मर्जर और स्कूल विलय के नाम पर स्कूलों को 'पुनर्गठित' करने की प्रक्रिया ज़ोर पकड़ रही है तो इन संगठनों की चुप्पी गंभीर सवाल खड़े करती है। शिक्षाशास्त्रीय दृष्टि से गांव का स्कूल केवल एक भवन या प्रशासनिक इकाई नहीं होता, वह ग्रामीण समाज की साक्षरता, चेतना और सामाजिक गतिशीलता का केंद्र होता है। ऐसे में स्कूल को भौगोलिक या संख्यात्मक औचित्य के आधार पर बंद या विलीन करना, आरटीई के उस उद्देश्य के विरुद्ध जाता है जो कहता है कि हर बच्चे को निकटतम और सुविधाजनक विद्यालय मिलना चाहिए। यह अपेक्षा की जाती थी कि वही संस्थाएं जो कभी आरटीई के पक्ष में सड़क से संसद तक सक्रिय थीं, वे आज इन निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा करेंगी, बाल हित में सरकार से बात करेंगी और जरूरत पड़ने पर चेतावनी देंगी। लेकिन आज वे लगभग मौन हैं। क्या यह मौन केवल परिस्थितिजन्य है या यह दर्शाता है कि बहुत-सी स्वयंसेवी संस्थाएं अब शिक्षा को बाल अधिकार से अधिक प्रोजेक्ट और पार्टनरशिप के चश्मे से देखने लगी हैं? क्या अब शिक्षा सुधार का मतलब केवल 'डेटा बेस्ड एविडेंस' और 'पॉलिसी ब्रीफ' बन गया है, जिनका उद्देश्य नीति नियंताओं को सहूलियत देना भर है? एक शिक्षाशास्त्रीय समाज में यदि आलोचना, संवाद और प्रतिप्रश्न गायब हो जाएं, तो नीति निर्माण एकांगी हो जाता है। यदि शिक्षा/शिक्षकों के तथाकथित हितैषी संगठन आज चुप रहेंगे, तो कल जब कुछ गांवों से स्कूल गायब हो जाएंगे, तो फिर उनका डेटा, शोध और अनुभव केवल एक निष्क्रिय प्रलेख बनकर रह जाएगा। अब समय है कि ये संस्थाएं पुनः अपने बुनियादी दायित्व की ओर लौटें-बच्चों के लिए बोलें, न कि केवल परियोजनाओं के अनुरूप मौन रहें। **-फेसबुक वॉल से**

चिकित्सक दिवस पर विशेष

डॉक्टरों को व्यवस्था की मार से बचाइए

रोहित कौशिक
वरिष्ठ पत्रकार

आज सरकारी सेवा में कार्यरत डॉक्टरों को बेहतर माहौल देने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए हमारी स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार की जरूरत है।

आम तौर पर हमारे समाज में डॉक्टरों के क्रियाकलापों को लेकर एक अजीब सी नकारात्मता मौजूद रहती है। कई बार सच्चाई को स्वीकार न करके उन्हें खलनायक सिद्ध करने की कोशिश भी की जाती है। डॉक्टरों के खिलाफ आम धारणा यह है कि वे ऑपरेशन करने के लिए लालायित रहते हैं। पैथोलॉजी लैबों, मेडिकल स्टोरों और एक्सरे, सीटी स्कैन, एमआरआई करने वाले डायग्नॉस्टिक्स सेंटरों से कमीशन वसूलते है। इसलिए आवश्यकता न होते हुए भी रोगियों को जानबूझकर इन डायग्नॉस्टिक्स सेंटरों पर जाने के लिए मजबूर करते हैं। डॉक्टरों के खिलाफ इन धारणाओं में कुछ हद तक या फिर काफी हद तक सच्चाई हो सकती है लेकिन इन धारणाओं के आधार पर समूचे चिकित्सक जगत को बदनाम करना तर्कसंगत नहीं है। व्यावसायिकता के इस दौर में भी आज अनेक डॉक्टर समर्पण के साथ चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

हम सबका यह कर्तव्य है कि विपरीत परिस्थितियों में काम करने वाले ऐसे डॉक्टरो के जज्बे को नमन करते हुए चिकित्सा जगत में पनपनी विभिन्न विसंगतियों का गंभीरतापूर्वक विश्लेषण किया जाए। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हम डॉक्टरों के गलत क्रियाकलापों पर तो हल्ला मचा देते हैं लेकिन उनके अच्छे क्रियाकलापों पर उतनी गंभीरता से ध्यान नहीं देते हैं। फलस्वरूप समाज में डॉक्टरों के खिलाफ एक नकारात्कता छायी रहती है। कोरोना काल में हमारे डॉक्टरों ने जिस समर्पण, बहादुरी और जज्बे के साथ समाज की सेवा की है, वह सराहनीय है। ऐसे समय में जबकि एक आम आदमी को एक-दो घंटा मास्क लगाने में भी दिक्कत महसूस होती है, हमारे डॉक्टरों ने दिन-रात पीपीई किट पहनकर और मास्क लगाकर पसीने में नहाते हुए अपने काम को अंजाम दिया है। हो सकता है कि इस आपदा को कुछ डॉक्टरों ने अवसर में तब्दील कर दिया हो लेकिन इस आधार पर पूरी डॉक्टर बिरादरी को बदनाम करना क्या तर्कसंगत है? कई बार डॉक्टरों के साथ मरीजों के परिजनों द्वारा मारपीट की घटनाएं भी प्रकाश में आती हैं। इस वजह से डॉक्टर स्वयं के ऊपर जिम्मेदारी न लेकर कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहता है। यही कारण है कि वह पहले ही सब तरह के परीक्षण करा लेना चाहता है। कई बार सरकारी सेवा में कार्यरत डॉक्टर संसाधनों के अभाव में भी बेहतर कार्य नहीं कर पाते हैं। अनेक जगहों पर सरकारी अस्पतालों में वर्षों तक मशीने खराब पड़ी रहती हैं। डॉक्टरों द्वारा विभाग को कई पत्र लिखने के बाद भी व्यवस्था में सुधार नही होता है। ऐसे माहौल में योग्य डॉक्टरों का उत्साह कम हो जाता है और उन्हें निराशा का सामना करना पड़ता है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम डॉक्टरों के समर्पण को व्यवस्था की मार से बचाएं।

आज सरकारी सेवा में कार्यरत डॉक्टरों को बेहतर माहौल देने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए हमारी स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार की जरूरत है। पिछले दिनों नीति आयोग ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खर्च बढ़ाने की जरूरत बताई थी। नीति आयोग के सदस्य वी. के. पाल ने कहा था कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और उन्हें देश के हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए केन्द्र और राज्यों को मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं की मद में खर्च को बढ़ाना होगा। यह कटु सत्य है कि हमारे देश में आबादी के हिसाब से स्वास्थ्य सेवाएं दयनीय स्थिति में हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में जीडीपी का मात्र डेढ़ फीसद ही खर्च होता है। हालांकि सरकार ने अगले पांच साल में इसे तीन फीसद तक करने का लक्ष्य रखा है। जबकि हमारे देश के हिसाब से यह भी कम है। दुनिया के कई देश स्वास्थ्य सेवाओं की मद में आठ से नौ फीसद तक खर्च कर रहे हैं। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयास करती दिखाई तो दे रही है लेकिन उसका प्रयास व्यावहारिक रूप से क्रियान्वित होता दिखाई नहीं दे रहा है। इस प्रगतिशील दौर में भी ऐसी अनेक खबरें प्रकाश में आई हैं कि जब अस्पताल गरीब मरीज के शव को घर पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं करा पाए। दरअसल संसाधन सीमित होने तथा व्यवस्था में सुधार न होने के कारण डॉक्टर बेवजह बदनाम होते है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों अमेरिका के 'सेंटर फॉर डिजीज डाइनामिक्स, इकॉनॉमिक्स एंड पॉलिसी' (सीडीडीईपी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में लगभग छह लाख डॉक्टरों और 20 लाख नर्सों की कमी है। भारत में 10,189 लोगों पर एक सरकारी डॉक्टर है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक हजार लोगों पर एक डॉक्टर की सिफारिश की है। हमारे देश में व्यवस्था की नाकामी और विभिन्न वातावरणीय कारकों के कारण बीमारियों का प्रकोप ज्यादा होता है। हालांकि यह सुखद है कि इस माहौल में भी अनेक डॉक्टर अपने पेशे की गरिमा को बचाए हुए है। अनेक पर्यावरणीय कारणों से भविष्य में संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ेगा। सरकार इस दिशा में लगातार कदम उठा रही है लेकिन इस मुद्दे पर ज्यादा ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

चिंताजनक है जातीय विद्वेष

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

उत्तर प्रदेश में जातीय उन्माद फन फैला रहा है। इसके पहले कि कालिया नाग रुपी यह जातीय विद्वेष पूरे समाज को विषाक्त कर दे प्रशासन को कालिया दमन के पुराणोक्त चरित्र में योगेश्वर श्रीकृष्ण का अनुगमन करना होगा। यह क्या देखा जा रहा है कि कहीं स्वघोषित अहीर रेजिमेंट उत्पात मचाये हुए है तो कहीं भीम आर्मी पुलिस से पंगे ले रही है। इटावा में तो हद ही हो गई है जहां कथित यादव रेजीमेंट पुलिस पर पथराव ही नहीं किया गाड़ियां तक तोड़ दीं। दादरपुर गांव में जाति पूंछकर इंट्री देने की खबर है। इलाहाबाद में तो पांच हजार की संख्या में भीमराव आंबेडकर के अनुयायी होने का उद्घोष करने वाली भीड़ ने ऐसा उत्पात मचाया कि आस-पास के जिलों से पुलिस बुलानी पड़ी। क्या इसका अर्थ यह है कि प्रशासनिक मशीनरी ऐसी स्थितियों का पूर्वाभास नहीं कर पाई। और सामान्य और शांत जनजीवन में खलल डालने वाली घटनाएं उस सरकार में घट रही हैं जिसकी प्रशासनिक कुशलता की नज़ीरें दूसरे प्रांतों में दी जाती हैं। किंतु कहीं न कहीं कुछ ढ़िलाई या नरमी तो जरुर है भले ही वह अनचाहे हो या फिर किसी छुपे मंतव्य के चलते जानबूझकर। ताकि जनता भी सरे आम सड़क पर उतरती गुंडई का साक्षात कर सके। यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि ये उपद्रवी अपने नेताओं की शह पर अपनी पर उतर रहे हैं, बिना आगा पीछा सोचे। और यह सब 2027 के चुनाव के लिए जमीन और आबोहवा तैयार हो रही है। वर्तमान सरकार को उभरते जातीय उन्मादियों को सार्वजनिक अथवा निजीतौर पर समझा देना चाहिए कि उनकी सीमाएं क्या हैं। उनके साथ किसी भी तरह की नरमी न बरती जाए। अन्यथा प्रदेश में जातीय उन्माद कहीं व्यापक रुप से फैलकर विस्फोटक स्थिति में न पहुंच जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

एक नजर

डेंटल कॉलेजों में 700 एमडीएस सीटों पर होंगे दाखिले

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के दो सरकारी समेत 25 डेंटल कॉलेजों में एमडीएस की 700 सीटें हैं, जिन पर नीट एमडीएस 2025 की जारी काउंसिलिंग के माध्यम से दाखिले होंगे। कॉलेजवार सीट का ब्योरा चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय ने वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया है। जिससे कि काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थी मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं देंगे। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि प्रदेश में उप्र. यूनीवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, सैफई व किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय समेत 25 डेंटल कॉलेजों में पीजी के दाखिले होने हैं। कॉलेजों में उपलब्ध 700 सीटों का ब्योरा, आरक्षित सीटों के साथ सार्वजनिक कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि एक जुलाई से काउंसिलिंग एमडीएस की होगी, इसमें 4 जुलाई तक पंजीकण् कराना होग, फिर सात तक कॉलेजों की प्राथमिकता देनी होगी, 8 जुलाई को सीटावित सीट आवंटन के साथ ही अगले दिन से संबंधित कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

अपर मुख्य सचिव जितेंद्र कुमार समेत चार आईएएस सेवानिवृत्त

अमृत विचार, लखनऊ : अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन जितेंद्र कुमार समेत चार आईएएस अधिकारी सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। 1990 बैच के आईएएस अधिकारी के पास पुनर्गठन समन्वय, भाषा, राष्ट्रीय एकीकरण के साथ ही निदेशक हिंदी संस्थान का भी पद था। इसके अलावा वर्ष 2009 बैच के आईएएस अधिकारी अखिलेश कुमार मिश्रा, वर्ष 2012 बैच के आईएएस अधिकारी बृजराज सिंह यादव और इसी बैच के सुरेन्द्र प्रसाद सिंह सेवानिवृत्त हो गए। पीसीएस अधिकारियों में पप्पू गुप्ता, राम भरत तिवारी, कुंवर बहादुर सिंह, पुरुषोत्तमदास गुप्ता, सतीश कुमार त्रिपाठी, हरिओम शर्मा, राजीव पांडेय, हनुमान प्रसाद और राज नारायण सेवानिवृत्त हुए।

अनुदानित छात्रावास के कर्मियों को मिलेगा बढ़ा मानदेय

अमृत विचार, लखनऊ : समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने कहा कि अनुदानित छात्रावास के कर्मियों को श्रम दरों के अनुरूप बढ़ा हुआ मानदेय दिया जाएगा। जिस हिसाब से श्रम दर बढ़ेगी, कर्मियों का मानदेय भी उसी तरह बढ़ता रहेगा। राज्यमंत्री सोमवार को स्वर्गीय नरेंद्र कुमार शास्त्री की 94वी जयंती पर राजधानी स्थित शास्त्री छात्रावास में आयोजित एससी-एसटी सम्मलेन को संबोधित कर रहे थे। राज्यमंत्री ने कहा कि हमें डॉ भीमराव आंबेडकर के जरिये दिए गए आदर्श मूल्यों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। दूसरी ओर, राज्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के संसदीय कार्यालय में नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनको निस्तारित करने का निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया।

संघ दिखाएगा भाजपा प्रदेश व राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा और संघ में समीकरण व नामों को लेकर एक राय न बनने से घोषणा में हो रही देरी
- यूपी को छोड़ 8 प्रदेशों में प्रदेश अध्यक्ष पद का चुनाव शुरू, हो चुके हैं 14 राज्यों और यूटी के चुनाव
- दिल्ली में 4 से 6 जुलाई तक संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में मिलेगी हरी झंडी

अमृत विचार : प्रदेश में भाजपा की कमान किसने हाथ होगी, महीनों से मंथन के बाद भी एक राय नहीं बन पा रही है।

यही हाल राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर है। दिल्ली में 4 जुलाई से होने वाली संघ की बैठक से पहले नाम तय होना है। इन पदों पर जातीय समीकरण और नामों को लेकर संघ से सुप्रीम सहमति का इंतजार है। इस बीच आठ राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया तेज हो गई है।

भाजपा में संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया रफ्तार पकड़ चुकी है। देश में 37 राज्य-केंद्र शासित प्रदेश हैं, जिनमें से कम से कम 19 राज्यों में संगठन के चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव होगा। भाजपा ने 14 राज्य में संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली है। सोमवार से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मिजोरम, पुडुचेरी, लद्दाख और पश्चिम बंगाल में प्रदेश अध्यक्ष के लिए नामांकन शुरू हो गए हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि तीसरे दौर में उत्तर प्रदेश, गुजरात, ओडिशा और कर्नाटक जैसे राज्यों में चुनाव होंगे। उसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बुधवार से पांच देशों की आठ दिवसीय विदेश यात्रा पर रवाना हो रहे है।

4 जुलाई से संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारकों की बैठक दिल्ली में होगी। पार्टी चाहती है कि इस संबंध में भी प्रांत प्रचारकों की बैठक और पीएम मोदी के दौरे से पहले प्रदेश अध्यक्ष के नाम सहमति बना ली जाए। ऐसे नहीं हुआ तो पार्टी के अध्यक्ष का चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव तक टल जाएगा, क्योंकि अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। हालांकि संघ का सबसे ज्यादा फोकस यूपी को लेकर है, यहां ऐसे किसी प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर संघ सहमति देने को तैयार नहीं, जिसकी राय मुख्यमंत्री योगी से अलग रहने का संदेह हो।

उप्र में अध्यक्ष पद पर फंसा सियासी पेंच

भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों में सबसे ज्यादा मुश्किल यूपी में हो रही है। भूपेंद्र सिंह चौधरी का कार्यकाल समाप्त हो चुका है और उनकी जगह नए चेहरे की तलाश चल रही है। कहा जा रहा है कि प्रदेश में नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्य में 2027 का विधानसभा चुनाव को देखते हुए संवेदनशीलता ज्यादा है। प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी या दलित चेहरे को मौका देने पर लगातार मंथन चल रहा है। बीते लोकसभा चुनाव में दलित और ओबीसी दोनों ही वर्ग के वोट बैंक छिटके थे, ऐसे में पार्टी तय नहीं कर पा रही है कि मौजूदा परिस्थितियों में किस वर्ग पर दांव खेल जाए। कई नामों पर सियासी मंथन के बाद अभी तक मामला फाइनल नहीं हो सका है।

पर्यटन भवन के उच्चीकरण के लिए 6.92 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ: गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन का उच्चीकरण किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए 06.92 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गयी है। भवन में आधुनिक सुविधाएं बढ़ने से विभागीय कार्यों को अधिक सुगमता से संपन्न किया जा सके। पुराने ढांचे को मजबूत और टिकाऊ बनाया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उच्चीकरण के तहत भवन की संरचना में सुधार, आंतरिक साज-सज्जा, डिजिटल डिस्प्ले सहित अन्य कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

योगी सरकार का संकल्प, शिक्षा से वंचित न रहे कोई भी बच्चा

स्कूल चलो अभियान का 15 दिवसीय दूसरा चरण आज से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में शिक्षा को सामाजिक समावेशन और समान अवसर का मजबूत आधार बनाया जा रहा है। शैक्षिक सत्र 2025-26 की शुरुआत के साथ ही 1 जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक ''स्कूल चलो अभियान'' का द्वितीय चरण पूरे प्रदेश में जोरशोर से संचालित किया जाएगा। राज्य सरकार ने सभी जिलों को अभियान के लिए 2 लाख की धनराशि पहले ही जारी कर दी है।

परिषदीय स्कूल मंगलवार से खुलने के साथ यह केवल एक नामांकन अभियान नहीं होगा, बल्कि उन बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने की कोशिश है जो अब तक स्कूल से दूर रहे हैं। वैसे तो स्कूल 16 जून से ही खुल गए हैं, लेकिन ग्रीष्मावकाश के बाद 1 जुलाई से बच्चे स्कूल में पढ़ने आएंगे। ''स्कूल चलो अभियान'' के तहत शिक्षक, अनुदेशक, शिक्षामित्र और एसएमसी सदस्य घर-घर जाकर बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करेंगे। ड्रॉपआउट या आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों की पहचान कर उनके अभिभावकों से संवाद स्थापित किया जाएगा। विद्यालयों द्वारा रैलियां, मुनादी, उद्घोषणा तथा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार किया जाएगा। जिले के प्रभावशाली व्यक्तियों, स्वयं सहायता समूहों, एनजीओ और अभिभावकों को अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए जोड़ा जाएगा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद एवं विकासखंड स्तर पर 'गोष्ठियां' आयोजित की जाएंगी, जहां आउट ऑफ स्कूल बच्चों की स्थिति, छात्र नामांकन और उपस्थिति पर समीक्षा की जाएगी। इन आंकड़ों के आधार पर रणनीति और कार्ययोजना तय कर क्रियान्वयन होगा।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि स्कूल चलो अभियान' उत्तर प्रदेश सरकार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का सजीव उदाहरण है। यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार दिलाने का हमारा संकल्प है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अगर कोई बच्चा स्कूल नहीं आ पा रहा है, तो शिक्षा स्वयं उसके द्वार तक पहुंचे।

केंद्र में होगी बालिका शिक्षा

घर के कार्यों या सामाजिक कारणों से स्कूल से दूर रहने वाली बालिकाओं के नामांकन और उपस्थिति पर विशेष बल दिया जाएगा। विद्यालयों में मीना मंच द्वारा नाटक, कहानी वाचन और संवाद के ज़रिए बालिका शिक्षा के महत्व को उजागर किया जाएगा।

विशेष समुदायों पर खास फोकस

ईंट-भट्ठों पर कार्यरत, झुग्गी-झोपड़ी, रेलवे स्टेशन, घुमंतू और जनजातीय परिवारों के बच्चों को चिन्हित कर उनका शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने हेतु विद्यालयों में विशेष बैठकें आयोजित की जाएंगी।

शिक्षा के आंकड़ों की निगरानी और पोर्टल पर अपडेट

नामांकन से संबंधित डेटा को विद्यालय पंजिका, यू-डायस और प्रेरणा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाएगा। प्रेरणा पोर्टल के एसएमसी मॉड्यूल में डीसीएफ तैयार किया गया है, जिसकी प्रविष्टि 30 जुलाई, 2025 तक कराना सुनिश्चित किया गया है।

यूपी में अब हर बच्चे की पढ़ाई पर होगी डिजिटल नजर

अमृत विचार, लखनऊ : परिषदीय स्कूलों में शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए निपुण ऐप को अपग्रेड किया गया है। शिक्षकों को हर हफ्ते कम से कम पांच बच्चों का मूल्यांकन ऐप के माध्यम से करना होगा। कक्षा एक से आठ तक के बच्चों के लिए विषयवार प्रश्न बैंक बनाया गया है। ऐप रविवार और छुट्टियों पर बंद रहेगा। राज्य परियोजना निदेशक ने ऐप का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। मूल्यांकन के लिए कक्षा एक से आठ तक के बच्चों के लिए विषयवार प्रश्न बैंक बनाया गया है, जिसमें बच्चों की समझ और सीखने की क्षमता को आंकने के लिए प्रश्न शामिल हैं। ऐप में शिक्षक, पर्यवेक्षक और मास्टर ट्रेनर शामिल किए गए हैं। इसमें हर बच्चे के लिए अलग-अलग रेंडम आधार पर प्रश्न पूछे जाएंगे और उसके प्रदर्शन के आधार पर तुरंत सहयोग भी किया जाएगा। शिक्षकों को ऐप पर 25 सप्ताह की शिक्षण योजना के मुताबिक मूल्यांकन करना होगा। वहीं, एआरपी, डायट मेंटर्स और स्टेट रिसोर्स ग्रुप को 10 से 30 स्कूलों में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करना होगा। इन निरीक्षणों के दौरान कक्षा एक और दो के 40 फीसदी, कक्षा तीन से पांच के 30 फीसदी और कक्षा छह और आठ के 20 फीसदी बच्चों का मूल्यांकन किया जाएगा।

ऊर्जा निगमों में आपातकाल लगा निजीकरण की कोशिश

संघर्ष समिति ने पूछा, किस बिडिंग डॉक्यूमेंट के आधार पर किया जा रहा निजीकरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि ऊर्जा निगमों में आपातकाल लगाकर निजीकरण का टेंडर जारी करने की कोशिश की जा रही है। समिति ने सवाल किया कि आखिर किस 'बिडिंग डॉक्यूमेंट' के आधार पर निजीकरण किया जा रहा है। समिति ने इसे सार्वजनिक करने की मांग की। इस बीच, टेंडर जारी होते ही जेल भरो आंदोलन शुरू करने की तैयारी को लेकर सोमवार को झांसी व पारीछा में आम सभा हुई।

संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि बिजली अभियंता, अवर अभियंता व अन्य बिजली कर्मी पूरी तरह सतर्क हैं। प्रबंधन की ऐसी किसी भी साजिश का करारा जवाब दिया जाएगा। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार टेंडर जारी होते ही बिजली कर्मी किसानों व गरीब-मध्यम वर्गीय घरेलू उपभोक्ताओं के साथ मिलकर सामूहिक जेल भरो आंदोलन शुरू कर देंगे। इससे उत्पन्न किसी भी स्थिति की सारी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।संघर्ष समिति ने कहा कि सितम्बर 2020 में केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय ने विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के लिए एक स्टैंडर्ड बिडिंग डॉक्यूमेंट का ड्राफ्ट जारी कर इस पर सभी स्टेक होल्डर्स के 'कमेंट' मांगे थे। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने इस ड्राफ्ट पर आपत्ति दर्ज की थी। केंद्र सरकार ने सितंबर 2020 के स्टैंडर्ड बिडिंग डॉक्यूमेंट को आज तक फाइनल नहीं किया है।

झांसी में निजीकरण के विरोध में सभा करते बिजली कर्मी।

नियामक आयोग की सलाह बगैर निजीकरण का टेंडर निकालने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने राज्य विद्युत नियामक आयोग की सलाह के बगैर ऊर्जा निगमों के निजीकरण का टेंडर निकालने की तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने यह आरोप लगाते हुए सोमवार को नियामक आयोग में याचिका दाखिल की। नियामक आयोग ने सलाहकार कंपनी की रिपोर्ट पर अभी अंतरिम रिपोर्ट दी है। इसमें तमाम वित्तीय खामियां सामने आई हैं। कॉरपोरेशन की ओर से अंतरिम रिपोर्ट का जवाब मिलने के बाद नियामक आयोग वृहद रिपोर्ट जारी करेगा। याचिका में परिषद ने आरोप लगाया कि 28 जून को टेंडर पोर्टल में बदलाव के लिए नेशनल इनफॉर्मेटिव सेंटर (एनआईसी) के साथ गोपनीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई, जिसमें आयोग की बगैर सलाह के टेंडर निकालने पर जोर दिया गया।

माला पहनाकर राजा भैया का स्वागत करते पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

राजा भैया फिर बने जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया को फिर से जनसत्ता दल लोकतांत्रिक का सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्होंने पंचायत चुनाव लगने की घोषणा की। एक माह में राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी के गठन समेत जिला से बूथ स्तर तक संगठन को खड़ा करने का भी आह्वान किया। पार्टी की वार्षिक बैठक सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुई। इसमें रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया को सर्वसम्मति से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। राजा भैया 1993 से लेकर लगातार अब तक प्रतापगढ़ के कुंडा से निर्दलीय विधायक निर्वाचित हो रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्होंने एक माह में राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की है। उन्होंने इसके साथ ही पंचायत चुनाव भी लड़ने की घोषणा भी की है। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रदेश में अपने दम पर पंचायत चुनाव लड़ेगी।

देवीपाटन मंदिर में लगेगा फलोटिंग म्यूजिकल फाउंटेन

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार: बलरामपुर स्थित शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए और आकर्षित बनाया जाएगा। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को अब परिसर में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और तकनीकी का अद्भुत समन्वय देखने को मिलेगा।

परियोजना के अंतर्गत फ्लोटिंग म्यूजिकल फाउंटेन के साथ-साथ अत्याधुनिक मल्टीमीडिया लेजर शो, बीम प्रोजेक्टर और वॉटर स्क्रीन पर वीडियो प्रोजेक्शन की स्थापना की जाएगी। इस योजना के लिए सात करोड़ 83 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि यह परियोजना न केवल मंदिर की सुंदरता को बढ़ाएगी, बल्कि पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आकर्षित भी करेगी। इस पहल से देवीपाटन में अत्याधुनिक इंस्टॉलेशन के माध्यम से दर्शकों को एक ऐसा अनुभव प्रदान किया जाएगा, जिसमें प्राचीन कथाओं और तकनीक की नवीनता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। इस परियोजना के अंतर्गत स्क्रिप्ट के अनुसार ऑडियो-विजुअल कंटेंट बनाया जाएगा, जिसमें लाइव एक्शन फुटेज, एनीमेशन, चित्रण, कथावाचन और संगीत सम्मिलित होंगी।

तकनीक | नए टीटीएल वर्कशॉप के लिए एमओयू की तैयारी में राज्य सरकार

यूपी में 62 नए टीटीएल वर्कशॉप स्थापित करने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पहले ही 149 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में वर्कशॉप स्थापित कर चुकी है टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
- नये टीटीएल वर्कशॉप संचालित होने से युवाओं के लिए बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

अमृत विचार: प्रदेश में 62 नए टीटीएल वर्कशॉप स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई। राज्य सरकार नये टीटीएल वर्कशॉप के लिए एमओयू की तैयारी में है। नये टीटीएल वर्कशॉप संचालित होने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। शासन के अधिकारियों के अनुसार राज्य सरकार और टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के बीच जल्द एक और एमओयू की तैयारी चल रही है। इसके तहत प्रदेश के नए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) वर्कशॉप स्थापित की जाएंगी। टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से प्रशिक्षित युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि प्रदेश और देश की आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि पहले चरण में प्रदेश के 149 आईटीआई में टीटीएल वर्कशॉप स्थापित हो चुकी हैं, जहां प्रशिक्षण कार्य जोरों पर है।

स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार होंगे उपलब्ध

शासन के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश सरकार का विशेष जोर प्रशिक्षित युवाओं को स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने पर है। इसके लिए सरकारी क्षेत्रों जैसे रेलवे, सेना, नौसेना, वायुसेना, पीडब्लूडी, सिंचाई विभाग के साथ-साथ अर्द्ध-सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों जैसे बीएचईएल, यूपीपीसीएल, रक्षा फैक्टरी, एचएएल, सेल, गेल, ओएनजीसी, एनटीपीसी, एलएंडटी, आईटीसी, जिंदल आदि में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। प्रदेश में महिलाओं के लिए 12 विशिष्ट राजकीय आईटीआई और 47 महिला शाखाएं संचालित हैं। इसके अलावा, अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में 43 राजकीय आईटीआई कार्यरत हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए विशेष कम्पोनेन्ट सब प्लान के तहत 84 संस्थान संचालित किए जा रहे हैं, जहां 70 प्रतिशत सीटें एससी/एसटी और 15 प्रतिशत सीटें ओबीसी प्रशिक्षणार्थियों के लिए आरक्षित हैं।

वर्ग पहेली-18

बाएं से दाएं

1.1. जो नियम के अनुकूल न हो 2. जो कार्य व्यवस्थानुसार न चले 3. विधि व्यवस्था का अनुसरण न होना।

3. घुटनों तक लंबा, घुटनों तक लटकता हुआ।

5. (व्याकरण) संबंध को जोड़ने वाला।

6.1. गोल छोटी थाली, तश्तरी 2. घोड़े की बगल में लटकने वाली तलवार।

8.1. छोटी रस्सी जिससे चौपायों के दो पैरों को एक दूसरे से सटाकर बांध देते हैं ताकि वे दूर तक भाग न सकें

ऊपर से नीचे

1.1. अनुबोध करने वाला, अनुबोध कराने वाला 2. आलोक-पत्र।

2.1. दिशा, ओर 2. बगल, किनारा 3. पक्ष।

4. बादशाह, सम्राट।

5.1. वहन करना, ले जाना 2. हवा

7.1. लकड़ी या काठ से निर्मित 2. जिसका छिलका मोटा और कड़ा हो 3. जिसका गूदा कड़ा हो।

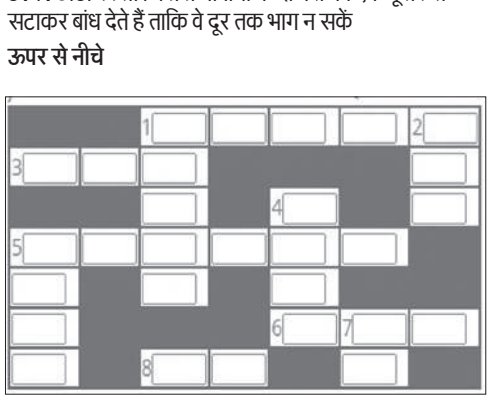

वर्ग पहेली -17 का हल

1 छि	न	वा	ना			2 प		
						3 फ	फो	ला
			4 ढौं			ड़		
5 प	6 रि	चा	रि	क		7 आ		
	टा					ना		द
	य							ह
8 वि	र	ह	नि	वे	द	न		

सुडोकू-25

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

7		3		6	4		9	
	8		5			6		2
6		5	2	8				
		9			2		8	3
	5		3	4		9		
3		1		9			5	4
	9				6			
1			9			3		8
	3		8			5		

सुडोकू - 24 का हल

8	7	9	3	2	6	5	1	4
6	3	5	1	8	4	2	7	9
4	2	1	9	7	5	8	6	3
5	9	6	8	4	7	3	2	1
2	8	4	5	3	1	6	9	7
7	1	3	6	9	2	4	5	8
3	5	2	7	1	8	9	4	6
1	4	8	2	6	9	7	3	5
9	6	7	4	5	3	1	8	2

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 जुलाई, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी-10.20 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

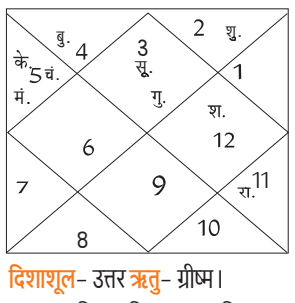

दिशाशूल- उत्तर ऋतु- ग्रीष्म।

चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 08.54 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज करियर को लेकर किसी से अधिक सलाह लेना उचित नहीं है। लवमेट के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं। सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तम परिणाम मिलने के योग बन रहे हैं। अपने क्रोध को नियन्त्रित करके शांति से काम लें।

वृष — आज परिजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में कुछ नई योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी परेशानी रहेगी। कोर्ट केस में विजय मिल सकती है। पहले की गई मेहनत आज सुखद परिणाम दे सकती है। छात्र पढ़ाई-लिखाई को लेकर चिन्तित रहेंगे।

मिथुन — आज आपका दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होगी। परिवार के साथ बैठकर गम्भीर विषयों पर चिन्तन करेंगे। सरकारी कार्यों से धन लाभ मिलेगा।

कर्क — आज व्यवसाय में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। घर में अतिथियों का आगमन होगा। बड़े भाई-बहनों के साथ व्यवहार में कड़वाहट हो सकती है। जॉब को बदलने का विचार बना सकते हैं। धर्म के प्रति मन में आस्था कम हो सकती है।

सिंह — आज आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। बाहरी लोगों के ऊपर अपना समय बर्बाद न करें। बड़े अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धार्मिक आयोजन में जानें का अवसर मिल सकता है। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कन्या — आज आपकी दिनचर्या अच्छी नहीं रहेगी। व्यवसाय में धन का नुकसान होगा। बच्चों से व्यवहार अच्छा रखें। घर में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। आपका मन किसी कारण खराब हो सकता है। नए लोगों से दोस्ती करने से बचें।

तुला — आज अपना मनोबल और आत्मविश्वास बनाए रखें। दोपहर के बाद आपको शुभ समाचार मिलेंगे। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में भावुकता में आकर निर्णय नहीं लें। समय का बेहतरीन सदुपयोग कर पायेंगे। शाम के समय बाहर डिनर के लिए जा सकते हैं। प्रेम-प्रसंग में नजदीकी बढ़ेगी। बच्चों के साथ समय बितायेंगे। जॉब को लेकर इन्टरव्यू दे रहे हैं तो सफलता अवश्य मिलेगी।

धनु — आज आप में सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। मन में अज्ञात भय पनप सकता है। कर्मचारियों की गतिविधियों की जानकारी रखें।

मकर — आज ऑफिस में आपके कार्यों की लोग आलोचना कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको बड़े परिवर्तन करने से बचना चाहिए। आवश्यक कार्यों को दोपहर से पहले पूर्ण कर लें। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा।

कुंभ — आज जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा। परिवार के सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। किसी सरकारी मामले में विजय होने की सम्भावना है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परोपकार के कार्यों में मन लगायेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को लेकर असंतुष्ट रहेंगे। किसी समारोह में सम्मिलित होने का विचार बनायेंगे। आपको नए अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचें। आप जिन अवसरों को तलाश रहे थे वे आपको प्राप्त हो सकते हैं।

पर्दे के पीछे के शक्तिमान, सीनियर डॉक्टर्स का काम कर देते आसान

सबसे पहले मरीज को संभालने में जेआर-1, जेआर-2 व जेआर-3 का रोल अहम

राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस

विकास कुमार, कानपुर

अमृत विचार। डॉक्टरों को धरती का भगवान ऐसे ही नहीं कहा जाता है, उनकी मेहनत और सेवाभाव दम तोड़ती सांसों को नया जीवन देती है। हैलट इमरजेंसी में जेआर-1, जेआर-2 व जेआर-3 की मजबूत इच्छाशक्ति न सिर्फ रोगियों का दर्द कम कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव भी ला रही है। यही वजह है कि लोगों का हैलट अस्पताल पर विश्वास और बढ़ा है। मरीजों की बढ़ती भीड़ इसका प्रमाण है।

इलाज और ऑपरेशनों में सीनियर डॉक्टरों के साथ जूनियर रेजीडेंट का रोल भी अहम होता है, जो भूख-प्यास व नींद भूलकर मरीज की जान बचाने में जुटे रहते हैं। डॉक्टरों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के लिए हर साल एक जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष थीम मुखौटे के पीछेः उपचार करने वालों को कौन ठीक करता है, रखी गई है।

● इलाज से लेकर ऑपरेशन तक में खामोशी से महत्वपूर्ण रोल निभाते जेआर

- जेआर-3 डॉ.आलोक त्रिपाठी ने बताया कि सड़क हादसे, मारपीट, गोली लगने, किसी हथियार से हमला होने या लगने से घायल मरीज हैलट इमरजेंसी पहुंचते हैं तो इन मरीजों का सामना सबसे पहले इमरजेंसी में जेआर-1 करते हैं। ऑपरेशन के लिए जांच लिखने से लेकर दवा तक जेआर-1 प्रबंध करते हैं। कभी-कभी मरीज के तीमारदारों का व्यवहार भी डॉक्टरों के प्रति बिगड़ जाता है, जिसका सामना भी जेआर-1 को करना होता है। इसके बावजूद सभी जेआर-1 अपना काम मेहनत व लगन से करते हैं।
- जेआर-3 डॉ.अजिता त्रिवेदी ने बताया कि हैलट इमरजेंसी में अधिकांश मध्य वर्ग के मरीज ही इलाज कराने आते हैं। इनमे बहुत से

मरीज ऐसे होते हैं, जिनको ब्लड की जरूरत होती है, लेकिन उनके तीमारदारों के पास ब्लड खरीदने के लिए रुपये नहीं होते है। न ही जांच कराने के लिए रुपये होते हैं। ऐसे में जेआर यूनिट के सीनियर डॉक्टर को सूचना देते हैं और मरीज की जांचें इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर या प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह से फ्री कराते हैं और ब्लड का बंदोबस्त भी करते हैं।
- जेआर-3 डॉ.विवेक दुबे ने बताया कि जेआर-3 का मेडिकल कॉलेज में आखिरी समय होता है, जो काफी महत्वपूर्ण होता है।

मरीज को देखने से लेकर ऑपरेशन थिएटर में ऑपरेशन की नई तकनीक और बारीकियां सीखने का अवसर होता है। कॉलेज में लगन से अध्ययन करने और ऑपरेशन में कई चुनौतियों का सामना कर कई जेआर-3 कॉलेज को अलविदा जरूर कहते हैं, लेकिन परिपक्व होकर यहां से निकलते हैं। जटिल केस आने पर वरिष्ठ डॉक्टरों से सलाह लेना नहीं भूलते हैं।

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि मरीजों को आईसीयू के लिए परेशान न होने पड़े, इसलिए हैलट परिसर में सौ बेड के आईसीयू की एक अलग से यूनिट के लिए निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। ठीक इसी के बगल में नए सर्जरी विभाग का निर्माण कार्य भी चालू हो गया है। यह दोनों बिल्डिंग आपस में अटैच होंगी। आईसीयू यूनिट कानपुर पीजीआई से भी अटैच रहेगा, ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

ई रिक्शा में स्कूटी छू गई तो रॉड से मारा

कानपुर। जाजमऊ थानाक्षेत्र में स्कूटी ई रिक्शा में छू गई तो ई रिक्शा चालक और उसके साथियों ने स्कूटी सवार को लोहे की रॉड से मारा। वह बचने के लिए बहन के फ्लैट में घुसे तो पथराव कर दिया। आरोपियों ने घर के बाहर खड़ी बाइक में भी तोड़फोड़ की। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

पेंचबाग निवासी मो. फरदीन खान ने बताया उनकी बहन अमन फातिमा जाजमऊ के पोखरपुर में रहती है। बहन की डिलीवरी होने के लिए वह 29 जून को बहन के घर आए और फिर स्कूटी से हॉस्पिटल जाने के लिए निकले थे। रास्ते में एक ई रिक्शा से उनकी स्कूटी छू गई। जिससे आक्रोशित होकर ई रिक्शा चालक ने अपने साथियों को बुलाकर उनकी लोहे की राड से पिटाई शुरू कर दी।

बचने के लिए वह अपनी बहन के फ्लैट में घुसे तो आरोपियों ने फ्लैट के बाहर जमकर पथराव किया। घर के बाहर खड़ी बाइक में भी तोड़फोड़ कर दी। जाजमऊ थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि आरोपी गुड्डू पासवान और सिद्धार्थ को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि फरार तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

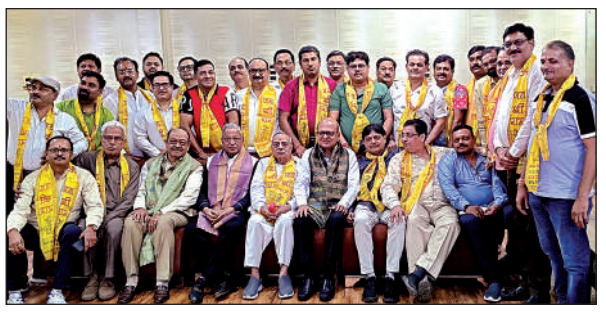

सराफा एसोसिएशन की शहर इकाई ने शपथ ली। अमृत विचार

कारोबारियों के हित की शपथ, अधिवेशन होगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन की शहर इकाई का शपथ ग्रहण

अमृत विचार। आर्यनगर स्थित क्लब के सभागार में उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन की शहर इकाई का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इसमें नई कार्यकारिणी ने सराफा कारोबारियों के हित में काम करने की शपथ ली।

प्रदेश मंत्री राम किशोर मिश्र ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का सभी से परिचय कराया। साथ ही यह भी बताया कि प्रदेश अधिवेशन की तैयारी तेज कर दी गई है। सभी साथियों का सहयोग अपेक्षित है। इसके बाद नए अध्यक्ष महेश परसवानी और महामंत्री प्रतीक अग्रवाल और कोषाध्यक्ष अनूप वर्मा सहित पूरी कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराई गई। बताया गया कि उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन का अधिवेशन आगामी 17 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इसमें राज्य इकाई का चुनाव होगा और कई प्रस्तावों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष महेश चंद्र जी जैन, मुख्य संगठन संयोजक कैलाश नाथ अग्रवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, मंत्री राम किशोर मिश्रा, प्रवक्ता नीरज प्रकाश दीक्षित भी मौजूद रहे। कारोबारी ललित बोरा, सुमित अग्रवाल, जमुना प्रसाद वर्मा, अमित बाजपेई, विकास ओमर, राजेश वर्मा, बलवंत मखीजा आदि उपस्थित रहे।

सफलता के लिए बाजार पर नजर रखें

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को व्याख्यान हुआ। इस दौरान नवीन और टिकाऊ उद्यमिता विषय पर विशेषज्ञों ने राय रखी। व्याख्यान में विशेषज्ञों ने बताया कि उद्यमिता में बने रहने के लिए निरंतरता बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ. एके सिंह ने की। कार्यक्रम में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम के निदेशक सीके वर्मा, सहायक निदेशक एसके पाण्डेय ने युवाओं को उद्यमिता का गुर बताए। कहा कि उद्यमिता को बढ़ाने के लिए बाजार की मांग पर नजर रखना बेहद जरूरी है। बाजार लगातार बदलता रहता है। इसलिए अपने उत्पाद को बाजार की मांग के अनुसार परिवर्तन करना उद्यमिता को बढ़ाए जाने में योगदान देता है। सबसे जरूरी यह है कि उद्यमिता को बढ़ाने के लिए उत्पाद का बाजार में निरंतर बने रहना चाहिए।

कार्यक्रम में सस्टेनेबल और इनोवेटिव एंटरप्रेन्योरशिप की बारीकियो को समझाया गया। कुलपति प्रोफ़ेसर डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जो कारोबार करने में रुचि रखते हैं उन्हें वैश्विक विचार बनाए रखना जरूरी है।

उच्च जोखिम वाली गर्भवती के भ्रूण की जांच होगी आसान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● मेडिकल कालेज प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में लगी अत्याधुनिक एनएसटी मशीन

अमृत विचार। गर्भावस्था के दौरान लापरवाही बरतने और खानपान पर ध्यान न देने की वजह से कई महिलाएं उच्च जोखिम का शिकार हो जाती हैं, जिसका न सिर्फ महिला की सेहत पर, बल्कि उनके बच्चे के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। बच्चे की स्थिति जांचने के लिए अभी अल्ट्रासाउंड का सहारा लिया जाता था, लेकिन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में सोमवार को भ्रूण से लेकर पूरे नौ माह तक बच्चे में होने वाली समस्याओं की जांच के लिए एक आधुनिक मशीन लगाई गई है।

यह मशीन सोमवार को रोटरी क्लब कानपुर ने प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग को दान स्वरूप दी। इस अत्याधुनिक एनएसटी (नॉन-स्ट्रेस टेस्ट) मशीन को रोटरी क्लब कानपुर के अध्यक्ष रोटेरियन राजीव अग्रवाल ने विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू गुप्ता व वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ.नीना गुप्ता को औपचारिक रूप से सौंपा। यह मशीन ओपीडी में लगाई गई, जिससे अब गर्भावस्था में उच्च जोखिम वाली महिलाओं की भ्रूण की निगरानी तुरंत और सरलता से की जा सकेगी। डॉ.रेनू गुप्ता ने कहा कि गर्भवती महिलाओं में समय रहते भ्रूण संबंधी समस्याओं की पहचान व उपचार में सहायता मिलेगी। रोटरी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब समाज सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इस दौरान डॉ. नीना गुप्ता, डॉ.वंदना शर्मा, डॉ.करिश्मा, डॉ.पाविका, डॉ. प्रज्ञा, रोटरी क्लब से सुशील अग्रवाल, पीएन जैन, सुशील चक, शिवांगीनी राज, ललित भाटिया, रोनल कुमार व जिमी भाटिया समेत आदि रहे।

खुला नाला राहगीरों के लिए खतरा...

किदवई नगर चौराहे से यशोदा नगर बाईपास हाईवे की ओर जाने वाले मार्ग पर शनिदेव मंदिर तिराहे पर खुला पड़ा नाला राहगीरों के लिए जानलेवा बना है। नाले को न तो ढका गया और न किनारे दीवार बनाई गई। बारिश का मौसम है। नाले ओवर फ्लो हो रहे हैं कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। फोटो - मनोज तिवारी

सार-संक्षेप

स्कूल बंद करने पर हुआ हंगामा

कानपुर। श्री जीपीजी हायर सेकेंडरी स्कूल, जूही में क्षेत्रीय निवासियों ने हंगामा किया। हंगामा जर्जर भवन की वजह से स्कूल बंद किए जाने की सूचना पर हुआ। आरोप लगाया गया कि बिना आदेश पत्र और सक्षम अधिकारी के स्कूल को स्थायी रूप से बंद किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि स्कूल प्रबंधक को अवैध संचालित प्राइमरी कक्षाओं के बंद करने के आदेश जारी हुए थे। वे भवन को बेचने की मंशा से स्कूल में ताला लगाकर सीलबंद करने का अवैधानिक प्रयास कर रहे हैं। प्रबंधक, जीपीजी हायर सेकेंडरी स्कूल, जूही के दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि स्कूल को किदवई नगर स्थित राष्ट्रीय इंटर कालेज में शिफ्ट किया जा चुका है। स्कूल में कमरे जर्जर हालत में हैं। कभी भी छत या दीवार गिर सकती है। कुछ लोगों के भड़काने पर क्षेत्रीय लोगों ने विरोध किया।

सशस्त्र बलों की सेवा भावना का परिचायक ऑपरेशन सिंदूर

कानपुर। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) कानपुर द्वारा सोमवार को उद्योग संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए। संवाद का उद्देश्य कानपुर को रक्षा उत्पादन का रणनीतिक केंद्र बनाने की संभावनाओं को उजागर करना था। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी साझा करते हुए संजय सेठ ने कहा कि यह ऑपरेशन न केवल भारत की परिचालन क्षमता को दर्शाता है, बल्कि हमारे सशस्त्र बलों की सेवा भावना और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का भी परिचायक है। सीआईआई अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि यह संवाद स्थानीय उद्योगों के लिए भारत के रक्षा लक्ष्यों में योगदान करने के नए अवसरों को खोलता है। कानपुर में आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण का समर्थन करने की पूरी क्षमता और इच्छाशक्ति है। पूर्व चेयरमैन मनोज गुप्ता ने कहा, कि सीआईआई रक्षा मंत्रालय के साथ और अधिक गहरे सहयोग की अपेक्षा करता है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व सीआईआई पदाधिकारी।

मनोज तिवारी को ज्ञापन दिया

कानपुर। दिल्ली के सांसद, भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी ऑपरेशन सिंदूर कप के तहत सद्भावना क्रिकेट मैच खेलने के बाद भोजपुरी महासभा के अध्यक्ष, केंद्रीय छठ पूजा समिति अध्यक्ष संतोष गहमरी के आवास पर गए। गहमरी ने बताया कि उन्होंने परिवार वालों से मिलकर बेटी की शादी की शुभकामना दी। गहमरी ने भोजपुरी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने व छठ पर्व पर अवकाश को लेकर ज्ञापन दिया। प्रमुख रूप से बिल्लू ठाकुर, छोटे लाला, प्रभात पाल, जग्गी, गौरव, अरविंद सिंह, सनम ठाकुर घनश्याम आदि मौजूद थे।

ज्ञापन देते संतोष गहमरी।

जेपी पाल को बिहार चुनाव की जिम्मेदारी

कानपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने दबौली के पूर्व पार्षद जेपी पाल को बिहार विधानसभा चुनाव की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस ने 58 कांग्रेसी नेताओं की सूची जारी की है जिसमें जेपी पाल का नाम भी है।

जेपी पाल।

सूफी इस्लामिक बोर्ड में शाहनवाज सदर

शाहनवाज।

कानपुर। सूफी इस्लामिक बोर्ड में शाहनवाज खान को अध्यक्ष मनोनीत करते हुए कानपुर नगर एवं कानपुर देहात की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नए सदर ने कहा कि सच्ची सूफी शिक्षाओं के प्रति लोगों में जागरुकता लाएंगे। प्रेम, शांति और सहिष्णुता के साथ ही सूफी परंपरा को बढ़ावा देंगे।

घंटाघर में ट्रैफिक पुलिस से भिड़ा नशेबाज

कानपुर। घंटाघर में टेंपो, आटो, ई रिक्शा वालों से वसूली करने वालों की फौज मौजूद है जो सरेआम डंडा लिए वसूली करते हैं। एक नशेबाज यातायात संभालने वाले ट्रैफिक पुलिस से भिड़ गया। सोमवार को यातायात पुलिस के हेड कांस्टेबिल अक्षय कुमार के साथ नशेबाज युवक ने अभद्रता की।

एक्ट्रेस मधुरिमा ने अजय त्रिपाठी को किया सम्मानित

कानपुर। पीएफसी फिल्म के बैनर तले आयोजित विंस्टन मॉडलिंग प्रतियोगिता में बॉलीवुड एक्ट्रेस मधुरिमा तुली आईं। दीप होटल में मधुरिमा तुली ने बताया कि कानपुर के लोग काफी ऊर्जावान और खुशमिजाज हैं। मैं राजू श्रीवास्तव जी के शहर में हूं जिन्होंने पूरी दुनिया को हंसाया। प्रोड्यूसर डायरेक्टर प्रमोद गुप्ता ने बताया की पीएफसी फिल्म इस तरह के कार्यक्रम कराता रहता है। एक्ट्रेस मधुरिमा तुली ने एक्टर अजय त्रिपाठी को सम्मानित किया। चीफ गेस्ट अरविंद, अधिक पोद्दार, गोपाल तुलसी आदि रहे।

मोमेंटो देतीं मधुरिमा तुली।

पार्षद के भतीजे से अभद्रता, जिलाध्यक्ष से शिकायत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सु-ग्रीनपार्क में वीआईपी पास लेकर दोस्तों के साथ मैच देखने गया था पार्षद का भतीजा
- भाजपा पनकी मंडल के प्रभारी पर हॉल से बाहर निकालने का आरोप लगाया

अमृत विचार। भाजपा में जिलेस्तर पर सबकुछ ठीक नहीं है। मंडल कमेटियों की घोषणा होनी है इससे पहले द्वंद छिड़ा हुआ है। ग्रीन पार्क में रविवार को हुए ऑपरेशन सिंदूर मैच के दौरान वीआईपी अरेंजमेंट में पार्षद के भतीजे से अभद्रता, खाना खाने से रोकने व हॉल से बाहर निकालने पर उत्तर जिलाध्यक्ष से शिकायत की गई है। भाजपा पनकी मंडल के प्रभारी अभिनव दीक्षित पर आरोप है कि पार्षद के भतीजे और दो दोस्तों को वीआईपी आमंत्रण के बाद भी खाने से रोका गया। पार्षद ने अभिनव दीक्षित को पार्टी से निकालने और भविष्य में कोई दायित्व न देने की मांग की है।

वार्ड 72 दबौली से वंदना शर्मा पार्षद हैं। उनके पति गुंजन लाल शर्मा ने जिलाध्यक्ष को पत्र देकर बताया कि कार्यक्रम के लिए 3 पास दिए गए थे। जिसे लेकर मेरा भतीजा व उसका दोस्त व बहन गई थी। पार्क में प्रवेश के समय पास गेट पर जमा करा दिया।

रात में मैच खत्म होने के बाद जहां भोजन की व्यवस्था थी वहां भतीजा उसके मित्र भोजन करने के लिए गए तो वहां पर पूर्व में जिला मंत्री व भाजपा पनकी मंडल के प्रभारी अभिनव दीक्षित ने मेरे भतीजे और उसके दोस्तों से पास मांगा। जब बताया गया कि पास जमा कर दिया गया है तो उन्हें हॉल से बाहर भेज दिया। गलत व्यवहार किया, अभद्र भाषा का प्रयोग किया। वहीं, अभिनव दीक्षित ने बताया कि यह भाजपा का कार्यक्रम नहीं था। मेरी ड्यूटी भी वहां नहीं लगी थी। जब गेट पर बवाल होने लगा तब मैं वहां गया था। मेरे खिलाफ षड्यंत्र हो रहा है। जिलाध्यक्ष से शिकायत करने का क्या मतलब है।

पहले भी लगे आरोप, नहीं आई जांच रिपोर्ट

- इससे पहले युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री अमन सोनकर ने अभिनव दीक्षित पर धमकाने, जातिसूचक गालियां देने और सामाजिक छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया था। जिसकी जांच के लिए उत्तर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाकर एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी थी लेकिन अभी तक रिपोर्ट का अता-पता नहीं है। सोमवार को जिलाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में पूर्व जिलाध्यक्ष से जांच के लिए बात कही जा रही है। क्षेत्रीय अध्यक्ष इसपर फैसला करेंगे।

> पार्षद ने पत्र के जरिए शिकायत की है। मैं वहां से निकल आया था इसलिए मामले की पूरी जानकारी नहीं है। गुटबाजी चल रही है। मंडल कमेटियां बनने दीजिए, सब शांत हो जाएगा।
>
> - अनिल दीक्षित, जिलाध्यक्ष, उत्तर भाजपा

डॉक्टरों का सम्मान किया गया। अमृत विचार

समारोह में डॉक्टर्स का सम्मान किया

कानपुर। नमामि गंगे विभाग, भाजपा उत्तर प्रदेश एवं आरोग्यधाम के संयुक्त तत्वाधान में डॉक्टर दिवस की पूर्व संध्या पर उर्सला अस्पताल में डॉक्टर्स का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उर्सला अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ एचडी अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टरों को सम्मानित करना समाज के अंतिम व्यक्ति तक चिकित्सा में सहयोग करने वालों का सम्मान है। डॉक्टर हेमंत मोहन, डॉक्टर आरती मोहन ने कहा कि सबसे अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की सेवा करना ही मानव सेवा है। जिन डॉक्टरों को सम्मानित किया गया उसमें प्रमुख रूप से डॉ एचडी अग्रवाल, डॉक्टर हरिराम अग्रवाल, डॉक्टर शैलेंद्र तिवारी, डॉ सपन गुप्ता, डॉ हेमंत मोहन, डॉ आरती मोहन, डॉ आनंद प्रकाश, डॉ जेएस सेंगर थे। संचालन नमामि गंगे विभाग के प्रदेश संयोजक श्री कृष्ण दीक्षित ने किया।

मोहर्रम झमाझम बारिश में निकला 135 वर्ष पुराना हामिद मियां का अलम जुलूस

आज से पैकियों की कमर बंधाई, निशान नहीं उठेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मोहर्रम की पांच तारीख यानी मंगलवार को खलीफा के द्वारा कई इमामबाड़ों पर पैकियों की कमर बंधाई की जाएगी लेकिन निशान-ए-पैक नहीं उठाया जाएगा।

मोहर्रम की पांच तारीख को हजरत इमाम हुसैन के दूत के तौर पर नगर में वर्तमान में लगभग एक लाख लोग पैकी बनते हैं। पौकियों की कमर बंधाई, इमामबाड़ों पर फातिहा आदि धार्मिक रस्मे पूरी की जाएंगी। खलीफा अच्छे मियां का कहना है कि पैकियों की कमर बंधाई की जाएगी। सोमवार को झमाझम बारिश के दौरान हामिद मियां का 135 वर्ष पुराना अलम जुलूस नई सड़क से निकाला गया जिसकी अगुवाई मोहम्मद मुन्ना, अजमत अली अशरफी, मोहम्मद नसीम और रफीक अहमद कुरैशी कर रहे थे। ग्वालटोली मकबरा, पटकापुर, जुही लाल कालोनी, जूही सफेद कालोनी, मछरिया समेत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में इमामबाड़ों पर मजलिस और मातम का दौर देर रात तक जारी रहा।

नई सड़क से उठाया गया अलम जुलूस। अमृत विचार

बाबा फरीदउद्दीन गंजे शकर का उर्स मनाया

कानपुर। तंजीम बरेलवी उलमा-ए-अहले सुन्नत द्वारा चमनगंज में हजरत बाबा फरीद उद्दीन गंजे शकर का उर्स मनाया गया। मुल्क के अमन-ओ-अमान के लिए दुआ की गई। सोमवार को चमनगंज में आयोजित उर्स मुबारक में तंजीम के सदर हाफिज व कारी सैयद मोहम्मद फैसल जाफरी ने विचार रखे।

सैयद नगर में गंदे पानी में इमामबाड़े, कैसे रखें ताजिया

कानपुर। रावतपुर स्थित सैयद नगर एवं रहमत नगर में इमामबाड़ों के पास जलभराव है। जिससे ताजियादार परेशान हैं कि कैसे ताजिया रखी जाए। शहीद वीर अब्दुल हमीद सोशल वेलफेयर आर्गनाइजेशन के अध्यक्ष डॉ. निसार अहमद ने बताया कि 3 जुलाई को सैयद नगर, रहमत नगर समेत कई क्षेत्रों में इमामबाड़ों पर ताजिया रखी जाएगी जिसकी जियारत करने एवं फातिहा पढ़ने के लिए भारी भीड़ उमड़ेगी लेकिन इमामबाड़ा जलभराव की चपेट में है। उन्होंने बताया कि जोन 6 वार्ड 8 मसवानपुर वार्ड 25 नवीन नगर काकादेव, वार्ड 60 रावतपुर में गंदगी का अंबार हैं। सैय्यद नगर जफर वाली गली में सलीम भाई के ताजिया स्थल (इमामबाड़ा) और एकता चौराहा के पास रहमत नगर में जलभराव है।

अल्पसंख्यक, दलित पिछड़ों को 60 प्रतिशत मौका

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा का चुनाव है जिसके लिए कांग्रेस ने तैयारियां शुरु कर दी हैं। कांग्रेस कमेटी में जातिगत समीकरण पर पैनी निगाह रखते हुए 55 प्रतिशत युवाओं और 15 प्रतिशत दलित समाज के लोगों को प्रतिनिधित्व दिया है और उसकी समीक्षा भी हाईकमान से हो रही है। कमेटी में 20 महिलाओं को भी स्थान दिया गया है।

कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी को स्वीकृति प्रदान की है जिसमें 55 प्रतिशत युवाओं को मौका दिया गया है। 60 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधित्व अल्पसंख्यक, दलित और पिछड़े समाज को दिया गया है। कमेटी में व्यापारी, मजदूर, शिक्षक और अधिवक्ता समाज समेत हर वर्ग को मौका दिया गया है।

ज्वैलर्स की दुकान से पार किया लाखों का माल

चोरों ने दी पुलिस को चुनौती: थाने से मात्र दो सौ मीटर की दूरी पर चोरों ने घटना को दिया अंजाम, लोगों में दहशत

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। कस्बे के वार्ड नंबर 3 स्थित बर्राजपुर में रविवार की देर रात बाइक सवार चोरों ने थाने से मात्र दो सौ मीटर की दूरी पर स्थित ज्वैलर्स की दुकान को निशाना बनाया। चोरों ने दुकान के शटर के ताले को राड से तोड़कर दुकान में घुस गये और वहां से चार किलो चांदी के बर्तन व दस हजार की नकदी चोरी कर ले गए। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करके अपनी ड्यूटी परी कर ली और चोरों को जल्द पकड़ने का आश्वासन देकर चले गये। पीड़ित दुकानदार ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं लोगों का कहना है कि हाल फिलहाल में कई चोरियां हो चुकी हैं लेकिन पुलिस किसी भी चोरी का खुलासा नहीं कर सकी है।

घटनास्थल पर जांच पड़ताल करते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

सीसीटीवी में कैद चोर।

कस्बे के वार्ड नंबर 5 निवासी अमित वर्मा ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि वार्ड नंबर 3 बर्राजपुर में रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूरी पर और थाना शिवराजपुर से मात्र दो सौ मीटर की दूरी पर मेरी दिशा ज्वैलर्स के नाम से सोने चांदी की दुकान है। शाम को वह दुकान बंद करके अपने घर आ गया था। सोमवार की सुबह आसपास के दुकानदारों ने उन्हें दुकान में चोरी होने की सूचना दी। मौके पर जाकर देखा तो दुकान का ताला टूटा पड़ा था सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि रविवार की देर रात मोटर साइकिल से आए तीन चोरों ने शटर के ताले तोड़कर काउंटर में रखे करीब 4 किलो चांदी के बर्तन व गुल्लक में रखी 10000 की नकदी लेकर फरार हो गए। मौके पर पहुंची थाना पुलिस जांच पड़ताल करने के बाद चोरों को जल्द पकड़ने का आश्वासन देकर लौट गई। वहीं चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। दुकानदार ने मामला दर्ज कराकर कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं लोगों का कहना है चोरों के हौसले इतने बुलंद है कि वे आए दिन कस्बे में चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। वहीं पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकामयाब साबित हो रही है और ना ही कोई माल बरामद हो रहा है।

इस मामले में दरोगा शुभम पांडे ने बताया कि घटना की तहरीर मिली है मौके पर जाकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर छानबीन चल रही है। वहीं कुछ संदिग्ध लोगों को उठाया भी गया है व कई प्रमुख जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मामूली बारिश में ही निगोहा गांव में चारों तरफ हुआ कीचड़ ही कीचड़

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के निगोहा गांव में मामूली बारिश में ही जगह-जगह जल भराव शुरू हो गया है। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से बरसाती पानी सड़कों पर भर गया। इससे लोगों को अवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जल भराव को लेकर परेशान ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित कराकर समस्या का समाधान यथाशीघ्र कराये जाने की मांग की है।

जल निकास की समुचित व्यवस्था न होने से बारिश शुरू होते ही गांवों में जल भराव की समस्या उत्पन्न होने लगी है। विगत दो दिनों के दौरान हुई मामूली बारिश में ही क्षेत्र के निगोहा गांव के हालात खराब होने लगे हैं। पानी निकास के लिए नालियां न बनी होने और कच्चे मार्गों पर जल भराव हो जाने से ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के बाबत गांव के रामू शुक्ला, सत्येंद्र चंदेल, वीरू चंदेल, महेश सिंह, बउआ अवस्थी व छोटे सविता आदि ने बताया कि मोहल्ले में वर्षों पहले बिछाया गया खडंजा पूरी तरह से उखड़ चुका है। खस्ताहाल मार्ग पर जबरदस्त कीचड़ व पानी भर जाने से आवागमन करना मुश्किल हो रहा है। इससे निकलने पर लोग अक्सर गिरकर चोटहिल हो रहे हैं। बताया कि जनप्रतिनिधि भी समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

गांव की खराब पड़ी सड़क पर भरा कीचड़। अमृत विचार

घर में घुसकर सोते हुए युवक पर हमला

बिल्हौर। बिल्हौर थाना क्षेत्र के नानामऊ गांव में सोते समय एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने हमलावर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह घटना सोमवार रात करीब 2 बजे की है, जब शिवनंदन सिंह अपने घर में सो रहे थे। जानकारी के अनुसार, बिलंदापुर, कन्नौज निवासी अनिल कुमार ने घात लगाकर शिवनंदन के घर में घुसकर उन पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में शिवनंदन को गंभीर चोटें आई हैं। हमले के बाद आरोपी अनिल कुमार शिवनंदन को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घायल शिवनंदन ने तुरंत बिल्हौर थाने में तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की है और आरोपी अनिल कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

रक्तदाताओं को किया सम्मानित

कानपुर में विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य पर हैलट में रक्तदानियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कल्यानपुर विधायक नीलिमा कटियार मौजूद रहीं। विभाग की नोडल अधिकारी डॉ. लुबना खान ने बताया कि हमारे बीच रक्तदाता अनस जाबरी मौजूद है वे अबतक 35 बार ब्लड डोनेट करके थैलीसीमिया, कैन्सर जैसे रोगियो की जान बचा चुके है। वे प्रत्येक 3 महीने उपरान्त अपना रक्तदान करते हैं और वे स्वयं फोन करके पूछते है कि अगला ब्लड डोनेशन कैम्प कब और कहा लगेगा और बिना किसी संकोच के वे पहुंच जाते हैं और अपना रक्तदान करके महादान करते हैं। अमृत विचार

अमिरतेपुर के विद्यालय के युग्मन का ग्रामीणों ने किया विरोध

घाटमपुर। विकास खंड घाटमपुर के अमिरतेपुर गांव में संचालित प्राथमिक विद्यालय के युग्मन का विरोध विद्यालय प्रबंध समिति तथा ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि अगर यहां से विद्यालय किसी दूसरे गांव चला जायेगा तो यहां के बच्चों को पढ़ने में बड़ी समस्या होगी। प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों ने कहा कि गांव में विद्यालय बंद करके विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। गांव में विद्यालय न होने से शिक्षा के प्रति लोगों की जागरूकता कम होगी और शैक्षिक माहौल न मिलने से बच्चों के बौद्धिक व मानसिक विकास पर असर पड़ेगा। अभिभावकों ने कहा कि हम लोग सरकार के मानकानुसार विद्यालय में छात्र संख्या पूरी करेंगे। बरसात के मौसम में गांव के अध्ययनरत छोटे छोटे बच्चों को किसी अन्य गांव में शिक्षा प्राप्त करने में अनेकों कठिनाइयां होंगी।

सांड़ की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत

घाटमपुर। सजेती में बहू का प्रसव करवाने के लिए अस्पताल जा रहे बाइक सवार ससुर को सांड़ ने पटक दिया। परिजन उन्हें विजय नगर स्थित एक निजी हास्पिटल लेकर पहुंचे। वहीं पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

क्वोटरा,सिरसा गांव निवासी किसान रामलखन 57 वर्ष के तीन बेटे जय सिंह, संत सिंह, जोगेंद्र और तीन बेटियां है। बेटे जय ने बताया कि मंझले भाई संत की दो महीने पहले मौत हो चुकी है, जिसके बाद से उसकी पत्नी अंजना हमीरपुर स्थित मायके में रह रही है। 25 जून को अंजना की हमीरपुर जिला अस्पताल में डिलीवरी होनी थी, जिस कारण पिता अस्पताल जाने के लिए बाइक से निकले थे। वह आनूपुर बरीपाल के पास पहुंचे ही थे तभी एक निर्माणाधीन पेट्रोल पंप के सामने सांड़ ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें विजय नगर स्थित प्राईवेट हास्पिटल में भर्ती कराया था। वहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हाईवे पर पेड़ गिरने से लगा लंबा जाम। अमृत विचार

कानपुर-सागर हाईवे पर पेड़ गिरने से लगा जाम

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के गांव अज्योरी में सोमवार दोपहर 12 बजे बारिश के चलते हाईवे किनारे का एक शीशम का पेड़ कानपुर-सागर हाईवे पर गिर गया। घटना के समय हाईवे पर कोई वाहन नहीं था। इससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। लेकिन हाईवे पर पेड़ गिरने से वाहनों का आवागमन बुद हो गया। इसके चलते दो किलामीटर लंबा जाम लग गया।

कानपुर-सागर हाईवे पर दोपहर 12 बजे बारिश के चलते हाईवे किनारे का एक पेड़ गिर गया। इसके चलते वाहनों का आवागमन रुक गया और देखते ही देखते लगभग दो किलामीटर लंबा जाम लग गया। जाम लगने की सूचना ही बीबीपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और टोल क्रेन की मदद से पेड़ को हाईवे से हटाकर किनारे कराया। तब कहीं जाकर धीरे धीरे वाहनों का आवागमन फिर से चालू हो सका।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

अमृत विचार
क्लासीफाइड

सूचना
मैंने अपना नाम DEEPAK KUAMR से बदल कर DEEPAK KUMAR रख लिया है अब भविष्य में मुझे इसी के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O- RAM TEERTH R/O-H.NO-80, MEERAMOU SARHEMAU, BARABANKI -225305

सूचना
सूचित हो कि मैं **प्रदीप कुमार त्रिवेदी पुत्र स्व. माता प्रसाद त्रिवेदी निवासी–ईएस–1बी/197, सीतापुर रोड योजना, निकट इंजीनियरिंग कालेज चौराहा, लखनऊ उ0प्र0 226021,** मैंने अपने सबसे छोटे पुत्र पुलकित राज त्रिवेदी को उसके गलत चाल–चलन व आचरण के चलते अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उक्त पुत्र द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, कार्य या लेन–देन हेतु वो स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना
मेरी पुत्री का नाम हाईस्कूल अंकतालिका में सृष्टि मिश्रा (SRISHTI MISHRA) अंकित है, जबकि आधार कार्ड में त्रुटिवश श्रष्टी मिश्रा (SHRASTI MISHRA) अंकित हो गया है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में मेरी बेटी को सृष्टि मिश्रा (SRISHTI MISHRA) पुत्री संजय कुमार मिश्रा के नाम से ही जाना पहचाना जाए। **संजय कुमार मिश्रा पुत्र रामनरायन मिश्रा, निवासी ग्राम भदवही, भदोही, पोस्ट जनपद उन्नाव।**

सार-संक्षेप

अनुभव चंद्रा बने बिल्हौर के तहसीलदार

बिल्हौर। बिल्हौर तहसील में पिछले कई दिनों से खाली पड़ा तहसीलदार का पद अब भर गया है। अनुभव चंद्रा को बिल्हौर का नया तहसीलदार नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से तहसील के कामकाज में तेजी आने की उम्मीद है, क्योंकि पद खाली होने के कारण तमाम महत्वपूर्ण कार्यों में देरी हो रही थी। अनुभव चंद्रा की नियुक्ति से स्थानीय लोगों में भी राहत है, जो अपने कार्यों के लिए तहसीलदार की उपलब्धता का इंतजार कर रहे थे।

नौबस्ता से गल्ला मंडी तक फोरलेन सड़क का काम जल्द

कानपुर। नौबस्ता चौराहे से गल्लामंडी तक हमीरपुर रोड पर यातायात जाम से जल्दी ही निजात मिल सकती है। यह मार्ग पहले ही वाहनों के दबाव के कारण यातायात जाम और अराजकता का शिकार था, मेट्रो के निर्माण कार्य ने समस्या और बढ़ा दी थी। अब मेट्रो ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को सड़क हस्तांतरित करने के लिए पत्र सौंप दिया है। इससे जल्दी ही इस मार्ग के चौड़ीकरण का काम शुरू होने की उम्मीद है। एनएचएआइ अधिकारियों के मुताबिक नौबस्ता चौराहे से गल्लामंडी तक शहरी क्षेत्र में पांच किमी लंबी हमीरपुर रोड को फोरलेन बनाया जाएगा। दोनों ओर सड़क की चौड़ाई अभी 7.5 मीटर है, इसे बढ़ाकर 10 मीटर किया जाएगा। इस रूट पर मेट्रो के निर्माण कार्य के कारण सड़क चौड़ीकरण का काम रुका हुआ था, लेकिन अब मेट्रो ने सड़क हस्तांतरित करने का पत्र दे दिया है। इस मार्ग के चौड़ीकरण के लिए 8.15 करोड़ रुपये पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं। टेंडर फाइनल करने के लिए तकनीकी बिड की प्रक्रिया चल रही है। टेंडर फाइनल होते ही चौड़ीकरण कार्य शुरू होगा।

तालाब में डूबने से कानपुर की महिला की गई जान

संवाददाता, मौदहा हमीरपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के ग्राम कम्हरिया में मस्तान शाह बाबा की मजार में एक सप्ताह से रह रही कानपुर की महिला की तालाब में डूब कर मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

कानपुर नगर के दबौली निवासी आशिया निशा (42) पत्नी अब्दुल गफ्फार मिर्गी की बीमारी से पीड़ित थी। एक सप्ताह पूर्व वह क्षेत्र के कम्हरिया शरीफ स्थित मस्तान शाह बाबा की मजार में आकर वही रह अपनी बीमारी ठीक होने की मंशा से बाबा की जियारत कर रही थी। सोमवार की सुबह वह मस्तान शाह बाबा की मजार के बगल में स्थित तालाब में नहाने गई थी तभी पानी में डूब गई। आसपास मौजूद लोगों ने उसे तालाब से बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच मृतका के शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इस घटना की सूचना मृतका के परिजनों को भेज दी गई है। बताते चलें कि उक्त तालाब में प्रतिवर्ष एक दो लोग पानी में डूब कर असमय ही काल के गाल में समा जाते हैं।

डीएम ने चार लोगों पर की जिला बदर की कार्रवाई

हमीरपुर। जिले में की जा रही अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई में न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट ने चार लोगों को गुंडा एक्ट में छह माह के लिए जिला बदर किया है। इनमें थाना कुरारा के पतारा गांव एक व थाना राठ के कैथा गांव से संबंधित तीन लोग हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने पारित आदेश में आदेशित किया गया है कि जिला बदर की अवधि में अपराधी अपने साथ किसी प्रकार का शस्त्र व आग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेंगे। छह माह की अवधि तक जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे, तथा बाह्य जनपद में जिस स्थान पर निवास करेंगे उसकी सूचना संबंधित न्यायालय एवं स्थानीय पुलिस को भी देंगे। जिलाबदर अपराधियों में अनुज निवासी ग्राम पतारा, थाना कुरारा, लखन राजपूत, दृग सिंह उर्फ दृगपाल राजपूत पुत्र बृजपाल राजपूत निवासी व वीरपाल उर्फ वीरपाल पुत्र हरचरन निवासी ग्राम कैंथा थाना राठ हैं।

पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, अनौगी, कन्नौज

वॉक-इन इंटरव्यू

पीएमश्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय अनौगी, कन्नौज (उ0प्र0) में संविदा आधार पर 02 मैट्रन (महिला) पद हेतु दिनांक 05.07.2025 को प्रातः 10: 00 बजे मौखिक साक्षात्कार हेतु योग्य उम्मीदवार समस्त मूल एवं छायाप्रति दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों।

कमांक	पद का नाम	पदों की संख्या	मानदेय
01	मैट्रन (महिला)	02	भारत सरकार द्वारा औद्योगिक कर्मचारियों पर लागू मानदेय।

उक्त पद हेतु शैक्षणिक योग्यताएं निम्नवत है :–
01. शैक्षणिक योग्यता: कक्षा 10 पास।
02. आयु: 35 से 55 वर्ष के मध्य।
03. वैवाहिक स्थित: विवाहित महिलाएं, जिसमें विधवाए या तलाक शुदा महिला बिना किसी परिवारिक भार के महिलाओं को वरीयता।
उपरोक्त पद प्रारम्भिक नियुक्ति से 30.04.2026 तक मान्य होगा।

प्राचार्य
जनवि, अनौगी, कन्नौज

राहत कहीं आफत | नगर आयुक्त ने कहा, 400 नाले–नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया

853 किमी नाला सफाई, इसलिए शामत कम आई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा है कि नगर निगम ने वर्षा ऋतु की चुनौतियों को गंभीरता से लिया। जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए सशक्त, योजनाबद्ध और समयबद्ध पहल की। व्यापक स्तर पर बड़े व छोटे नालों व नालियों पर सफाई और अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। जिसकी वजह से जलभराव कम हुआ। सीसामऊ नाला से वर्षों पुराना अतिक्रमण हटाया गया। लगभग 400 बड़े व छोटे नालें व नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। बड़े व छोटे नालों व नालियों समेत कुल लगभग 853 किलोमीटर नालों की व्यवस्थित रूप से सफाई कराई गई। इस प्रयास से जलभराव से प्रभावित रहने वाले क्षेत्र लाल इमली, चुन्नीगंज, वीआईपी रोड, श्यामनगर, कल्याणपुर आदि क्षेत्र इस बार जलभराव से मुक्त रहे। सुचारू जलनिकासी व्यवस्था के चलते स्थिति नियंत्रण में रही। नगर आयुक्त ने कहा कि वह खुद लगातार निरीक्षण कर रहे। शहर के छह जोनों में एक-एक त्वरित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल का गठन किया।

घाटमपुर के बेहटा बुजुर्ग गांव के पास कीचड़ से निकलते वाहन सवार। अमृत विचार

पुलिया निर्माण न होने से परेशान हो रहे राहगीर

घाटमपुर। घाटमपुर साढ़ मार्ग पर बेहटा बुजुर्ग गांव के पास एक क्षतिग्रस्त पुलिया थी। इस पुलिस से अधिक भार वाले वाहनों के निकलने में समस्या होती थी। इसी के चलते इसका निर्माण कराया जा रहा था। लेकिन ठेकेदार द्वारा पुलिया निर्माण में देरी के कारण और पुलिया के आस पास फैली मिट्टी बारिश में लोगों के लिये काल साबित हो रही है। बारिश के चलते मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गई है। इससे फिसल कर लोग गिर रहे हैं और चोटहिल हो रहे हैं। इसके चलते यहां पर से लोगों का निकलना दूभर हो रहा है।

कार्यालय नगर पंचायत, कमालगंज जनपद–फर्रूखाबाद।

संख्या– 193/न.पं0क0/2025–26/अ0सं0ह0/ कमालगंज दि. 30/06/2025

नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकों ने कर निर्धारण पंजिका में नामान्तरण के सम्बन्ध में आवेदन किया है। नगर पालिका अधिनियम–1916 की धारा 147 (2) के अन्तर्गत सभी सम्बन्धित को नोटिस निर्गत किये जा चुके है। नामान्तरण पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने के 30 दिन के अन्दर प्रमाणित साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में उक्त नामान्तरण कार्यवाही पूर्ण कर दी जायेगी। वाद मियाद किसी को भी आपत्ति दर्ज कराने का हक न होगा।

क्र0	भ0दु0प्लाट संख्या/मोहल्ले का नाम	वर्तमान में अंकित नाम/ विक्रेता का नाम	नाम दर्ज होने वाले आवेदक का नाम	प्रस्तुत साक्ष्य
1	प्लाट–नवीन/मो0 शास्त्री नगर –प्रथम, कमालगंज।	श्रीमती सीता देवी पत्नी स्व0 रामप्रकाश गुप्ता	श्री विमल गुप्ता पुत्र श्री स्व0 रामप्रकाश गुप्ता	रजिस्टर्ड बैनामा
2	गृह सं0–294/मो0 गांधी नगर, कमालगंज।	श्री गजराज सिंह पुत्र भगवान सिंह	श्री अरविन्द कुमार पुत्र स्व0 गजराज सिंह	विरासत
3	प्लाट सं0–211/मो0 सुभाष नगर कमालगंज।	श्री नूर आलम पुत्र श्री जहीर अहमद	श्री अजय कुमार पुत्र श्री कैलाश चन्द्र	रजिस्टर्ड बैनामा
4	गृह सं0–33/मो0 अशोक नगर, कमालगंज।	श्री इमाम बक्श पुत्र श्री मखदमू वक्श	मो. इस्लाम पुत्र स्व0 इमाम बक्श	विरासत
5	दुकान सं0–34/मो0 गाँधी नगर, कमालगंज।	श्री इमाम बक्श पुत्र श्री मखदमू वक्श	मो. इस्लाम पुत्र स्वद्ग इमाम बक्श	रजिस्टर्ड बैनामा
6	प्लाट संख्या–196/D मो0 आजाद नगर, कमालगंज।	श्री देवकी नन्दन पुत्र श्री मैकूलाल	श्री नरेन्द्र चन्द्र पुत्र श्री पूरनलाल	रजिस्टर्ड बैनामा

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, कमालगंज,
जनपद–फर्रूखाबाद।

एक नजर

राज्यमंत्री की पहल पर 15 दिन बढ़ा आधार कार्ड कैंप

रनियां। प्रदेश की राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला की पहल पर आधार शिविर 15 दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। राज्यमंत्री ने डाक विभाग एवं भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण को पत्र लिखकर कर रनियां के मां कनखिया देवी मंदिर परिसर में 15 जुलाई तक बढ़ाने का आग्रह किया था। अभी तक शिविर कन्या जूनियर माध्यमिक विद्यालय में चल रहा था। कैंप रोज सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा।

रोड जाम और मारपीट के मामले में तीन गिरफ्तार

शिवली। करीब दो वर्ष पहले सड़क हादसे के बाद जाम व मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शिवली-कल्याणपुर मार्ग पर 30 अगस्त 2023 को चौबेपुर के मरहमतनगर के रहने वाले राहुल की मौत हो गई थी। इंस्पेक्टर मुकेश कुमार सोलंकी ने बताया कि सात नामजद व अज्ञात डेढ़ सौ लोगों के खिलाफ रोड जाम, मारपीट व पुलिस पर हमले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। विवेचना में चार अन्य नाम प्रकाश में आए थे। बाघपुर चौकी प्रभारी प्रवीण कृष्ण मिश्र ने सोमवार को फरार रामचंद्र, शिवदेवी व रमई निवासी अवध नगर को गांव से गिरफ्तार कर लिया है।

वृद्ध को पीटने में 7 पर रिपोर्ट

रूरा। थाना क्षेत्र के बनीपारा महाराज गांव के वंशलाल कुशवाह ने पुलिस को बताया कि वह कई वर्षों से घर के बाहर गोबर डाल रहे हैं। शनिवार सुबह गांव के अरविंद तिवारी, रूपेश तिवारी, प्रांजुल, प्रभात, संदीप, मयंक व भरत लाठी-डंडा लेकर आए और गालीगलौज करते हुए मारपीट करने लगे। बचाने आए उसके पुत्र के साथ भी मारपीट की। थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षक नेता श्रीकांत के निधन पर दी श्रद्धांजलि

कानपुर देहात। माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता एवं कानपुर-उन्नाव खंड से एमएलसी प्रत्याशी रहे श्रीकांत द्विवेदी (दद्दा) के आकस्मिक निधन पर माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ के पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां जिलाध्यक्ष अभिषेक दीक्षित, जिला मंत्री शिवकुमार गौतम, अशोक सविता, नरवीर यादव, सुनील कुमार, जितेंद्र कुमार, पालन कुमार, नीरज कुमार, आरिफ खान, संतोष कुमार, रावत, किरन देवी, रुक्मणी रावत मौजूद रहे।

विलय के विरोध में शिक्षकों-अभिभावकों का प्रदर्शन

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचार। कम नामांकन वाले दूसरे परिषदीय स्कूलों में मर्ज करने को लेकर शिक्षकों समेत लोगों का विरोध जारी है। संदलपुर बीआरसी में अभिभावकों के साथ प्रबंध समिति के अध्यक्ष व सदस्य और शिक्षकों ने सोमवार को स्कूल विलय के विरोध में प्रदर्शन किया।

संदलपुर बीआरसी में प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष दीपक कटियार ने कहा कि सरकार की ओर से परिषदीय स्कूलों को दूसरे में विलय करने का कानून सरासर गलत है। इससे गरीब परिवार के बच्चे पढ़ाई से दूर हो जाएंगे और फिर गलत रास्ता अपनाएंगे। साथ ही समाज भी दूषित होगा। निर्मल शर्मा ने कहा कि एक भी विद्यालय प्रबंध समिति, ग्राम प्रधान, अभिभावक आदि गांव के सामान्य नागरिक की इच्छा के बगैर बंद नहीं होगा। इसके लिए चाहे कितना भी आंदोलन करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार बनावटी व्यवस्था कर गांव की सभ्य शिक्षा को समाप्त करना चाहती है। इस मौके पर विजय राजपूत, उपेंद्र कटियार, सपना निरंजन, अमित कटियार, नवीन कटियार, अब्दुल हमीद, पंकज अग्निहोत्री, महेंद्र वर्मा, मनोज श्रीवास्तव, अंकित यादव, हरपाल सिंह, कृतिका सौहरिया, प्रशांत गुप्ता आदि रहे।

संदलपुर बीआरसी में विरोध जताते शिक्षक और अभिभावक। अमृत विचार

मैथा के ब्लाक संसाधन केंद्र में प्रदर्शन करते शिक्षक। अमृत विचार

- संदलपुर ब्लाक संसाधन केंद्र में जताया गया विरोध
- सरकार पर बनावटी व्यवस्था करने का लगाया आरोप

मैथा बीआरसी में भी शिक्षकों ने जताया विरोध

शिवली। मैथा बीआरसी में शिक्षकों की बैठक सोमवार को आहूत की गई। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर विद्यालयों के मर्ज किए जाने की सरकारी व्यवस्था का विरोध किया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष बृजेश यादव के नेतृत्व में स्कूलों को मर्ज किया जाने का विरोध तेज करने का निर्णय लिया गया। इस मौके ब्लाक अध्यक्ष आनंद मिश्रा, जिला संयुक्त मंत्री विष्णु मिश्रा, अजय यादव, आलोक त्रिवेदी, रानी यादव, नंदनी कमल, प्रवीण यादव, शिवराज यादव, नीलम यादव, अशोक सोनकर, नीरज त्रिवेदी, प्रदीप निगम, दीप्ति, शशि राव आदि मौजूद रहे।

आज सुबह आठ बजे से खुलेंगे परिषदीय स्कूल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- 2 बजे तक होगा संचालन स्कूल चलो अभियान भी

अमृत विचार। जनपद में आज से परिषदीय विद्यालय सुबह आठ बजे से खुलेंगे और अपराह्न दो बजे तक संचालित होंगे। पठन-पाठन के साथ नौनिहालों की शत प्रतिशत हाजिरी की कवायद शुरू करनी होगी।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद एक जुलाई से विद्यालय खुलेंगे। अप्रैल व मई में बच्चों की उपस्थिति 55-60 फीसदी के बीच रही। इसे बढ़ाकर 75-85 फीसदी करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए आज से स्कूल चलो अभियान भी शुरू होगा। इसके लिए दो लाख रुपये की धनराशि दी गई है। अभिभावकों को शिक्षा का महत्व बताया जाएगा। नौनिहालों को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी। बीएसए ने बीईओ को निर्देश दिए हैं। स्कूल चलो अभियान में छात्रों का अधिक से अधिक नामांकन कराने के लिए जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधान, जन समुदाय, विद्यालय प्रबंध समिति व मां समूह के सदस्यों का सहयोग लेने के निर्देश दिए गए हैं। ग्राम प्रधानों को प्रधानाध्यापक जानकारी देंगे। गांव स्तर पर एक वृहद कार्यक्रम होगा। बीएसए अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि एक जुलाई से स्कूल चलो अभियान शुरू कर अभिभावकों को अपने नौनिहालों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

हाईवे पर सामने आया सांड़, युवक की मौत

बिहारघाट गांव के पास हुआ हादसा, दो युवक गंभीर घायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- चचेरे भाई व भांजे के साथ अकबरपुर जा रहा था युवक
- बाइक की तेज टक्कर के बाद सांड़ की भी चली गई जान

अमृत विचार। बिहारघाट में हाईवे पर छुट्टा सांड़ के अचानक हाईवे पर आने से बाइक सवार तीन युवक टकरा गए। पुलिस ने घायलों को मेडिकल कालेज भेजा। जहां एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो का उपचार किया गया। वहीं टक्कर के बाद सांड़ की भी मौत हो गई।

डेरापुर थाना क्षेत्र के सब्दलपुर गांव निवासी बनवारी का पुत्र अंकुश (18) रविवार रात अपने चचेरे भाई रूप कुमार व गजनेर थाना क्षेत्र के सीधामऊ गांव निवासी भांजे नितिन कुमार के साथ बाइक से अकबरपुर जा रहा था। तभी बिहारघाट के गांव कानपुर-औरैया हाईवे पर अचानक एक सांड़ हाईवे पर आकर बाइक सवारों से टकरा गया। जिससे बाइक सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर बिहार घाट चौकी प्रभारी रमेश चंद्र मौके पर पहुंचे और घायलों को मेडिकल कालेज अकबरपुर भेजा, जहां ईएमओ ने अंकुश को मृत घोषित कर दिया, जबकि रूप कुमार व नितिन को भर्ती कर उपचार किया गया। मौत की जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। डेरापुर थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि बाइक सवारों के सांड़ से टकराने के कारण हादसा हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

दौलतपुर में डंपर ने छीनी बालक की जिंदगी

पुखरायां। दौलतपुर गांव के समीप नेशनल हाईवे पर डंपर चालक ने बालक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के दौलतपुर निवासी गोपाल सिंह ने बताया कि सोमवार को उनका 11 वर्षीय पुत्र मोहित हाईवे पार कर रहा था, तभी एक डंपर चालक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे मोहित गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे सीएचसी लाए, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंचे अमरौधा चौकी इंचार्ज सूर्यप्रताप सिंह ने छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

करंट लगने से युवक की मौत

शिवली। मरमताबाद गांव में घर पर फर्राटा पंखा का तार ठीक कर रहा युवक करंट की चपेट में आ गया। बेहोशी की हालत में परिजन मेडिकल कालेज लेकर जा रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई।

कोतवाली शिवली क्षेत्र के मरहमताबाद गांव निवासी नाजिम अली (49) सोमवार की सुबह घर में फर्राटा पंखे का तार ठीक कर रहा था। इसी बीच वह बिजली के करंट की चपेट में आकर बेहोश हो गए।

नाजिम अली।

आनन-फानन में परिजन उसे लेकर मेडिकल कालेज अकबरपुर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में नाजिम अली की मौत हो गई। जानकारी पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक की पत्नी नसरीन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। इंस्पेक्टर मुकेश कुमार सोलंकी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

तिगाईं में खाद-बीज का लाइसेंस निलंबित, अकबरपुर में नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- बिल, स्टॉक रजिस्टर नहीं दिखाए, खामियां भी मिलीं
- जिला कृषि अधिकारी ने डीएपी, यूरिया के सैंपल भरे

अमृत विचार। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देश पर किसानों को गुणवत्ता युक्त बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिला कृषि अधिकारी ने सोमवार को अकबरपुर व तिगाईं में दुकानों पर छापेमारी की। खामियों पर एक दुकान का लाइसेंस निलंबित व दूसरे को नोटिस जारी किया गया है।

सोमवार को जिला कृषि अधिकारी डॉ. उमेश कुमार गुप्ता एवं वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप एक प्रतिष्ठा यादव की संयुक्त टीम ने अकबरपुर बाजार में औरैया एग्रो एजेंसी के प्रतिष्ठान पर औचक छापेमारी की। इस दौरान ज्वार बीज का एक व बाजरा के तीन नमूने लिए गए। ज्वार बीज के बिल व स्टॉक रजिस्टर न दिखाने पर कारण, नोटिस जारी किया गया। इसके बाद पुरवार खाद भंडार तिगाईं का निरीक्षण किया गया। प्रोपराइटर द्वारा उर्वरक प्राधिकार पत्र, स्टॉक रजिस्टर, वितरण रजिस्टर व ई-पास मशीन प्रस्तुत की गई। मिलान करने पर अभिलेखों में त्रुटि पाई गई। जिसपर पुरवार खाद भंडार का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। वहीं दुकान पर यूरिया की 1459 बोरी, डीएपी 594 बोरी व एनपीके 90 बोरी पाई गई। अधिकारियों ने डीएपी व एनपीके का एक-एक नमूना लिया। इसी तरह तिगाईं में ही दिलीप खान भंडार का का निरीक्षण करने पर डीएपी 177 व न्यू यूरिया की 529 बोरी पाई गई। डीएपी का एक नमूना लिया गया। जिला कृषि अधिकारी ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वह निर्धारित दर पर ही वितरण करें और स्टॉक-वितरण रजिस्टर व रेट एवं स्टॉक बोर्ड अद्यतन रखें। अन्यथा उर्वरक नियंत्रण आदेश व आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

खाद-बीज दुकान में जांच करते जिला कृषि अधिकारी डॉ. उमेश कुमार गुप्ता।

जैसलपुर के खूनी संघर्ष में 28 पर एफआईआर, 9 गिरफ्तार

फॉलोअप

संवाददाता, राजपुर

- गांव के बाहर प्लाट के विवाद पर दो पक्षों में हुआ था संघर्ष

अमृत विचार। जैसलपुर गांव में रविवार को जमीनी विवाद के चलते खूनी संघर्ष में पुलिस ने दोनों पक्षों के 28 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एक आरोपी के पास से पुलिस ने तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया है।

जैसलपुर गांव के बाहर मोबाइल टावर के पास प्लाट को लेकर गांव के रामजी सिंह व शिवशंकर के बीच काफी समय से विवाद चल रहा है। दोनों पक्ष जमीन पर अपना स्वामित्व बता रहे हैं। रविवार सुबह शिवशंकर सिंह के समर्थक प्लाट पर निर्माण कराने लगे तभी दोनों पक्षों में विवाद हो गया था। मामला तूल पकड़ने पर दोनों पक्षों में लाठी-डंडे व धारदार हथियार चल गए थे। जिसमे दोनों पक्ष की तीन महिलाओं समेत 13 लोग घायल हो गए थे। मामले में जैसलपुर गांव निवासी दीपक सिंह की तहरीर पर पुलिस ने शिवशंकर सिंह, रामशंकर सिंह, गजेंद्र सिंह, राजेंद्र उर्फ काजू, रीशू सिंह, अंकुश सिंह, हर्षित सिंह, भूरे सिंह, करन सिंह, प्रदीप सिंह, महीपाल, गूडडू सिंह, पिंटू सिंह समेत 13 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। वहीं दूसरे पक्ष से शिवशंकर की तहरीर पर पुलिस ने जैसलपुर के रामजी सिंह दीपक, सुरेश सिंह, राहुल सिंह, संतोष, रमेश, सोनू, सुमित, पुरुषोत्तम, सोनू व गोलू, विपिन, शिवपाल, नन्हे व चंदपाल समेत 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। सोमवार को पुलिस ने गांव में दबिश देकर दोनों पक्षों के महिपाल सिंह, देव सिंह, मिस्टर सिंह, भूरे सिंह, विजय पाल सिंह, पुरूषोत्तम सिंह, राहुल व रमेश को गिरफ्तार कर लिया। वहीं जमीनी संघर्ष में झगड़े के दौरान अवैध असलहे से फायरिंग करने वाले शिवशंकर सिंह को दमनपुर ईंट भट्ठे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी शिवशंकर सिंह के पास से पुलिस ने एक देशी तमंचा व एक कारतूस बरामद किया है। मामले में पुलिस ने बताया कि जमीनी विवाद में झगड़े के दौरान बलवा करने पर 28 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर 9 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। अन्य की तलाश की जा रही है।

राजपुर पीएचसी में खांसी सीरप नहीं

राजपुर। मौसम में बदलाव के बाद खांसी व जुकाम के मरीज बढ़ रहे हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में खांसी सीरप न मिलने से मरीज परेशान हैं और मेडिकल स्टोर से खरीद रहे हैं।

राजपुर पीएचसी में करीब 50 गांव आते है। रोज सौ से अधिक मरीज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराने आते हैं। इन दिनों अधिकांश मरीज खांसी व जुकाम के पहुंच रहे हैं। मरीजों की जांच कर उन्हें खांसी का सिरप लेने की सलाह दी जा रही है, लेकिन पीएचसी में करीब एक महीने से सीरप न होने से उन्हें बैरंग लौटना पड़ता है। फार्मासिस्ट मरीजों को यह कहकर लौटा देते हैं कि अभी सिरप खत्म हो चुका है। जिला अस्पताल से मिल जाएगा। ऐसे में मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। पीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित निरंजन ने बताया कि इसी सप्ताह कफ सीरप आने की संभावना है।

झूमकर बरसे बदरा पीएचसी में भरा पानी

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। उमस भरी गर्मी के बीच सोमवार को राजपुर क्षेत्र में मूसलाधार बारिश हुई। इससे जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं जलभराव ने परेशानी बढ़ा दी।

सोमवार को आसमान में काले घने बादलों के साथ अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। झमाझम बारिश से कस्बे में जलभराव की समस्या ने दुश्वारियां बढ़ा दी। इधर बारिश से राजपुर पीएचसी और ब्लॉक कार्यालय में जलभराव हो गया। इसके अलावा पटेल नगर व कन्हैया नगर की गलियां लबालब रहीं। जलभराव के चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। नगर पंचायत के कई वार्डों में नालियों की सफाई न होने से बारिश का पानी सड़कों पर भर गया। कन्हैया नगर के जावेद, शाहरुख, पवन, सुमित, सौरभ आदि ने बताया कि जलनिकासी का प्रबंध न होने के कारण दो वर्षों से नगर में जलभराव की समस्या है। बारिश में पूरी गली जलमग्न हो जाती है। नगर पंचायत अफसरों से कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। नगर पंचायत ईओ नीति त्रिपाठी ने बताया कि समस्या की जानकारी है। जलनिकासी का प्रबंध कराया जा रहा है।

राजपुर पीएचसी में पानी से गुजरते लोग।

सार-संक्षेप

डिप्टी सीएमओ ने दिव्यांगों को बांटी पौष्टिक तहरी

कानपुर देहात। सोमवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय माती में दिव्यांग कैंप में आए दिव्यांगजनों के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रति सप्ताह की तरह इस बार भी निशुल्क भोजन व्यवस्था की गई। डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने दिव्यांगों में पौष्टिक तहरी का वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजनकर्ता रत्नेश बाजपेयी एवं विजय मिश्रा ने बताया कि माह के प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को होने वाले कैंप में दिव्यांगों के लिए लगातार स्वल्पाहार की जा रही है। इस दौरान लालजी, विशाल कुशवाहा, ब्रजेश पांडेय, अशोक कुशवाहा का सहयोग रहा।

दिव्यांगों को तहरी वितरित करते स्वास्थ्य कर्मी।

किताबा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते पूर्व सपा जिलाध्यक्ष प्रमोद यादव व अन्य।

सपा नेताओं ने दो पीड़ित परिवारों को दी सांत्वना

रनियां। उमरन गांव निवासी सपा नेता अमित यादव की मां किताबा देवी का 15 जून को लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया था। जानकारी पर रविवार को विधान परिषद के पूर्व सभापति सुखराम सिंह यादव पीड़ित परिवार के घर पहुंचे थे। वहीं सोमवार को पूर्व सपा जिलाध्यक्ष प्रमोद यादव व ईशान यादव ने उमरन पहुंचकर किताबा देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर परिवार को सांत्वना दी। इस दौरान शेर सिंह, अमित यादव, विनय यादव, जय सिंह, मलखान सिंह आदि मौजूद रहे। इसी तरह बिलई गांव निवासी मुलायम यादव के पुत्र प्रदीप यादव ने बीती 21 जून को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जानकारी पर सोमवार को सपा नेता नीरज सिंह गौर पीड़ित के घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान ग्राम प्रधान पति रघुवीर यादव, पवन यादव, विपिन यादव, सुभाष यादव, राजीव सिंह आदि मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अमर सिंह का स्वागत करते समिति के सदस्य।

झींझक में दुबारा समिति के अध्यक्ष चुने गए अमर सिंह

मंगलपुर। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर सेवा समिति झींझक द्वारा समिति अध्यक्ष चुनाव के लिए रामदास पाल इंटर कॉलेज मंगलपुर में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद नियमानुसार पुनः नए अध्यक्ष चयन के लिए चुनाव संपन्न कराया गया। मतदान के बाद निर्वाचन अधिकारियों द्वारा मतगणना कर अमर सिंह पाल को सर्वाधिक वोट प्राप्त होने पर दोबारा अध्यक्ष बनने की जानकारी दी गई। इस दौरान समिति के उपाध्यक्ष प्रबुद्ध श्रमशील, महामंत्री कैप्टन राकेश सिंह, कोषाध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह, संरक्षक दयाराम पाल, महेंद्र सिंह, सूबेदार मेजर अवधेश सिंह, संतोष पाल, राम प्रकाश, राम लखन, मान सिंह, जयपाल आदि ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को मिष्ठान खिलाकर माल्यार्पण किया।

फैक्ट्री से चोरी के माल के साथ पांच गिरफ्तार

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार। पुलिस ने बीते दिनों थाने के पीछे फैक्ट्री में हुई चोरी के मामले में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 20 कमानी सेट, चार नए टायर, दो वैल्डिंग मशीन व उपकरण बरामद किए गए हैं।

17 जून को रनियां थाने के पीछे फैक्ट्री में चोरी के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त राकेश कटियार निवासी मकान नंबर 6/67 पनकी पावर हाउस कालोनी थाना पनकी कानपुर नगर व संजीत कुमार कश्यप निवासी 193बी ब्लॉक पनकी कानपुर नगर को रनियां के राजेंद्रा पुल से गिरफ्तार किया कर लिया। अभियुक्तों से पूछताछ में विनोद कुमार पांडेय निवासी 163जी ब्लॉक गंगागंज पनकी कानपुर नगर, रोहित शर्मा निवासी ग्राम भिटौली पोस्ट मोहम्मदीपुर थाना मोरावां जनपद उन्नाव हाल पता 2/13 अरावली भवन थाना पनकी जनपद कानपुर नगर व रामनरेश कटियार निवासी बारा सिरोही थाना आईआईटी कल्याणपुर कानपुर नगर का नाम सामने आने पर रनियां के एक पेट्रोल पंप के सामने हाईवे से नीचे खाली पड़े खेत से चोरी के माल के साथ गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि पांच आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

चोरी के सामान समेत हिरासत में आरोपी।

अंतिम संस्कार | इंदिरा गांधी के आपातकाल में भाजपा नेताओं के साथ जेल गए थे भाल गांव के संतराम

राजकीय सम्मान से लोकतंत्र सेनानी की विदाई

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। भाल गांव निवासी लोकतंत्र सेनानी संतराम सिंह का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। जानकारी पर पूरा गांव शोक में डूब गया। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में सोमवार को पिचौरा घाट में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

सिकंदरा तहसील क्षेत्र के भाल गांव निवासी लोकतंत्र सेनानी संतराम सिंह का 78 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के चलते रविवार को गांव में निधन हो गया। सूचना मिलते ही सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। लोकतंत्र सेनानी के बड़े पुत्र विजय सिंह ने बताया कि पिता वर्ष 1975-1977 के समय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के विरोध में भाजपा नेताओं के साथ जेल में रहे थे। इसके बाद वह लोकतंत्र सेनानी घोषित किए गए। सोमवार को पिचौरा घाट में राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

नायब तहसीलदार सुधीर कुमार, लेखपाल शशांक कटियार, थानाध्यक्ष राजपुर कालीचरन कुशवाहा समेत क्षेत्रीय लोगों ने श्रद्धांजलि दी। इधर भाल गांव में लोकतंत्र सेनानी की पत्नी सावित्री देवी, पुत्र विजय सिंह, अजय सिंह समेत पूरा गांव शोका में डूबा हुआ है। अंतिम संस्कार में गौरक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, भाजपा के मंडल अध्यक्ष राजपुर कुलदीप सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष क्रांतिवीर सिंह, सुंदर सिंह, छोटे सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

पिचौरा घाट पर लोकतंत्र सेनानी को सलामी देते पुलिस कर्मी। अमृत विचार

- पिचौरा घाट पर हुआ अंतिम संस्कार, दी गई सलामी

लोकतंत्र सेनानी संतराम सिंह।

मानसून की दस्तक से नगर की गलियां पानी से लबालब

करीब दो घंटे की तेज बारिश से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित, दोपहिया वाहन सवारों को झेलनी पड़ी भारी दिक्कत

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

झमाझम बारिश से कंचन नगर में हुए जलभराव के बीच से निकलते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार: सोमवार को पहाड़ी क्षेत्रों के बाद मैदानी इलाकों में मानसून के बदरा जमकर बरसे। जिससे लोगों को एक ओर जहां गर्मी से राहत पहुंचाई, वहीं दूसरी ओर नगर में जलभराव की गंभीर समस्या पैदा कर दी। दोपहर बाद हुई करीब दो घंटे की तेज बारिश ने नगर पालिका क्षेत्र की सड़कों और गलियों को पानी से लबालब कर दिया, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

दोपहर 1 बजे अचानक मौसम बदला और घनी काली घटाओं ने आसमान को ढक लिया। इसके कुछ देर बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई। जिसने उमस भरी गर्मी से तो राहत दिलाई लेकिन नगर की जल निकासी व्यवस्था की पोल भी खोल दी। नगर की कोई ऐसी गली नहीं बची जहां पानी न भरा हो। पोनी रोड की मुख्य सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया जिससे दोपहिया वाहन सवारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई बाइकें बीच सड़क पर बंद हो गईं और लोग उन्हें खींचते नजर आए। साकेतपुरी, कंचन नगर, श्रीनगर, ब्रह्म नगर, प्रेम नगर, बिंदा नगर, अवधपुरी, नाथू खेड़ा, परमसुख खेड़ा, रविदास नगर, अहमद नगर व अंबिकापुरम समेत तमाम मोहल्लों में नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैल गया। कुछ घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया, जिससे लोग घरों में कैद होकर रह गए। लोगों का कहना है कि हर साल मानसून के दौरान यही स्थिति बनती है, लेकिन नगर पालिका जल निकासी को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नहीं करती। लोगों ने प्रशासन से जल्द जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। वहीं झमाझम बारिश के बाद देर शाम तक रुक-रुक कर बारिश होती रही। जिससे आने जाने वाले लोग भीगते हुये अपने गंतव्य को रवाना हुये। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और अधिक बारिश की चेतावनी जारी की है।

24 घंटे में 84 सेमी बढ़ा गंगा का जलस्तर

जलस्तर बढ़ने से पुलों के बीच उफनाने लगी गंगा। अमृत विचार

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : पहाड़ी व मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर अब मैदानी इलाकों में साफ दिखाई देने लगा है। नरौरा बांध से छोड़े जा रहे पानी के कारण गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बीते 24 घंटे में गंगा का जलस्तर 84 सेमी तक बढ़ गया, जिससे घाट किनारे बसे लोगों की चिंता भी बढ़ गई है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार रविवार शाम 6 बजे गंगा का जलस्तर 108 .470 मीटर था, जो सोमवार सुबह 8 बजे तक बढ़कर 108 .720 मीटर हो गया। दोपहर 11 बजे यह 109 .130 मीटर, 12 बजे 109 .200 मीटर, 1 बजे 109 .230 मीटर और शाम 6 बजे तक यह 109 .310 मीटर दर्ज किया गया। इस प्रकार, 24 घंटे के भीतर गंगा का जलस्तर कुल 84 सेमी बढ़ा है। तेजी से बढ़ते जलस्तर के कारण गंगा की खुली रेत पानी में डूबने लगी है। नियमित रूप से स्नान करने वाले श्रद्धालु अब सूखे घाटों के भी जलमग्न होने की आशंका जता रहे हैं। वहीं, पश्चिमी किनारे के इलाकों में कटान का खतरा भी बढ़ गया है। नदी किनारे बसे गांवों के लोगों में डर का माहौल है। जल आयोग कर्मियों का कहना है कि फिलहाल जलस्तर में और वृद्धि की संभावना है, क्योंकि नरौरा से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है।

सार-संक्षेप

पूर्व व वर्तमान चेयरमैन की पिटाई के मामले में जांच जारी

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव, अमृत विचार : नगर पंचायत ऊगू निवासी पूर्व चेयरमैन अनुज दीक्षित ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट बताया था कि वह शनिवार शाम बाइक से नगर के पास स्थित आटा मिल जा रहे थे। तभी नगर के सुरेन्द्र व उसका बेटा अनुज उर्फ दीपू ने पुरानी रंजिश को लेकर गाड़ी रोककर मारपीट शुरू कर दी थी। जिससे वह बेहोश होकर गिर गए थे। बचाने पहुंची वर्तमान चेयरमैन अनीता को भी दबंगों ने जातिसूचक गालियां दी थीं और घर में घुसकर उनसे मारपीट की थी। घायल अनुज का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता ने बताया कि वह दबंगों से डरी हुई हैं और इसके चलते वह घर से नहीं निकली हैं। उन्होंने दबंगों पर कार्यवाही की मांग की है। सफीपुर सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अखिल भारतीय कांग्रेस ने घोषित की शहर कमेटी

उन्नाव, अमृत विचार : अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जिले से प्रस्तावित शहर कांग्रेस कमेटी पर अपनी मोहर लगा दी है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फैज फारूकी ने कमेटी की घोषणा की है। इसमें 1 कोषाध्यक्ष, 10 उपाध्यक्ष, 10 महासचिव व 18 सचिव बनाए गए हैं। शहर कांग्रेस कमेटी की घोषणा करते हुए उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की है कि वह अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक रहें। कार्यकारिणी की बैठक बुलाकर सभी को दायित्व सौपे जाएंगे। कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष अफजाल मोहम्मद को बनाया गया है। जबकि उपाध्यक्षों में सुनील सिंह, इम्तियाज अहमद, संजय त्रिवेदी, अनीस खान, अब्दुल हफीज, सुरेश श्रीवास्तव व ओमकांत पांडेय शामिल हैं। वहीं, महासचिवों में सरावेन्द्र बहादुर सिंह, रश्मि सेंगर, शमीम, अशोक चौरसिया, मो. रहीम, चंद्र प्रकाश सिंह, इमरान खान, सैय्यद संभा, मुशीर अहमद, शकील खान, सुजीत कुशवाहा, इरम फातिमा, सैय्यद मत्सरअल हक व रीता गौतम शामिल हैं। इसके अलावा शिवम तिवारी सहित 18 सचिव व मीडिया प्रभारी आदि भी बताए गए हैं।

विद्यालयों के मर्जर प्रस्ताव पर जताया विरोध

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा परिषद से संचालित जिन विद्यालयों में 50 छात्रों से कम नामांकन हैं। उनको पड़ोस के विद्यालयों में मर्ज किया जा रहा है। शासन द्वारा जबरन थोपी जा रही यह व्यवस्था मान्य नहीं है तथा विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्षों, सदस्यों, अभिभावकों व ग्राम प्रधानों ने एक सुर में कहा कि हम अपने गांव के विद्यालय का मर्जर मान्य नहीं करेंगे और इस व्यवस्था का विरोध किया। विकासखंड पुरवा के बीआरसी परिसर चमियानी में मर्जर व्यवस्था से प्रभावित होने वाले प्राथमिक विद्यालयों (बेसिक) की विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्षों, सदस्यों, अभिभावकों, शिक्षकों, प्रधानों व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। संबोधित करते हुए प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री गजेंद्र वर्मा ने कहा कि मर्जर से प्रभावित विद्यालयों की प्रबन्ध समितियों से सहमति तथा असहमति का प्रस्ताव मांगा जा रहा है। कुछ विद्यालयों की प्रबन्ध समतियों से जबरन सहमति का प्रस्ताव भी लिया गया है। इसी क्रम में सोमवार को यह महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें यह निर्णय सभी की सहमति से लिया गया कि शासन द्वारा जबरन थोपी जा रही यह व्यवस्था मान्य नहीं है। बैठक को ब्लॉक मंत्री संजय द्विवेदी, कोषाध्यक्ष श्रवण पटेल, अखिलेश बहादुर, मयंक त्रिवेदी, कौशल किशोर, आलोक अवस्थी, शशिकांत, श्रीकृष्ण, जयति यादव, अन्नपूर्णा वर्मा, सोनम विमल, अवनीश सिंह, चन्द्रभानु सिंह, नीरज, विकास ने संबोधित किया। वहीं प्रधान कंचन देवी, रामलाल, चंद्र शेखर व अभिभावक उपस्थित रहे।

20 जुलाई तक चलेगा स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : जिले में एक अप्रैल से बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में नए शिक्षासत्र की शुरुआत हुई थी। शासन का निर्देश था कि शत-प्रतिशत बच्चों का पंजीकरण किया जाए। इसके लिए ग्रामीण स्तर पर 'स्कूल चलो अभियान' के तहत रैलियां निकाली गईं। 20 मई से ग्रीष्मावकाश होने के बाद 1 जुलाई से बच्चों के लिए विद्यालय फिर खुल रहे हैं। जिसमें अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की जाएगी। जो 1 से 20 जुलाई तक चलेगा। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के जिला कोषाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि शिक्षकों द्वारा सभी विद्यालयों में सफाई आदि का कार्य करवा दिया गया है। दूसरे चरण में अधिक से अधिक बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। संजीव संखबार, प्रदीप वर्मा, अमित तिवारी, दुर्गेश शुक्ला, शिव वर्मा, संतोषी देवी, देवेन्द्र त्रिपाठी, अनूप साहू, रविकेश, अमित नागी, अतुल साहू, दीपेन्द्र शर्मा, राजवीर यादव, रवि गुप्ता, ज्ञानेन्द्र कुशवाहा, सूर्यकांत आदि ने अभियान चलाकर छात्र संख्या बढ़ाने की तैयारी की है।

मर्जर प्रणाली के विरोध में शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

गंजमुरादाबाद में प्रदर्शन करते शिक्षक। अमृत विचार

संवाददाता, बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव नसिरापुर स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा विद्यालय मर्जर प्रणाली के विरोध में सोमवार को धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान संघ के ब्लाक अध्यक्ष रामसिंह कनौजिया ने कहा कि विद्यालय मर्ज करने से ग्रामीण अंचल की शिक्षा व्यवस्था चौपट होगी। ऐसे में विद्यालय मर्ज करना तर्कसंगत नहीं है। इसमें गंगाप्रसाद, खलील राशिद, मानसिंह, अजयपाल, प्रवीण, कोमल यादव, अरुण सिंह, मनोज, कंचन, गंगाराम तिवारी, प्रमोद, धीरज, अल्काफ, श्लोक बाजपेयी, आशाराम आदि शिक्षक मौजूद रहे। इसके अलावा गंजमुरादाबाद स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर में भी उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने धरना प्रदर्शन किया। इसमें मर्ज किए गए प्राथमिक विद्यालयों की प्रबंध समिति के अध्यक्ष, सदस्य व अभिभावक भी शामिल हुए। प्रदर्शन में संघ की ब्लाक इकाई के अध्यक्ष अजय कटियार, अवधेश कनौजिया, देवेन्द्र यादव, विवेक शुक्ला, नितीश कनौजिया, प्रांजल गुप्ता, हरिओम शुक्ला, रणविजय सिंह, वेदप्रकाश, रमेश सिंह, अल्पना व संतोष कुमार आदि शिक्षक व समिति अध्यक्ष व अभिभावक शामिल हुए।

फॉल्ट और एबीसी कार्य के चलते घंटों ठप रही नगर की बिजली

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : सोमवार को नगर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। एक ओर एचटी लाइन में फॉल्ट तो दूसरी ओर एबीसी केबल डालने के कार्य के कारण फीडर-1 और फीडर-4 की बिजली आपूर्ति कई घंटों तक बाधित रही। इससे नगर के हजारों उपभोक्ताओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। दोपहर करीब 1:15 बजे गंगाघाट टाउन सबस्टेशन के फीडर-4 की आपूर्ति एचटी लाइन में फॉल्ट के चलते बंद हो गई। तेज बारिश के कारण कर्मचारियों को फॉल्ट खोजने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शाम करीब 5:30 बजे 33 केवी लाइन की सप्लाई पूरी तरह बंद कर पेट्रोलिंग शुरू की गई। आखिरकार शाम करीब 7 बजे नगर के सभी फीडरों की आपूर्ति बहाल हो सकी। इसी बीच फीडर-1 क्षेत्र के कंचन नगर, सर्वोदय नगर व राजमार्ग क्षेत्र में एबीसी केबल डालने का कार्य भी जारी रहा, जिसके चलते दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रखी गई। एक ही दिन में कई बार बिजली गुल रहने से गर्मी और उमस से लोग बेहाल हो गए। अधिकांश घरों में इनवर्टर जवाब दे गए और पानी की भी भारी किल्लत देखने को मिली। बिजली विभाग ने बताया कि फॉल्ट हटाकर आपूर्ति बहाल कर दी गई है और एबीसी कार्य को जल्द पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है।

छापेमारी कर छह को विद्युत चोरी करते दबोचा, की कार्रवाई

संवाददाता, बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार : स्थानीय विद्युत उपकेंद्र के एक्सईएन के नेतृत्व में प्रवर्तन दल ने सोमवार को तहसील क्षेत्र के गांव जोगीकोट व दसगवां में औचक छापेमारी की। जहां छह लोग अवैध रूप से विद्युत चोरी करते पाए गए। एक्सईएन ने सभी के खिलाफ कार्रवाई की है। एक्सईएन राजनाथ यादव के नेतृत्व में सोमवार को प्रवर्तन दल ने विद्युत कर्मियों के साथ गांव जोगीकोट व दसगवां में छापा मारा। जहां जोगीकोट निवासी हसीन पुत्र मुर्तजा व जुम्मन पुत्र गुलशे तथा दसगवां निवासी आजाद खां पुत्र इशहाक खां, शकील पुत्र खलील, विवेक पुत्र सुरेंद्र पाल व अनुज सिंह पुत्र शारदा सिंह को कटिया व बाईपास के जरिए अवैध तरीह से विद्युत चोरी करते हुए पाया गया। उपखंड अधिकारी विनय आर्य व अवर अभियंता शेर अली ने विद्युत चोरी करते पकड़े गए लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए भविष्य में विद्युत चोरी न करने की हिदायत दी है।

सेवानिवृत्ति पर एडीओ समाज कल्याण को दी विदाई

फतेहपुर चौरासी, अमृत विचार : विकासखंड में तैनात एडीओ समाज कल्याण अधिकारी के सेवानिवृत्त होने पर विकासखंड कार्यालय में सोमवार को विदाई समारोह आयोजित किया गया। इसमें विधायक श्रीकांत कटियार, ब्लाक प्रमुख मनोज निषाद, खंड विकास अधिकारी श्वेता त्रिपाठी, एडीओ पंचायत हेमंत कुमार सहित वीडीओ, ग्राम प्रधान व पंचायत कर्मियों ने माल्यार्पण, उपहार, शाल भेंटकर विदाई दी। एडीओ समाज कल्याण ब्रह्मवेद पाण्डेय की वर्ष 2008 में ब्लाक फतेहपुर चौरासी में नियुक्ति, वर्ष 2022 में बीघापुर, वर्ष 2024 में पुनः फतेहपुर चौरासी ब्लाक में नियुक्ति हुई थी। सभी ने उनकी कार्यशैली की सराहना कर विदाई दी और उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान अतुल मिश्रा, जितेंद्र, अवधेश, कुलदीप, प्रमोद पाण्डेय, वीडीओ विवेक गौतम, अभिनव, दिनेश, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

एक नजर

गैंगस्टर एक्ट के दोषी को मिली 2 साल की सजा

उन्नाव : गैंग बनाकर क्षेत्र में अपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के आरोपी गुड्डू पुत्र शंकर निवासी मनोहर नगर गंगाघाट कोतवाली पर 13 अक्टूबर-2007 को गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की थी। जिसके बाद पुलिस ने उसे कोतवाली क्षेत्र से 17 अक्टूबर- 2007 को पकड़ कर जेल भेजा था। आईओ रिजवान अब्बास ने 3फरवरी -2008 को जांच के कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे -8 कोर्ट में विचाराधीन था। सोमवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायाधीश ने गुड्डू को 2 साल की सजा सुनाई। साथ ही उसपर 5,000 रुपये जुर्माना भी लगाया।

जिला अस्पताल में खड़ी दो एंबुलेंस की बैट्रियां चोरी

उन्नाव : जिला अस्पताल परिसर में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। रविवार रात चोर एडवांस लाइफ स्पोर्ट (एएलएस) व 108 एंबुलेंस को निशाना बनाकर इनवर्टर व बैट्री खोल ले गए। जिला अस्पताल परिसर में चौकी की स्थापना के बावजूद चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पाया है। ऑक्सीजन प्लांट की कॉपर लाइन सहित कई एसी के आउटडोर चोरी होने के बाद रविवार रात चोर अस्पताल परिसर में खड़ी एएलएस एंबुलेंस का ताला खोलकर उसमें लगा इनवर्टर व बैट्री उठा ले गए। वहीं चोरों ने एक 108 एंबुलेंस की बैट्री भी पार कर दी। सुबह ड्यूटी पर पहुंचे पायलटों को इसकी जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए। सीएमओ को मामले की जानकारी देने के साथ सदर कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई है। पुलिस लगे कैमरों की फुटेज चेक कर चोरों की तलाश में जुटी है।

उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद दिया तो होगी एफआईआर

उन्नाव : जिला कृषि अधिकारी शशांक ने कहा कि यदि कोई विक्रेता उर्वरक निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर बेचता है या मुख्य उर्वरक के साथ कोई अन्य उत्पाद जबरन देता है तो संबंधित किसान अपनी शिकायत कंट्रोल रूम नंबर 7839882173 पर किसी भी कार्यदिवस में कर सकते हैं। कहा कि यदि किसी खुदरा विक्रेता द्वारा किसी कंपनी का अन्य उत्पाद कृषकों को मुख्य उर्वरकों के साथ टैगिंग की जाती है तो संबंधित खुदरा विक्रेता, थोक उर्वरक विक्रेता आदि के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करते हुए वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों से मिलने जा रहे लोगों को पीटने वालों को भेजा गया जेल

संवाददाता, सफीपुर उन्नाव

कार्रवाई

▸▸ बालिका से अश्लील हरकत करने का मामला

अमृत विचार: बालिका से हुई अश्लील हरकत से गांव में तनाव है। इसी बीच पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे गांव के दो युवकों की पिटाई कर दी गई थी। इस मामले में दर्ज मुकदमे के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि छेड़छाड़ का आरोपी नौशाद अभी भी पुलिस पकड़ से दूर है।

बता दें कि कोतवाली सफीपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित महिला ने शनिवार को परचून दुकानदार नौशाद पुत्र मासुख अली पर अपनी 8 वर्षीय बेटी से गलत हरकत करते हुए छेड़छाड़ करने का आरोप लगा उस पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दलित बच्ची के साथ घिनौनी हरकत की अनेक लोगों ने भर्त्सना की थी। इसी कड़ी में बीती शाम गांव के मोहित व विशम्भर पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे। तभी छेड़छाड़ के आरोपी नौशाद ने अपने भाई दिलशाद व इरफान, बेटे तौसीब, राशिद पुत्र मुन्नू खां, सलीम व दो अज्ञात के साथ उन्हें घेर लिया और जातिसूचक गालियां देते हुए लाठी-डंडों से वार कर मोहित व विशम्भर को घायल कर दिया था। मोहित की तहरीर पर पुलिस ने उन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू की थी। सोमवार को आरोपियों में रौनक, दिलशाद, शानू उर्फ रिहान, तौसीब उर्फ तौहीद को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। जबकि घटना को अंजाम देने वाले आरोपी नौशाद व अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए एसओ एसएन त्रिपाठी व सीओ सफीपुर मधुपनाथ मिश्रा के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर पुलिस छापेमारी कर रही है। सूत्र बताते हैं कि आरोपी अन्य जिलों में भाग गए हैं। पुलिस टीम वहां भी दबिश दे रही है।

कार्रवाई के लिए कोतवाल से मिले विमल द्विवेदी

कोतवाल से बात करते विमल द्विवेदी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार : सफीपुर कोताली अंतर्गत बीते दिनों 8 वर्षीय दलित बच्ची से अश्लील हरकत करने वाले गैर समुदाय के व्यक्ति की गिफ्तारी को लेकर नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने सफीपुर कोतवाल सुब्रत नरायण से भेंटकर आरोपी की जल्द गिफ्तारी व उसे संरक्षण देने वालों पर कार्यवाही की मांग की। इस पर कोतवाल ने दोषियों पर कठोर कार्यवाही व जल्द गिफ्तारी का अस्वाशन दिया। विमल द्विवेदी ने उम्मीद जताई कि एसपी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में सफीपुर पुलिस अपराधी को जल्द सलाखों के पीछे पहुंचाने व सख्त कार्रवाई करने का काम करेगी। जिससे भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृति न हो। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य दिलीप मिश्रा, हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, कुलदीप तिवारी, गोलू दीक्षित व संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

पांच लोगों पर हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज (उन्नाव): गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के श्रीनगर मोहल्ले में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे बुरी तरह पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

श्रीनगर निवासी रमेश अवस्थी ने गंगाघाट कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनके बेटे विनय अवस्थी पर रविवार को मोहल्ले के ही जसवंत सिंह, विनीत सिंह, आदर्श निगम, चरन सिंह और अभिषेक ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया। आरोप है कि पहले से चली आ रही खुन्नस के चलते आरोपियों ने घात लगाकर विनय पर हमला किया और उसे बेरहमी से पीटा। हमले में गंभीर रूप से घायल विनय को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

अधिशासी अधिकारी ने सफाई प्रभारी समेत दो नायकों का वेतन रोका

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

▸▸ नाला सफाई में लापरवाही बरतने पर हुई कार्रवाई

अमृत विचार: मानसून से पूर्व नगर पालिका द्वारा कराई जा रही नाला सफाई में लापरवाही को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एडीएम (न्यायिक) के निर्देश पर अधिशासी अधिकारी ने सफाई प्रभारी आदित्य मिश्रा सहित दो सफाई नायकों का जून माह का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया है।

दरअसल, नगर पालिका परिषद द्वारा जून माह में राजमार्ग के दोनों ओर बने बड़े नाले और वार्डों की नालियों की सफाई के निर्देश दिए गए थे। सफाई कार्य रात के समय कराया गया, लेकिन कई जगहों पर खानापूरी कर काम निपटाया गया। इसकी शिकायत जिला प्रशासन तक पहुंची, जिस पर एडीएम (न्यायिक) ने जांच टीम गठित कराई। जांच में वार्ड 11 और वार्ड 27 में सफाई कार्य में लापरवाही की पुष्टि हुई। इस पर एडीएम ने सफाई व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ईओ मुकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि निर्देशों की अवहेलना और लापरवाही बरतने के आरोप में सफाई प्रभारी आदित्य मिश्रा, वार्ड 11 के सफाई नायक हरीलाल और वार्ड 27 के सफाई नायक रामबाबू का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया है। कर्मचारियों पर कार्रवाई से सफाई विभाग में हड़कंप मच गया है और अन्य कर्मचारियों को भी चेतावनी मिल गई है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर पांच घंटे तक सड़क जाम कर हंगामा करने वाले 71 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

फॉलोअप

▸▸ दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या किए जाने का मामला

अमृत विचार: औरास थानाक्षेत्र में 6 वर्षीय बच्ची की उसके पारिवारिक चाचा ने दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव माइनर में फेक दिया था। पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ में पकड़कर जेल भेजा था। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे तभी कुछ असामाजिक तत्वों ने परिजनों व ग्रामीणों को भड़काकर हंगामा किया था। इस दौरान करीब पांच घंटे सड़क जाम रही थी। सोमवार को पुलिस ने हंगामे के दोषियों को चिह्नित किया और 11 नामजद व 60 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

बता दें कि औरास थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी 6 वर्षीय बच्ची बीती गुरुवार शाम झोपड़ी में रहकर मवेशी ताक रहे बाबा को खाना देकर घर लौट रही थी। तभी गांव निवासी युवक रावेंद्र पुत्र रामचंद्र रास्ते में रोककर मोबाइल में वीडियो गेम खेलने का लालच देकर अपने साथ ले जाकर उससे दुष्कर्म किया था। बच्ची के चीखने पर युवक ने उसकी मुंह व दबाकर हत्या की और गांव से 500 मीटर आगे उसका शव अर्धनग्न हालत में माइनर में फेंककर भाग निकला था। शुक्रवार को शव उतराता देख परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की तो घटना में रावेंद्र का नाम प्रकाश में आया था। जिसे पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं शनिवार शाम बच्ची का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव लाया गया। परिजन गांव के बाहर उसका शव खेत में दफन करने को ले गए। उसे दफनाने की प्रक्रिया चल ही रही थी तभी कुछ लोगों ने परिजनों व ग्रामीणों को भड़का दिया और जबरन बिना अंतिम संस्कार किए शव लेकर लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पहुंच गए और मुआवजे व अन्य मांगों को लेकर जाम लगाकर हंगामा किया। सीओ व पुलिस अफसरों को उन्हें समझाने में घंटों लग गए थे। रविवार को पुलिस की मौजूदगी में बच्ची का अंतिम संस्कार हुआ था। सोमवार को पुलिस ने परिजनों को भड़काने वाले 11 नामजद व 60 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है। एसओ भुवन सिंह मौर्य ने बताया कि वीडियोग्राफी के दौरान चिह्नित हुए लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिनकी तलाश की जा रही है।

संसाधनों का अभाव विद्युत कर्मियों के पास नहीं हैं दस्ताने, झूला, सेफ्टीबेल्ट, हेलमेट, जूता व लाइफ जैकेट, हादसा होने पर परिजनों को नहीं मिलती सरकारी मदद

जान की बाजी लगाकर लोगों के घर रोशन कर रहे संविदा लाइनमैन

कार्यालय संवाददाता सफीपुर उन्नाव

पानी के बीच लगे पोल पर बिना सुरक्षा किट के फाल्ट ठीक करते संविदा कर्मी।

बिना सुरक्षा किट के फाल्ट ठीक करते संविदा कर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार: कहने को तो विद्युत विभाग कुछ भी कहे लेकिन इस समय उसके कर्मियों के पास प्राथमिक साधन भी उपलब्ध नहीं हैं। विभागीय अधिकारियों का आलम यह है कि न इसके लिये उनके पास स्पष्ट जवाब है और न ही वे इसे लेकर अपनी जिम्मेदारी समझ रहे हैं। इसके चलते विभाग में तैनात संविदा व आऊटसोर्सिंग कर्मचारी जान हथेली पर रखकर फाल्ट सही कर रहे हैं। ऐसे में हादसा होने पर परिजनों को सरकारी मदद तक नहीं मिलती।

बता दें कि कस्बा स्थित सब डिवीजन में संविदा व आउटसोर्सिंग से करीब 16 कर्मचारियों को नगर व 2 अन्य फीडरों की जिम्मेदारी दी गई है। बारिश में फाल्ट भी अधिक हो रहे हैं। लेकिन इन कर्मियों को विभाग की ओर से सुरक्षा किट व अन्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। बिना सुरक्षा उपकरण के इन्हें विद्युत पोल पर फाल्ट ठीक करने को चढ़ा दिया जाता है। ऐसे में यह कर्मचारी जान हथेली पर लेकर जिम्मेदारी निभा रहे हैं। लेकिन जरा सी चूक होने से अगर कोई हादसा हो जाता है तो इनके परिजनों को कोई सरकारी मदद नहीं मिलती है। सुरक्षा उपकरणों के अभाव में आएदिन संविदा व आउटसोर्सिंग कर्मचारी किसी न किसी हादसे के शिकार हो रहे हैं। जबकि, विभाग इन दिनों इन्हीं संविदा व आऊट सोर्सिंग कर्मियों के भरोसे ही चल रहा है। नियमानुसार पोल पर सिर्फ लाइनमैन ही चढ़ सकता है लेकिन, विभाग व कंपनी ठेकेदार संविदा कर्मियों को बिना सुरक्षा उपकरणों के पोल पर चढ़ा दे रहे हैं। वहीं, नियम यह हैं कि इन कर्मियों को रबर के दस्ताने, प्लास, पेंचकस, टेस्टर, झूला, सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, जूता दिया जाना अनिवार्य है। लेकिन, यह सुरक्षा के बिना ही 30 से 40 फिट ऊंचाई पर काम करने को मजबूर हैं।

दो महीने से कर्मियों को नहीं मिला वेतन

नौकरी से निकल जाने के डर और नाम न छापने की शर्त पर एक लाइनमैन ने बताया कि उनसे बेतहाशा काम लिया जाता है साथ ही समय पर वेतन भी नहीं मिलता। बीते 3 महीने से उनकी कंपनी ने उन्हें वेतन नहीं दिया है। जिसके लिए उन्होंने अधिकारियों से बात भी की परंतु नतीजा शून्य ही रहा है।

क्या बोले जिम्मेदार

एक्सईएन विद्युत बांगरमऊ राजनाथ यादव ने बताया कि सभी संसाधनों की व्यवस्था मध्यांचल विद्युत प्रखंड से की जाती है। अभी एक कंपनी को टेंडर हुआ है। कई डिवीजनों में आपूर्ति हो चुकी है। हमारे यहां आपूर्ति होना बाकी है। कंपनी को पत्र भेजकर अविलंब सुरक्षा किट उपलब्ध कराने को कहा गया है। वेतन भुगतान के बारे में कहा कि आउट सोर्सिंग कंपनी द्वारा सभी को समय पर वेतन दे दिया जाता है।

वित्तीय स्थिरता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा ने कहा- वैश्विक आर्थिक बदलाव से बढ़ती हैं चुनौतियां

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि मूल्य स्थिरता की तरह वित्तीय स्थिरता भी आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव नीतिगत हस्तक्षेप को चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं।

उन्होंने जून के लिए वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) की प्रस्तावना में कहा, वित्तीय क्षेत्र के नियामक ग्राहकों की सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे दक्षता और वृद्धि में सुधार तथा सुरक्षा और मजबूती के बीच सही संतुलन बनाते हैं। गवर्नर के अनुसार, कई संरचनात्मक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया रूप दे रहे हैं। इसमें व्यापार में बढ़ता विखंडन, प्रौद्योगिकी बदलाव, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं। उन्होंने कहा, ये आर्थिक आकलन को कठिन और नीतिगत हस्तक्षेप को चुनौतीपूर्ण बनाते हैं। इसलिए, अनिश्चितता के कोहरे से बाहर निकलने के दौरान भी केंद्रीय बैंकों और वित्तीय क्षेत्र के विनियामकों के लिए अपनी अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय प्रणालियों की सुरक्षा में सतर्क, विवेकपूर्ण और चुस्त बने रहना जरूरी है। मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में केंद्रीय बैंक की कोशिश एक अच्छी तरह से काम करने वाली वित्तीय प्रणाली विकसित करने की है, जो न केवल व्यापक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दे, बल्कि कुशलतापूर्वक वित्तीय सेवाएं भी प्रदान करे।

बैंक कर्ज वृद्धि धीमी पड़कर 4.9% पर

मुंबई। आरबीआई ने कहा कि 30 मई को समाप्त पखवाड़े में बैंक कर्ज वृद्धि में नरमी रही। उद्योग को बैंक कर्ज में 4.9% की वृद्धि हुई, जबकि गत वर्ष की इसी अवधि में यह 8.9% थी। आरबीआई ने 41 चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से प्राप्त सूचना के आधार पर मई, 2025 के लिए बैंक ऋण पर आंकड़े जारी किये हैं। यह कर्ज सभी वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए गए कुल गैर-खाद्य ऋण का 95% है। सालाना आधार पर, 30 मई, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक गैर-खाद्य बैंक ऋण में 9.8% की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि (31 मई, 2024) के दौरान इसमें 16.2% की वृद्धि हुई थी।

एनपीए कई दशक के निचले स्तर 2.3% पर

मुंबई। बैंकिंग प्रणाली की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) मार्च, 2025 में घटकर कई दशक के निचले स्तर 2.3% पर आ गई हैं। आरबीआई की सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार सितंबर 2024 में बैंकों का जीएनपीए 2.6% था। रिजर्व बैंक की अर्ध-वार्षिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा गया है कि 46 बैंकों के जीएनपीए मार्च, 2027 तक बढ़कर 2.6% पर पहुंच सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले दशक के उत्तरार्ध में बैंकिंग प्रणाली के लिए डूबा कर्ज सबसे बड़ी चुनौती रहा है। हालांकि, पिछले कुछ साल के दौरान मुख्य अनुपात के स्तर पर प्रणाली में लगातार सुधार हो रहा है।

वैश्विक वृद्धि का प्रमुख केंद्र बनी भारतीय अर्थव्यवस्था

मुंबई। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और विवेकपूर्ण नीतियों से वैश्विक वृद्धि का केंद्र बनी हुई है। आरबीआई ने कहा कि बढ़ी हुई आर्थिक और व्यापार नीति अनिश्चितताएं वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली की मजबूती की परीक्षा ले रही हैं। वित्तीय बाजार अस्थिर हैं, विशेष रूप से सरकारी बॉण्ड बाजार। ऐसा बदलती नीतियों और भू-राजनीतिक वातावरण के चलते है। बढ़ते सार्वजनिक ऋण स्तर और उच्च परिसंपत्ति मूल्यांकन जैसी मौजूदा कमजोरियों में नए झटकों को बढ़ाने की क्षमता है।

एग्रीकल्चरल कमोडिटी : निवेश का बेहतर विकल्प

कमोडिटी बाजार में कृषि उत्पादों (एग्रीकल्चरल कमोडिटीज) का महत्वपूर्ण स्थान है। इनमें गेहूं, चावल, कपास, गन्ना, मक्का, दालें, सरसों, कॉफी जैसी वस्तुएं आती हैं। निवेशक इनमें फ्यूचर्स और स्पॉट मार्केट से निवेश कर सकते हैं। कृषि कमोडिटी में निवेश से महंगाई के खिलाफ हेजिंग मिलती है, लेकिन यह मौसम, सरकारी नीतियों और वैश्विक मांग-आपूर्ति से प्रभावित होती है। यह किसानों से लेकर निवेशकों तक को आय का साधन देता है।

क्या हैं कृषि उत्पाद

कृषि उत्पाद वे वस्तुएं हैं जो खेती से प्राप्त होती हैं, इनमे गेहूं, चावल, दालें, तिलहन, गन्ना, कपास, मसाले, चाय और कॉफी। ये खाद्य सुरक्षा व औद्योगिक उपयोग दोनों में अहम भूमिका निभाते हैं।

कैसे करें निवेश

भारत में एनसीडीईएक्स (नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज) जैसे प्लेटफार्म पर कृषि कमोडिटीज का व्यापार होता है। निवेशक दो प्रकार से इसमें भाग ले सकते हैं। **स्पॉट मार्केट :** जहां वस्तु का तात्कालिक लेनदेन होता है। **फ्यूचर्स मार्केट :** जहां भविष्य की तारीख के लिए अनुबंध किया जाता है। डिमैट खाता व कमोडिटी ट्रेडिंग खाता खोलना। एक्सचेंज द्वारा सूचीबद्ध कृषि उत्पादों की जानकारी लेना। मौसम, फसल की रिपोर्ट, सरकारी नीति, आयात-निर्यात और वैश्विक मांग पर नजर रखना।

निवेश के लाभ

- **विविधता :** पोर्टफोलियो में विविधता लाने का अवसर।
- **हेजिंग टूल :** मुद्रास्फीति के प्रभाव को संतुलित करता है।
- **सीजनल :** मौसम के आधार पर मूल्य में वृद्धि की संभावना।
- **लिक्विडिटी :** कमोडिटी में ट्रेडिंग वॉल्यूम अच्छा होता है।

जोखिम पर दें ध्यान

- **मौसमी अनिश्चितता :** वर्षा, सूखा या बाढ़ का प्रभाव।
- **सरकारी हस्तक्षेप :** एमएसपी, आयात-निर्यात नीति।
- **अस्थिरता :** वैश्विक बाजार के प्रभाव से गिरावट या तेजी।
- **भंडारण-डिलीवरी की चुनौतियां :** विशेषकर स्पॉट ट्रेडिंग में।

थमी तेजी, सेंसेक्स में 452 अंक की गिरावट

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में चार कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर सोमवार को विराम लगा और दोनों सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 452 अंक लुढ़का, जबकि निफ्टी में 121 अंक की गिरावट आई। मुख्य रूप से बैंक शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन और बजाज फिनसर्व शामिल हैं। बीएसई स्मॉलकैप 0.81 तो मिडकैप 0.67% की मजबूती रही।

मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, पिछले सप्ताह मजबूत वैश्विक संकेतों और घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीद से बाजार में तेजी थी। हालांकि, मुनाफावसूली से मानक सूचकांकों में गिरावट आई। निवेशकों का ध्यान अमेरिका सरकार के साथ व्यापार समझौते पर होगा, क्योंकि इसकी अंतिम तिथि पास आ रही है। भारत को अभी समझौते को अंतिम रूप देना बाकी है...। हालांकि, उतार-चढ़ाव बना रहेगा, लेकिन भारत की मजबूत वृद्धि संभावनाएं गिरावट पर अंकुश लगा सकती है।'' इससे पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 2,162.11 अंक यानी 2.64 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 665.9 अंक यानी 2.66 प्रतिशत चढ़ा था।

राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 0.8% रहा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-मई की अवधि में देश का राजकोषीय घाटा वार्षिक अनुमान का 0.8% रहा। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

गत वित्त वर्ष 2024-25 के पहले दो महीनों में राजकोषीय घाटा या सरकार के व्यय एवं राजस्व के बीच का अंतर 2024-25 के बजट अनुमान (बीई) का 3.1% था। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार का अनुमान है कि राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4% या 15.69 लाख करोड़ रहेगा। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के अनुसार, अप्रैल-मई, 2025 के दौरान राजकोषीय घाटा 13,163 करोड़ रुपये या बजट अनुमान का 0.8% रहा। शुद्ध कर राजस्व 3.5 लाख करोड़ या बजट अनुमान 2025-26 का 12.4% दर्ज किया गया। पिछले साल इसी अवधि में यह बजट अनुमान का 12.3% था।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 9 माह के निचले स्तर 1.2% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

● औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के अनुसार वृद्धि दर 2024 के मई में 6.3% थी

विनिर्माण, खनन व बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से देश में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मई में नौ महीने के निचले स्तर 1.2% पर रही है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के अनुसार वृद्धि दर 2024 के मई माह में 6.3% थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अप्रैल के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि को भी संशोधित कर 2.6% कर दिया है, जबकि पहले इसके 2.7% रहने का अनुमान था। अगस्त, 2024 में आईआईपी में सबसे कम वृद्धि दर्ज हुई थी। उस समय वृद्धि दर स्थिर थी। एनएसओ के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि इस साल मई में घटकर 2.6% रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.1% थी। वहीं खनन उत्पादन में 0.1% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 6.6% की वृद्धि हुई थी। बिजली उत्पादन में 5.8% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में बिजली उत्पादन 13.7% बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025-26 में पहले दो माह (अप्रैल-मई) के दौरान औद्योगिक उत्पादन में सालाना आधार पर 1.8% की वृद्धि हुई है जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 5.7% थी।

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, मानसून के जल्दी आने से खनन क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं और बिजली की मांग में कमी आई है। इस वजह से आईआईपी के इन दोनों उप-क्षेत्रों में मई में गिरावट आई है, जबकि विनिर्माण में वृद्धि धीमी रही है। जून तिमाही के पहले दो महीनों में औद्योगिक उत्पादन में धीमी वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में औद्योगिक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

राष्ट्रीय

एक नजर

अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 60 किलो हेरोइन बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने सोमवार को राजस्थान के बाड़मेर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ कर 60 किलो से अधिक हेरोइन बरामद की। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव बताया कि इस मामले में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू कश्मीर से कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सीएम के काफिले में अन्य वाहन का प्रवेश, 5 गिरफ्तार

कोझिकोड (केरल)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के काफिले में एक वाहन के घूसने के बाद 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना एलथुर के पास रविवार सुबह सवा 10 बजे हुई जब मुख्यमंत्री सरकारी अतिथि गृह जा रहे थे। पुलिस ने वाहन से एक वॉकी-टॉकी भी जब्त की। वाहन पर कोई नंबर प्लेट नहीं था। वाहन को तीन बार काफिले से दूर रहने की चेतावनी दी गई लेकिन इसके बावजूद वाहन उच्च सुरक्षा काफिले में घूसा गया। अधिकारियों ने वेस्ट हिल चुंगम में वाहन को रोका और वाहन में मौजूद पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

जेएनयू के लापता छात्र का मामला होगा बंद

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने सीबीआई को जवाहरलाल नेहरू विवि (जेएनयू) के प्रथम वर्ष के छात्र नजीब अहमद की गुमशुदगी मामले को बंद करने की सोमवार को अनुमति दे दी। वह 15 अक्टूबर 2016 को लापता हो गया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योति माहेश्वरी ने एजेंसी की 'क्लोजर रिपोर्ट' को स्वीकार कर लिया।

नमाजवाद छिपाने को लिया समाजवाद की आड़

भाजपा ने विपक्षी दलों पर संविधान को शरिया की स्क्रिप्ट में बदलने की कोशिश का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

● सुधांशु त्रिवेदी ने की वक्फ कानून पर तेजस्वी के रुख की आलोचना
● बिहार में इंडिया गठबंधन ने संविधान के प्रति अपने सम्मान की कमी को दर्शाया

भाजपा ने सोमवार को विपक्षी दलों पर संविधान को शरिया की स्क्रिप्ट में बदलने और अपने नमाजवाद को छिपाने के लिए समाजवाद की आड़ लेने का आरोप लगाया। भाजपा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव की भी उनकी उस टिप्पणी के लिए आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उनका गठबंधन बिहार में सत्ता में आता है, तो संशोधित वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देगा।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि बिहार में राजद-कांग्रेस-वाम दलों के इंडिया गठबंधन ने संविधान के प्रति अपने सम्मान की कमी को दर्शाया है, क्योंकि यह अधिनियम संसद द्वारा पारित था और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। वे ना तो संसद का सम्मान करते हैं और ना ही न्यायपालिका का। भाजपा प्रवक्ता ने निर्वाचन आयोग के मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा पर विपक्ष की आलोचना को खारिज कर दिया, जिसकी शुरुआत बिहार से हुई है। उन्होंने कहा कि यह आलोचना उनकी अपरिहार्य हार के मद्देनजर उनकी पराजयवादी मानसिकता से उपजी है। ये दल फर्जी मतदाता चाहते हैं, जबकि यह तय करना जरूरी है कि केवल पात्र भारतीय ही सरकार चुन सकें।

आयोग ने कहा है कि यह नियमित प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य पात्र मतदाताओं को ही सूची में शामिल करना है। विपक्षी दलों ने दावा किया है कि आयोग जानबूझकर पात्र मतदाताओं को बाहर कर सकता है। बिहार में विस चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है। पटना में आयोजित रैली में वक्फ (संशोधन) अधिनियम की तीखी आलोचना पर विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है।

शरिया प्रावधानों को लागू करना चाहता है विपक्ष

त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन पिछले दरवाजे से शरिया प्रावधानों को लागू करना चाहता है। तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य ओबीसी, एससी और एसटी के लिए आरक्षण मुसलमानों को दे रहे हैं और प. बंगाल भी इसकी कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, संविधान बचाओ इन दलों का महज दिखावा है, क्योंकि इनका असली चेहरा शरिया लाओ है। अगर वे सत्ता में आए, तो संविधान की प्रस्तावना में नमाजवाद जोड़ देंगे। वे संविधान को शरिया स्क्रिप्ट में बदलना चाहते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संविधान के प्रावधान को कूड़ेदान में नहीं फेंकने देगा। उन्होंने कहा कि वे जिन शरिया प्रावधानों की वकालत कर रहे हैं, वे सऊदी अरब, पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्की जैसे इस्लामी देशों में भी लागू नहीं हैं।

बोधगया मंदिर अधिनियम पर सुनवाई से शीर्ष इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को संबंधित हाईकोर्ट का रुख करने को कहा। बिहार के बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है। यह भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े चार पवित्र क्षेत्रों में से एक है।

बोधगया मंदिर अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष पेश हुई। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से याचिका में उठाए मुद्दे पर पूछा। वकील ने कहा, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि बोधगया मंदिर अधिनियम को अवैध बताते हुए रद्द किया जाए। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को संबंधित हाईकोर्ट जाना चाहिए। आप ये मामला हाईकोर्ट के समक्ष क्यों नहीं उठाते? न्यायालय ने कहा, हम संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं।

ललित मोदी की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने फेमा के उल्लंघन के लिए ईडी द्वारा उन ऊपर लगाया गया 10.65 करोड़ का जुर्माना बीसीसीआई को अदा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ याचिका खारिज की। गत 19 दिसंबर को मुंबई हाईकोर्ट ने ललित मोदी पर 1 लाख का जुर्माना लगाते हुए उनकी वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन पर ईडी द्वारा लगाए जुर्माने का भुगतान बीसीसीआई को करने का आदेश देने का अनुरोध किया था।

संविधान का एक शब्द भी छुआ गया तो हम पूरी ताकत से लड़ेंगे : खरगे

बेंगलुरु, एजेंसी

● कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा संबंधी होसबाले के आह्वान पर की टिप्पणी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि अगर संविधान में किसी एक शब्द को भी छुआ गया तो इसके खिलाफ उनकी पार्टी पूरी ताकत से लड़ेगी। उन्होंने प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने संबंधी आरएसएस के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के आह्वान पर यह टिप्पणी की।

बेंगलुरु स्थित आवास पर खरगे ने दावा किया कि होसबाले मनुस्मृति को मानने वाले हैं। वह नहीं चाहते कि गरीब आगे आएं। जो हजारों साल पहले होता था, वह उसी व्यवस्था को जारी रखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पसंद नहीं है। खरगे के मुताबिक, ये सिर्फ होसबाले का मत नहीं है, बल्कि आरएसएस का मत है। उन्होंने आरोप लगाया, आरएसएस गरीबों, दलितों और और अन्य समुदायों के खिलाफ है। यदि उन्हें इतनी ही रुचि है, तो वे अस्पृश्यता को हटा सकते थे।

गुलजार हो रही घाटी

डोडा जिले में पहलगाम हमले के बाद बंद भद्रवाह-चंबा अंतर्राज्यीय सड़क के दोबारा खुलने के बाद यहां पर्यटन फिर से गुलजार होने लगा है। सुरक्षाबलों की निगरानी में पर्यटक यहां की वादियों का आनंद लेते नजर आए। एजेंसी

राजा के परिवार ने सोनम को दिए थे 16 लाख के जेवरात

इंदौर (मप्र)। हनीमून हत्याकांड मामले में राजा रघुवंशी के बड़े भाई ने सोमवार को कहा कि सोनम को उनके परिवार ने विवाह के दौरान 16 लाख के जेवरात तोहफे में दिए थे। राजा रघुवंशी के बड़े भाई विपिन ने यह दावा मेघालय पुलिस द्वारा मध्यप्रदेश के रतलाम से रविवार को अहम सबूत के तौर पर कुछ जेवरात, लैपटॉप और अन्य सामग्री बरामद होने के अगले दिन किया। ये सामान हत्याकांड के सबूत छिपाने और मिटाने के आरोप में गिरफ्तार इंदौर के रियल एस्टेट कारोबारी शिलोम जेम्स की निशानदेही पर उसकी पत्नी के मायके से बरामद हुआ। बरामदगी के अगले दिन विपिन इंदौर पुलिस की अपराध निरोधक शाखा के दफ्तर में दिखाई दिए जहां जांच के लिए मेघालय पुलिस के दल ने डेरा डाल रखा है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड

सीबीआई जांच को जनहित याचिका दायर

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता हाईकोर्ट में सोमवार को जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करके विधि छात्रा से उसके महाविद्यालय में पूर्व छात्र और दो अन्य छात्रों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म की सीबीआई जांच कराने का अनुरोध किया गया। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि पीड़िता की शिकायत पर सीबीआई को इसकी जांच करने और अदालत के समक्ष अंतरिम रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया जाए। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा के राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी से संबंध हैं, निष्पक्ष जांच के लिए इसे सीबीआई को सौंपा जाए।

विधि छात्रा के सामूहिक दुष्कर्म का मामला

पहले रची साजिश, पीड़िता पर थी नजर

विधि छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म में गिरफ्तार चार लोगों में से तीन ने इसकी साजिश पहले ही रची थी। जांच कर रहे नौ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने यह भी पाया कि तीन आरोपियों - मनोजीत मिश्रा, प्रोमित मुखर्जी और जैद अहमद का छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने का इतिहास रहा है। चौथा आरोपी कॉलेज का सुरक्षा गार्ड है। तीनों ऐसी घटनाओं को मोबाइल फोन से रिकॉर्ड करते थे और बाद में पीड़ितों को ब्लैकमेल करते थे। घटना की पहले से ही साजिश रच ली गई थी। तीनों की कई दिनों से पीड़िता पर नजर थी। कॉलेज में दाखिले के दिन से ही मुख्य आरोपी पीड़िता पर नजर रख रहा था।

लॉ कॉलेज में कक्षाएं अनिश्चितकाल के लिए निलंबित

साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में छात्रा से दुष्कर्म किए जाने के बाद कॉलेज के प्राधिकारियों ने सभी छात्रों के लिए अनिश्चितकाल तक कक्षाएं निलंबित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय कॉलेज के संचालन निकाय ने लिया है। कॉलेज प्राधिकारियों द्वारा 29 जून को जारी अधिसूचना में कहा गया है, कॉलेज की बीए एलएलबी और एलएलएम (सामान्य और ऑनर्स) की सभी कक्षाएं निलंबित रहेंगी।

भगदड़ के एक दिन बाद पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

पुरी (ओडिशा)। पुरी के श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ में 3 लोगों की मौत और 50 के घायल होने के एक दिन बाद सोमवार को हजारों श्रद्धालु बलभद्र, सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन को उमड़ पड़े।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रविवार की घटना के मद्देनजर श्री गुंडिचा मंदिर के सामने अवरोधक लगा दिए गए हैं और मंदिर के अंदर स्थित अडापा मंडप (वह मंच जहां देवता बैठते हैं) में देवताओं के सुचारू दर्शन के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई हैं। मंदिर प्रशासन ने बताया कि श्री गुंडिचा मंदिर में देवताओं के प्रवेश के बाद कई अनुष्ठानों से सोमवार रात को पाहुड़ा (देवताओं के विश्राम के लिए मंदिर के द्वार बंद करना) नहीं किया गया। मंदिर के अधिकारी ने बताया, सोमवार को सुबह 7.40 बजे मंगल आरती हुई और हजारों श्रद्धालुओं ने बिना किसी परेशानी के अनुष्ठान में भाग लिया।

शिमला में 5 मंजिला इमारत ढही, कई जगहों पर भूस्खलन

शिमला, एजेंसी

मानसून का कहर

शिमला के भट्टा कुफर में भारी बारिश के बाद ढह गए बहुमंजिला इमारत का मलबा।

हिमाचल प्रदेश में मानसून के सक्रिय रहने से सोमवार को भारी बारिश से नुकसान की कई घटनाएं हुईं। शिमला में एक पांच मंजिला इमारत ढह गई, जबकि रामपुर में बादल फटने से कई मवेशी बह गए। कई इलाकों में भूस्खलन और रास्तों के बंद होने से आम जनजीवन प्रभावित हुआ।

सोमवार सुबह शिमला के उपनगरीय क्षेत्र भट्टाकुफर में पांच मंजिला इमारत ढह गई, वहीं रामपुर के सिकासेरी गांव में बादल फटने से एक बाड़े से कई मवेशी बह गए। चमियाना सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रास्ते पर स्थित माथू कॉलोनी की इमारत ढह गई। जिला प्रशासन ने खतरे को भांपते हुए इमारत खाली करा ली थी। पास की दो अन्य इमारतों पर भी खतरा बना है। इमारत की मालकिन रंजना वर्मा ने बताया, शनिवार की बारिश के बाद जमीन खिसक रही थी, इसलिए हमने रविवार रात को ही इमारत खाली कर दी थी। सोमवार सुबह सवा आठ बजे इमारत ढह गई। पास में बन रही चार लेन वाली सड़क के निर्माण से इमारत कमजोर हो गई थी, लेकिन उसकी सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया।

चमियाना ग्राम पंचायत के उपप्रधान यशपाल वर्मा के अनुसार भवन में दरारें आ गई थीं, लेकिन कैथलीघाट-ढली चार लेन वाली सड़क का निर्माण कर रही कंपनी के अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि भवन सुरक्षित है। वर्मा ने बताया कि पंचायत ने कंपनी को काम रोकने के लिए कहा था क्योंकि इससे इमारतें असुरक्षित हो रही थीं। इस बीच, रामपुर के सरपारा ग्राम पंचायत के सिकासेरी गांव में बादल फटने से दो गौशालाएं, तीन गायें और दो बछड़े, एक रसोई और एक कमरा बह गया।

एक नजर

इंग्लैंड के एजबेस्टन में गेंदबाजी का अभ्यास करते मोहम्मद सिराज। ● एजेंसी

रॉकेट क्लासिक गोल्फ में संयुक्त 26वें स्थान पर रहे भाटिया

डेट्रॉयट : अक्षय भाटिया ने पीजीए टूर पर रॉकेट क्लासिक गोल्फ के चौथे दौर के आखिरी 12 होल में नौ बर्डी लगाकर सात अंडर 65 का शानदार कार्ड खेला। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी भाटिया तीसरे दौर के बाद संयुक्त 55 वें पायदान पर थे लेकिन आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन के बूते उन्होंने अपना अभियान संयुक्त 26वें स्थान के साथ खत्म किया। उनका कुल स्कोर 15 अंडर का रहा। भाटिया ने तीसरे और पांचवें होल में बोगी किया लेकिन फिर सातवें से 10वें होल और 12वें से 15 वें होल तक दो बार लगातार चार बर्डी के साथ शानदार वापसी की।उन्होंने 18वें होल में भी बर्डी लगा कर शुरुआती तीन दौर के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोडा। भाटिया ने शुरुआती तीन दौर में 68, 70, 70 के कार्ड खेले थे।

स्टीव स्मिथ दूसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा) : ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपने दाएं हाथ की छोटी उंगली पर लगी चोट से उबरने के लिए बेसबॉल का सहारा लिया और अब वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। स्मिथ को इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान पहली स्लिप में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा का मुश्किल कैच लेने की कोशिश करते समय दाहिने हाथ की छोटी उंगली में चोट लग गई थी। इस 36 वर्षीय पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने अपने घाव को साफ करने, टांके लगाने और उंगली में पट्टी लगाने के बाद तुरंत लंदन छोड़ दिया। चोट के अपने आप ठीक होने का इंतजार करने के बजाय उन्होंने न्यूयॉर्क में ''बेसबॉल केज'' में जाने का फैसला किया, जहां उनका एक अपार्टमेंट है। चोट के कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 159 रन जीता था।

दुबई में आयोजित की जाएगी पहली विश्व सुपर कबड्डी लीग

नयी दिल्ली : पहली विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) अगले साल फरवरी मार्च में दुबई में आयोजित की जाएगी जिसमें 30 देश भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) से मान्यता हासिल है। यह फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता है जिसमें भारत सहित दुनिया भर के खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे। लीग का संचालन करने वाली एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और संस्थापक संभव जैन ने कहा कबड्डी न केवल भारत के लिए बल्कि वैश्विक खेल समुदाय के लिए एक बड़े मंच का हकदार रहा है। लीग में कुल आठ फ्रेंचाइजी टीम हिस्सा लेंगी। भारत सहित दक्षिण कोरिया, ईरान, थाईलैंड, पाकिस्तान, मलेशिया, जापान, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों ने इसमें खेलने की पुष्टि कर दी है।

छह वर्षीय तेगबीर सिंह ने यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की

रूपनगर : पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोह बन गया है। उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है और यहां का सामान्य तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है।

बुमराह पर फैसला 24 घंटे में, दो स्पिनरों के खेलने की संभावना

भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे ने टीम की रणनीति पर प्रकाश डाला

बर्मिंघम, एजेंसी

भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने को लेकर अगले 24 घंटों में फैसला लिया जाएगा लेकिन भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे को पूरा यकीन है कि उनकी टीम एजबेस्टन में दो स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरेगी। कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करने की मांग बढ़ रही है लेकिन बल्लेबाजी की गहराई बनाए रखने के लिए रविंद्र जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर भी एकादश में जगह बनाने की दौड़ में है।

तीनों स्पिनरों ने किया अभ्यास : भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में सोमवार को तीनों स्पिनरों ने गेंदबाजी की। बुमराह चोटिल होने से बचने के लिए इस श्रृंखला में पांच में से तीन टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने अभ्यास सत्र की शुरुआत में दो रंग की गेंद (लाल और सफेद) से गेंदबाज की और फिर फिर सत्र के आखिरी क्षणों में 'ड्यूक' गेंद से गेंदबाजी की। उन्होंने लगभग तीन ओवर गेंदबाजी की जबकि उनके साथी खिलाड़ी मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शुरू में काफी गेंदबाजी की।

बुमराह को लेकर दुविधा : भारतीय टीम श्रृंखला को 0-1 से पिछड़ने के बाद बुमराह के तीन टेस्ट मैचों के चयन को लेकर दुविधा में है। डोइशे ने कहा वह जाहिर तौर पर चयन के लिए उपलब्ध है। हम शुरू से जानते हैं कि वह पांच में से सिर्फ तीन मैच खेलेगा। उसे पिछले टेस्ट से उबरने के लिए आठ दिन मिले हैं। उन्होंने कहा हमें यह तय करना है कि मौजूदा परिस्थितियों, कार्यभार और अगले चार मैचों के लिए हम उसे कैसे बेहतर तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं, इस पर हमने अभी कोई फैसला नहीं लिया है। हम यह भी देखेंगे कि अन्य खिलाड़ियों का कार्यभार कैसा है। उन्होंने कहा हमें अगर लगा कि उसे इस टेस्ट में खिलाने में फायदा है, तो हम आखिरी मिनट में यह फैसला लेंगे।

मौसम, पिच और परिस्थितियों पर निर्भर होंगे फैसले : सहायक कोच ने कहा मौसम, पिच और परिस्थितियों के आकलन को देखकर फैसला दिया जाएगा। हमें यह भी तय करना है कि क्या उसे लॉर्ड्स और शायद मैनचेस्टर या ओवल के लिए बचाना बेहतर होगा? इससे जुड़े फैसले के पीछे बहुत सारे कारक है। भारतीय टीम के सीरीज में पिछड़ने के बाद बुमराह को टीम में शामिल करने बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहायह लुभावना तो है, लेकिन हमें यह भी लगता है कि हम जसप्रीत के बिना भी सीरीज को 1-1 कर सकते हैं या इसे 0-1 पर बरकरार रख सकते हैं।

दो स्पिनर को लेकर मंथन : भारत को श्रृंखला के पहले मैच में दूसरे स्पिनर की कमी महसूस की और डोइशे ने कहा कि टीम बुधवार से शुरू होने वाले मैच के लिए अपनी रणनीति बदलने की संभावना है। डोइशे ने कहा कि इस टेस्ट में टीम में दो मुख्य स्पिनर शामिल हो सकते हैं। बस यह देखना है कि हम कौन से दो स्पिनर खिलाते हैं। यह बल्लेबाजी में अधिक विकल्प शामिल करने से भी जुड़ा हुआ है। तीनों स्पिनर बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

ईसीबी ने ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया : फारुख इंजीनियर

बर्मिंघम : दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी के करीबी मित्र फारुख इंजीनियर ने कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला की ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया तथा इस पूर्व कप्तान के नाम पर पदक देने का फैसला उनके जैसे प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के लिए पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत की थी, पर पांच मैचों की वर्तमान सीरीज शुरू होने से पहले इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले की सुनील गावस्कर जैसे क्रिकेटरों ने आलोचना की थी। इंजीनियर भी इस फैसले से निराश हैं। हालांकि उन्हें लगता है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियां निर्विवाद हैं। तेंदुलकर ने ईसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद बोर्ड ने सीरीज जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया।

इंग्लैंड में अभ्यास सत्र के केएल राहुल, जसप्रीत बुमार और रवींद्र जडेजा (बाएं से)। ● एजेंसी

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की तैयारी में एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया। ● एजेंसी

इंग्लैंड एकादश में कोई बदलाव नहीं, आर्चर का इंतजार बढ़ा

बर्मिंघम : भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने अपनी अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं किया है, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण सोमवार को एजबेस्टन में टीम की अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बने। दायें हाथ का यह तेज गेंदबाज पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं था। उन्हें अब एकादश का हिस्सा बनने के लिए इंतजार करना होगा।

इंग्लैंड की टीम : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्राइडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी : चैपल

● कुलदीप और अर्शदीप को चुनने की सलाह दी

लंदन, एजेंसी : आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को गेंदबाजी आक्रमण में विविधता के अभाव का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कुलदीप यादव को शेन वॉर्न के बाद सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर करार देते हुए उन्हें और अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की सलाह दी। भारत को पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में आठ कैच टपकाये।

चैपल ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' के लिए अपने कॉलम में लिखा हेडिंग्ले में फील्डिंग बहुत निराशाजनक थी, लेकिन हार का यह अहम कारण नहीं था। भारत ने अपनी परेशानियां खुद खड़ी की थी। सबसे बड़ी गलती तो वह नो बॉल थी जिससे दूसरी पारी की शुरुआत में ही हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के सामने समस्या यह भी थी कि उसके दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर लगभग एक से ही थे। उन्होंने कहा भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में विविधता का अभाव था। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी तेज गेंदबाज एक जैसे ही थे। गेंदबाजी में बदलाव के तुरंत बाद विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है, पर भारतीय टीम के पास यह विकल्प नहीं था। बुमराह की गैर मौजूदगी में अर्शदीप सिंह को जगह मिलनी चाहिए।

आयुष ने जीता पहला वर्ल्ड टूर यूएस ओपन खिताब

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी

उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व टूर खिताब जीता। आयुष की इस जीत ने मौजूदा सत्र में विश्व टूर पर भारत के खिताबी सूखे को खत्म किया।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष ने रविवार को तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एक शानदार सप्ताह का समापन किया जिसमें सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक यादगार जीत भी शामिल है। यांग के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी कनाडा के इस खिलाड़ी को दो बार हराया था।

तन्वी को फाइनल में मिली शिकस्त

महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं। उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। तन्वी ने कहा मैं अपने प्रदर्शन से काफी खुश हूं। मैं फाइनल के लिए कोर्ट में आने से पहले थोड़ी घबराई हुई थी और मैंने कई गलतियां की। यह सुपर 300 स्तर पर मेरा पहला फाइनल था, मैं इसे लेकर संतुष्ट हूं।

मेदवेदेव विंबलडन के पहले दौर में हुए उलटफेर का शिकार

लंदन : नौवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव सोमवार को विंबलडन के शुरुआती दौर में 64वीं रैंकिंग वाले बेंजामिन बोंजी से 7-6 (2), 3-6, 7-6 (3), 6-2 से हार के साथ उलटफेर का शिकार बने। पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले मेदवेदेव लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। रूस का यह खिलाड़ी इससे पहले फ्रेंच ओपन में भी पहले दौर से बाहर हो गया था। उन्हें साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दूसरे दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। मेदवेदेव इस साल पेरिस में कैमरून नॉरी से पांच सेट के मैच में हार गये थे। वह 2023 में फ्रेंच ओपन की पहली बाधा पार करने में नाकाम रहे थे।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी महिला टीम

ब्रिस्टल, एजेंसी

● नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की वापसी की उम्मीद

● स्मृति मंधाना के स्ट्रोक्स से इंग्लैंड के खेमे में चिंता की लकीरें

पहले मैच में बड़ी जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम मंगलवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की शानदार फॉर्म और कप्तान हरमनप्रीत कौर की संभावित वापसी का पूरा फायदा उठाकर अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था। मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई। यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया। भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए। पिछले साल टी-20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं।

हरमनप्रीत कौर।

समय : रात 11:00 बजे से

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी, राधा यादव।

इंग्लैंड : नताली साइवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट (विकेट कीपर), सोफिया डंकले, एमी जोन्स (विकेट कीपर), डैनी व्याट-हॉज, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, पैगे शॉल्फिल्ड, एम अर्लट, लॉरेन बेल, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, लिन्सी स्मिथ, इसी वोंग।

सचिन जैसी 'सुपरपावर' चाहते हैं भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना ठंडे दिमाग से करने के लिये महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जैसी 'सुपरपावर' पाना चाहते हैं। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्ष के चोपड़ा ने यह भी कहा कि ह धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहे हैं जब उनके दिग्गज कोच जान जेलेंजी ने उन्हें भाला फेंकने से पहले 18 बरस के युवक की तरह किसी तनाव के बिना दौड़ने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि अब तक मैदान से भीतर और बाहर उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह चेक कोच जेलेंजी से मिली है जिनके नाम 98 . 48 मीटर का भालाफेंक का विश्व रिकॉर्ड है। चोपड़ा ने 'स्टार स्पोटर्स' और 'जियो हॉटस्टार' से कहा जब भी मैं थ्रो फेंकता हूं तो मैं काफी ऊर्जावान रहता है लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि मुझे प्रवाह के साथ दौड़ना है। मुझे 18 वर्ष के लड़के की तरह बिना किसी तनाव के दौड़ना है। मैं धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहा हूं। उन्होंने कहा किसी भी खेल में प्रवाह महत्वपूर्ण है। मसलन रोजर फेडरर इतनी गरिमा और लय के साथ खेलते हैं कि पता ही नहीं चलता कि वह इतना प्रयास कर रहे हैं। मैं अपने अभ्यास में वही उतारना चाहता हूं। यह पूछने पर कि वह किस क्रिकेटर की सुपरपावर भालाफेंक में उतारना चाहेंगे। चोपड़ा ने कहा सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने साल तक इतने शानदार तरीके से देश का प्रतिनिधित्व किया। इतने महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना करके भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा मैं वही सुपरपावर लेना चाहूंगा और वैसे ही खेलना चाहूंगा। इससे मुझे शांत रहकर चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

मुक्केबाज ने लगाया महिला कोच पर यौन उत्पीड़न का आरोप

नयी दिल्ली, एजेंसी

● बार-बार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के कारण अवसाद में चली गई है जूनियर मुक्केबाज, माता-पिता ने दर्ज कराई एफआईआर

रोहतक पुलिस स्टेशन में एफआईआर में दर्ज पीड़िता का दर्द

रोहतक पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता ने कहा है कि कोच ने एक बार जबरन उसके कपड़े उतारने की कोशिश की, उसे कई बार थप्पड़ मारे, उसका करियर बर्बाद करने की धमकी दी और अन्य मुक्केबाजों के सामने उसे 'बुरे चरित्र वाली' कहा, जिससे वह अलग-थलग पड़ गई। कोच के खिलाफ शिकायत भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (जान बूझकर से चोट पहुंचाना) और 351(3) (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम की धारा 10 (गंभीर यौन उत्पीड़न) के तहत दर्ज की गई है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के रोहतक केंद्र की राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी (एनबीए) की महिला कोच पर राष्ट्रीय स्तर की नाबालिग मुक्केबाज ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। नाबालिग के माता-पिता द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी (एफआईआर) के अनुसार बार-बार 'मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न' के कारण वह अवसाद में चली गई है।

इस से जुड़ी प्राथमिकी की प्रति होने के बावजूद 'पीटीआई-भाषा' आरोपी का नाम सार्वजनिक नहीं कर रहा है क्योंकि मामले की जांच चल रही है। इस मामले में भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) से जब टिप्पणी के लिए संपर्क किया गया तो उन्होंने 17 वर्षीय पीड़िता द्वारा डराने-धमकाने और थप्पड़ मारने की घटनाओं के बारे में शिकायत

मिलने की बात स्वीकार की, लेकिन एफआईआर में लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बारे में उन्हें सूचित किए जाने से इनकार किया। दोनों संस्थाओं ने कहा कि उनकी आंतरिक जांच में कोच के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला। यह कोच इस समय जूनियर और युवा मुक्केबाजों के लिए राष्ट्रीय शिविर के संचालन में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। साइ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच में सहायता करेगा। साइ के क्षेत्रीय केंद्र (सोनीपत) ने इस बारे में 'पीटीआई' के सवाल पर कहा अभी तक हमें किसी प्राथमिकी की प्रति नहीं मिली है। एनबीए रोहतक की एक महिला मुक्केबाज ने 24 अप्रैल 2025 को ई-मेल कर एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने आयरलैंड में 25 मार्च 2025 से तीन अप्रैल 2025 तक आयोजित आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दौरान एक महिला कोच द्वारा मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उस शिकायत में यौन उत्पीड़न का कोई आरोप नहीं लगाया गया था। उन्होंने कहा, मामले की एक विस्तृत जांच की गई जिसमें शिकायतकर्ता, संबंधित कोच, सभी साथी कोच, वहां मौजूद कर्मचारियों और साथी खिलाड़ियों के बयान लिए गए। उन्होंने कहा साइ स्वच्छ खेल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्राथमिकी के आधार पर किसी भी समय जांच के दौरान सहयोग के लिए तैयार रहेगा।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी चार दिन की भूटान यात्रा पर गए

नई दिल्ली, एजेंसी

● राजा जिग्मे खेसर और सेना प्रमुख बट्टू शेरिंग से करेंगे विस्तृत बातचीत

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सोमवार को भूटान की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। अधिकारियों के मुताबिक रणनीतिक रूप से अहम स्थान पर डोकलाम पठार के आसपास बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में सेना प्रमुख पड़ोसी मुल्क गए हैं।

भूटान के साथ पहले से ही घनिष्ठ द्विपक्षीय सैन्य संबंध हैं और उनकी इस यात्रा से रिश्तों के और मजबूत होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि भूटान की राजधानी थिम्पू में जनरल द्विवेदी राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात करेंगे और भूटान के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बट्टू शेरिंग के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। सेना प्रमुख की 30 जून से तीन जुलाई तक की भूटान यात्रा बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के बीच हो रही है। इसी के साथ वह पाकिस्तानी क्षेत्रों में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर' के सात सप्ताह बाद पड़ोसी देश गए हैं। भारतीय सेना ने कहा, यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों में स्थायी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

तेजी से हथियार बनाने में यूक्रेन की मदद करेगा जर्मनी

कीव। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने सोमवार को कहा कि उनके देश का लक्ष्य यूक्रेन को और अधिक तेजी से हथियार बनाने में मदद करना है ताकि कीव रूस के साथ तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता में अपनी स्थिति मजबूत कर सके।

वेडफुल ने जर्मन रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ यूक्रेनी राजधानी कीव की यात्रा के दौरान कहा, हम मानते हैं कि हमारा काम यूक्रेन की मदद करना है ताकि वह अधिक मजबूती से बातचीत कर सके। अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयास युद्ध को रोकने में विफल रहे हैं।

हर दल है बेनकाब

बलात्कार और राजनीति

कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में एक छात्रा से सामूहिक बलात्कार की घटना से फिर सवाल खड़े हो गए हैं कि देश में सार्वजनिक स्थलों पर भी महिलाएं आखिर सुरक्षित क्यों नहीं हैं। छात्रा से बलात्कार का मुख्य आरोपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस का सदस्य होना यह भी दर्शाता है कि राजनीति में चरित्रवान लोग अब कम ही राजनीतिक दलों की प्राथमिकता रह गए हैं। रिकॉर्ड बताता है कि महिलाओं के प्रति अपराधों के मामले में कोई भी दल आरोपों से अछूता नहीं है। इस तरह भारत में बलात्कार की घटनाएं सिर्फ कानून व्यवस्था नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और राजनीति का भी संकट बन गई हैं। ऐसी तमाम घटनाएं उदाहरण हैं, जब आरोपियों को खुलकर सत्ता का संरक्षण मिला और समाज चुप रह गया।

हर 16 मिनट में एक बलात्कार

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक देश में सन् 2023 में बलात्कार की 33000 से ज्यादा घटनाएं दर्ज हुईं, यानी हर 16 मिनट में एक बलात्कार हुआ। सर्वाधिक मामले राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र दर्ज हुए। वैश्विक स्तर पर भारत उन देशों में शामिल माना जाता है जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या बहुत ज्यादा है। थॉमसन रियूटर्स फाउंडेशन की 2018 में जारी एक रिपोर्ट में भारत को महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित देश बताया गया था।

राज्यों की स्थिति

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022 राजस्थान में सर्वाधिक 6,379, मध्य प्रदेश में 4,843, यूपी में 3,539, महाराष्ट्र में 3,001, ओडिशा में 2,758, छत्तीसगढ़ में 2,501, बिहार में 1,378, पश्चिम बंगाल में 1,689, दिल्ली में 1,36 और हरियाणा में 1,284 बलात्कार के मामले दर्ज हुए।

इतनी घटनाएं क्यों

समाज में पितृसत्तात्मक सोच और महिला विरोधी मानसिकता, महिलाओं की आजादी पर नियंत्रण की कोशिश, अक्सर आरोपियों को राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण, आरोपी के प्रभावशाली होने पर पुलिस की अनदेखी, न्याय मिलने में वर्षों लगना जैसे कारण इसके जिम्मेदार माने जाते हैं।

खादी पर महिला अपराधों के बेशुमार दाग

देश में बलात्कार के तमाम ऐसे चर्चित मामले है जिनमें राजनीतिक लोगों का नाम आया। यूपी में 2017 में उन्नाव के भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर पर नाबालिग लड़की से बलात्कार का आरोप लगा था और पुलिस हिरासत में उसके पिता की भी मौत हो गई थी। जम्मू कश्मीर के कठुआ में 2018 में 8 साल की बच्ची की गैंगरेप कर हत्या कर दी गई थी, मामला तब गर्माया जब भाजपा नेताओं ने आरोपियों के समर्थन में रैली निकाली। इस मामले में 6 लोग दोषी ठहराए गए थे। वर्ष 2020 में हुए हाथरस कांड में दलित युवती के साथ गैंगरेप हुआ था जिसकी बाद में मौत भी हो गई थी। पुलिस ने परिवार की मर्जी के बिना अंतिम संस्कार कर दिया। विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल पर कई आरोप लगाए। पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद लॉ की एक छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में जेल गए, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। कर्नाटक में महिलाओं पर हमले और यौन हिंसा के मामले में प्रमोद मुथालिक पर राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगे।

प्रज्वल रेवन्ना

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के परिवार के सदस्य और जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर तमाम महिलाओं और लड़कियों के यौन शोषण के आरोप थे। उसके बनाए सैकड़ों वीडियो वायरल हुए तो वह विदेश भाग गया। इंटरपोल नोटिस पर लौटा, अब जेल में है। महिलाओं को डराने और यौन उत्पीड़न के आरोपी उसके पिता एचडी रेवन्ना को जमानत मिल चुकी है।

एक नजर

मणिपुर में चार लोगों की गोली मारकर हत्या

चुराचांदपुर/इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने 60 वर्षीय महिला सहित कम से कम चार लोगों की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी। घात लगाकर यह हमला मोंगजांग गांव के पास दोपहर दो बजे हुआ जब पीड़ित एक कार में यात्रा कर रहे थे। चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि प्रतीत होता है कि चारों लोगों को नजदीक से गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि मारे गए लोगों की पहचान अभी नहीं हुई है। मौके से 12 से अधिक खाली कारतूस बरामद किए गए। किसी भी संगठन ने हमले के लिए अब तक जिम्मेदारी नहीं ली है।

नेपाल के मुगु जिले में फिर भूकंप के झटके आए

काठमांडू। नेपाल के मुगु जिले में सोमवार को 4 .3 तीव्रता का भूकंप आया। क्षेत्र में 24 घंटे से भी कम समय पहले भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, जिले के कोटडांडा क्षेत्र में सुबह 8 .39 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। रविवार को जिले के जिमा गांव में दोपहर 2 .34 बजे 4 .8 तीव्रता का भूकंप आया था। पर्वतीय क्षेत्र नेपाल में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

पश्चिमी वेनेजुएला में बाढ़ से सैकड़ों घर हुए नष्ट

कराकास। पश्चिमी वेनेजुएला में भारी बारिश के कारण कई प्रांतों में बाढ़ आने से सैकड़ों घर नष्ट हो गए हैं। पश्चिमी प्रान्त मेरिडा के गवर्नर अर्नाल्डो सांचेज़ ने कहा कि बारिश और बाढ़ से कम से कम 370 घर प्रभावित हुये हैं और 103 घर नष्ट हो गये हैं। श्री सांचेज़ ने सोशल मीडिया पर कहा कि एंडियन हाइलैंड्स में प्रभावित लोगों को कम से कम दो टन खाद्य आपूर्ति वितरित की गयी है और सुरक्षा बल तथा वालंटियर सहायता प्रदान करने के लिए पहुंचे गए हैं।

पाकिस्तान : आतंकी हमलों में पांच की मौत

पेशावर। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवाद की दो घटनाओं में दो सुरक्षाकर्मियों और शांति समिति के तीन सदस्यों सहित पांच लोग मारे गए। दोनों घटनाएं खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत लक्की मरवात जिले में हुईं। पहली घटना में रविवार सुबह एक गश्ती वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में दो सैनिकों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने बताया कि शाहब खेल क्षेत्र में एक अन्य घटना में अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

असीम मुनीर के फिर जहरीले बोल कश्मीर में आतंकवाद वैध संघर्ष

पड़ोसी देश फिर बेनकाब, सेना प्रमुख ने कहा- साथ देता रहेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को एक वैध संघर्ष बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। फील्ड मार्शल मुनीर ने भारत को भविष्य में किसी भी हमले की स्थिति में करारा जवाब देने की चेतावनी भी दी।

मुनीर ने शनिवार को कराची स्थित पाकिस्तान नौसेना अकादमी में पासिंग आउट समारोह को संबोधित करते हुए कहा, भारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में स्वतंत्रता के लिए एक वैध और कानूनी संघर्ष है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है। मुनीर ने दावा किया, जिन लोगों ने कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को दबाने और समाधान के बजाय संघर्ष को खत्म करने की कोशिश की, उन्होंने अपने कृत्यों से इस आंदोलन को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। पाकिस्तान हमेशा कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहेगा।

मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार कश्मीर मुद्दे के न्यायोचित समाधान का प्रबल समर्थक है। इससे पहले पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख हमेशा उसके अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे। भारत सरकार के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो-केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास बढ़ गई।

अफगानिस्तान से लगने वाली प्रमुख सीमा बंद की

पेशावर। पाकिस्तान ने सुरक्षा खतरों के कारण अफगानिस्तान से लगने वाली एक प्रमुख सीमा को अस्थायी रूप से अगले आदेश तक बंद कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने रविवार को बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले और अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत में झड़पों के बाद गुलाम खान सीमा को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हमले के बाद उत्तरी वजीरिस्तान में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और सीमा (गुलाम खान) को अनिर्दिष्ट अवधि के लिए बंद कर दिया गया है।

दक्षेस की जगह नया क्षेत्रीय संगठन बनाने में जुटे चीन-पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और चीन एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना के प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं, जो लगभग निष्क्रिय पड़े दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) की जगह ले सकता है। सोमवार को एक खबर में यह दावा किया गया।

राजनयिक सूत्रों के हवाले से 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने लिखा कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच बातचीत अब आगे के चरण में है, क्योंकि दोनों पक्ष इस बात से आश्वस्त हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है। यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय संगठन दक्षेस की जगह ले सकता है। दक्षेस में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक इन कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य अन्य दक्षिण एशियाई देशों को, जो दक्षेस (सार्क) का हिस्सा थे, नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना है। हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया और कहा कि बैठक राजनीतिक नहीं थी।

गाजा में इजराइली सेना के हमले में 22 फलस्तीनी मारे गए

काहिरा। दक्षिणी गाजा में सोमवार को इजराइली सेना के हमले में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गयी एवं 20 अन्य घायल हो गये। हताहत लोगों में से कई आवश्यक खाद्य सहायता लेने का प्रयास कर रहे थे। चश्मदीदों, अस्पतालों एवं गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

● राशन लेने आए लोगों पर फिर की गोलीबारी

खान यूनिस स्थित नासेर अस्पताल ने बताया कि उसके यहां 11 लोगों के शव लाये गये जिन्हें दक्षिणी गाजा में इजराइली और अमेरिका समर्थित गाजा मानवीय कोष (जीएचएफ) से जुड़े सहायता स्थल से लौटते समय गोली मार दी गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी गाजा में संयुक्त राष्ट्र सहायता गोदाम पर हमले में दस अन्य लोग मारे गए।

दक्षिणी गाजा में यह हमला खान यूनिस शहर में जीएचएफ स्थल से लगभग तीन किलोमीटर (1.8 मील) दूर हुआ। यूसुफ महमूद मोखाइमर दर्जनों अन्य लोगों के साथ चल रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि वाहनों और टैंकों में सवार सैनिक तेजी से उनकी ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले तो सैनिकों ने चेतावनी के तौर पर हवा में गोलियां चलाईं, फिर भीड़ पर गोलियां चलाईं।

ईरान जल्द ही फिर शुरू कर सकता है यूरेनियम संवर्धन

वियना, एजेंसी

● आईएईए प्रमुख ने जताई आशंका, कहा- अमेरिकी हमले में पूरी तरह नष्ट नहीं हुए परमाणु ठिकाने

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि अमेरिकी हमलों ने ईरानी परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है मगर वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं और इसी वजह से ईरान कुछ ही महीनों में यूरेनियम संवर्धन शुरू कर सकता है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार ग्रॉसी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के विपरीत है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान की परमाणु परियोजना को दशकों पीछे धकेल दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा था कि अमेरिकी हमलों में फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान परमाणु ठिकानों के सेंट्रीफ्यूज को काफी नुकसान पहुंचने से ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई वर्षों के लिए टल गया है।

'फेस द नेशन विद मार्गरेट ब्रेनन' के साथ साक्षात्कार में उन्होंने अलग-अलग आकलन पर अपना रुख बताते हुए कहा, सामूहिक विनाश के हथियारों में यह दृष्टिकोण ठीक नहीं है। उनके पास जो क्षमताएं हैं, वे मौजूद हैं। आप जानते हैं कि वे कुछ ही महीनों में सेंट्रीफ्यूज के कुछ कैस्केड घुमाकर यूरेनियम संवर्धन कर सकते हैं। स्पष्ट रूप से कहें तो, कोई यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ गायब हो गया है और अब वहां कुछ भी नहीं है। ग्रॉसी ने कहा कि निगरानी समूह की जांच में परमाणु हथियार कार्यक्रम का संकेत नहीं मिला, लेकिन यूरेनियम संवर्धन नागरिक उपयोग की आवश्यकता से कहीं अधिक है। ईरान की ओर से कुछ बहुत महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने से इनकार करने से स्थिति और जटिल हो गई है।

अमेरिका ने ग्रॉसी का दावा बकवास बताया

अमेरिका के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि जैसा कि ग्रॉसी ने कुछ दिन पहले कहा था कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से पहले और बाद में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बीच का अंतर 'रात और दिन' जैसा है और उसे 'काफी नुकसान' हुआ है। उन्होंने कहा, "ईरान के पास कोई हवाई सुरक्षा नहीं है, इसलिए यह विचार कि, वे परमाणु हथियार कार्यक्रम फिर शुरू कर सकते हैं, बकवास है।

भारत के साथ सीमा विवाद जटिल सुलझाने में समय लगेगा : चीन

बीजिंग, एजेंसी

● भारत के साथ बातचीत जारी रखने और शांति रखने की इच्छा जताई

चीन ने सोमवार को कहा कि भारत के साथ सीमा विवाद जटिल है और इसे सुलझाने में समय लगेगा लेकिन इसके साथ ही उसने सरहदों के निर्धारण पर चर्चा करने तथा हालात शांतिपूर्ण बनाए रखने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 26 जून को चिंगदाओ में चीनी समकक्ष दोंग जून के साथ बैठक में प्रस्ताव दिया था कि भारत और चीन को सीमाओं पर तनाव कम करने तथा सरहदों के निर्धारण की मौजूदा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने के कदम उठाकर जटिल मुद्दों को सुलझाना चाहिए। सिंह और दोंग ने चिंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें एलएसी पर शांति व स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सिंह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, चीन और भारत ने सीमा से जुड़े विषय पर विशेष प्रतिनिधि तंत्र की स्थापना की है तथा चीन-भारत सीमा संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए राजनीतिक मापदंडों एवं मार्गदर्शक सिद्धांतों पर सहमति बनाई है।

संवाद के तंत्र स्थापित होने से बातचीत में मिलेगी मदद

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, चीन भारत के साथ सरहदों के निर्धारण और सीमा प्रबंधन सहित अन्य मुद्दों पर संवाद बनाए रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने तथा सीमा पार आदान-प्रदान एवं सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, सकारात्मक पक्ष यह है कि दोनों देशों ने पहले ही गहन संवाद के लिए विभिन्न स्तर पर तंत्र स्थापित कर लिए हैं। हमें उम्मीद है कि भारत चीन के साथ इसी दिशा में काम करेगा, प्रासंगिक मुद्दों पर संवाद जारी रखेगा।

चीन ने जापान से सीफूड के आयात पर प्रतिबंध हटाया

बीजिंग। चीन ने सुनामी से नष्ट हुए फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र से थोड़ी मात्रा में रेडियोधर्मी अपशिष्ट जल छोड़े जाने को लेकर लगभग दो साल के प्रतिबंध के बाद जापान से सीफूड के आयात पर प्रतिबंध हटा लिया है।

सीमा शुल्क एजेंसी की ओर से जारी एक नोटिस में कहा गया है कि जापान के अधिकतर हिस्सों से आयात फिर शुरू हो जाएगा। अगस्त 2023 में लगाया गया प्रतिबंध जापान के मत्स्य उद्योग के लिए बड़ा झटका था। जापानी सीफूड के लिए सबसे बड़ा विदेशी बाजार चीन का है। फुकुशिमा स्थित परमाणु संयंत्र 2011 में भीषण सुनामी से क्षतिग्रस्त हो गया था। कई वर्षों बहस के बाद परमाणु ऊर्जा संयंत्र कंपनी को सरकार से यह अनुमति मिल गई कि वह इस अपशिष्ट जल को समुद्र में धीरे-धीरे छोड़े।

आजादी के संघर्ष की यादें

बीरभूम जिले के बोलपुर के बाहरी इलाके में संथाल विद्रोह की याद में आयोजित हुल दिवस समारोह के दौरान प्रदर्शन करते आदिवासी। हूल दिवस ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदानों को श्रद्धांजलि देने का दिन है जो 30 जून 1855 को शुरू हुआ था एजेंसी

सीपीसी सदस्यता 10 करोड़ के पार

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सदस्यों की संख्या 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। सीपीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 1921 में स्थापित सीपीसी के 2024 के अंत तक 10 .027 करोड़ से अधिक सदस्य थे, जो 2023 से लगभग 10 .9 लाख अधिक है।

मालवाहक जहाज में लगी आग, नौसेना ने अपना पोत भेजा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने द्वीपीय देश पलाऊ के ध्वज वाले एक जहाज के इंजन कक्ष में भीषण आग लगने के बाद मदद के लिए अपने स्टील्थ फ्रिगेट पोत को तैनात किया है। पलाऊ के इस संकटग्रस्त जहाज में भारतीय मूल के चालक दल के 14 सदस्य सवार थे। यह जहाज गुजरात के कांडला से ओमान के शिनास जा रहा था। नौसेना के अनुसार, स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तबर ने एमटी यी चेंग 6 की सहायता के लिए आए संदेश पर कार्रवाई की।

जम्मू-कश्मीर में पकड़ा गया आतंकवादियों का गाइड

राजौरी/जम्मू, एजेंसी

● चार आतंकवादियों के साथ घुसपैठ की कोशिश करते हुए किया गया गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर के पूंछ और राजौरी जिलों की सीमा पर नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश के दौरान गिरफ्तार एक पाकिस्तानी नागरिक की पहचान आतंकवादियों के गाइड के रूप में हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, मोहम्मद आरिफ जैश-ए-मोहम्मद के चार आतंकवादियों के एक समूह का नेतृत्व करते हुए भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था, जब रविवार दोपहर को सेना के जवानों ने उसे पकड़ लिया। उसके साथ मौजूद आतंकवादी एक खड़ी चट्टान से कूद गए और घायल अवस्था में पाकिस्तानी सीमा में लौट गए। आरिफ पीओके के दातोटे गांव का निवासी है और उसे सेना के 'ऐस ऑफ स्पेड्स' डिवीजन के तहत गंभीर इलाके में स्थित हजूरा चौकी के पास से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि सेना के जवानों ने दुर्गम इलाके और घने जंगलों में संदिग्ध गतिविधि देखी, जहां से कुछ आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। आरिफ को पकड़ लिया गया, जबकि चार अन्य आतंकवादी भारतीय सेना को देख भाग निकले और 'नो मैन्स लैंड' से होते हुए दुर्गम रास्तों और खराब मौसम का फायदा उठा कर पाकिस्तानी सीमा में लौट गए। नो मैन्स लैंड किसी के स्वामित्व या नियंत्रण में नहीं होता है। यह आमतौर पर दो विरोधी पक्षों या सेनाओं के बीच की एक खाली भूमि होती है।

अमेरिका में घात लगाकर दो दमकल कर्मियों की हत्या की

बोइस (अमेरिका)। अमेरिका में उत्तरी इडाहो के एक पर्वतीय इलाके में रविवार को एक बंदूकधारी ने पहले जंगल में आग लगा दी, फिर वहां पहुंचे दमकलकर्मियों पर घातकर हमला कर दिया जिसमें दो कर्मचारियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि बाद में बंदूकधारी भी मृत पाया गया। हालांकि अधिकारियों ने उसकी पहचान जारी नहीं की है। इडाहो के गवर्नर ब्रैड लिटिल ने इसे जघन्य हमला बताया। कूटेनई काउंटी के शेरिफ बॉब नॉरिस ने रविवार रात संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारा अनुमान है कि संदिग्ध ने ही आग लगाई और यह एक साजिश के तहत किया गया हमला था। इसके कारण दमकलकर्मियों को संभलने का कोई मौका ही नहीं मिला।

यादों की टीस — यूनियन कार्बाइड कारखाने का सारा 337 टन कचरा हुआ खाक

40 साल बाद खत्म हुआ भोपाल गैस त्रासदी का काला अध्याय

● सन् 1984 में हुआ था हादसा पांच मई को शुरू हुई थी कचरे को भस्म करने की प्रक्रिया

इंदौर, एजेंसी

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश पर पीथमपुर के एक अपशिष्ट निपटान संयंत्र में भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने का बचा 307 टन कचरा खाक हो गया है। इसके साथ ही, भोपाल गैस त्रासदी के लिए जिम्मेदार कारखाने का कुल 337 टन कचरा भस्म हो गया है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि धार जिले के संयंत्र में तीन परीक्षणों के दौरान यूनियन कार्बाइड कारखाने का 30 टन कचरा पहले ही जलाया जा चुका है। पीथमपुर में एक निजी कंपनी द्वारा संचालित अपशिष्ट निपटान संयंत्र में यूनियन कार्बाइड कारखाने के बचे 307 टन कचरे को भस्म किए जाने की प्रक्रिया पांच मई को देर शाम सात बजकर 45 मिनट के आस-पास शुरू हुई थी जो रविवार (29 जून) और सोमवार (30 जून) की दरमियानी रात 01:00 बजे समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के 27 मार्च को जारी निर्देश के मुताबिक यूनियन कार्बाइड के बचे कचरे को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञों की निगरानी में पीथमपुर के संयंत्र में 270 किलोग्राम प्रति घंटे की अधिकतम दर से जलाया गया।

द्विवेदी ने बताया कि इस कचरे को भस्म किए जाने के दौरान पीथमपुर के संयंत्र से अलग-अलग गैसों और कणों के उत्सर्जन की एक ऑनलाइन तंत्र द्वारा वास्तविक समय में निगरानी की गई। उन्होंने दावा किया, इस संयंत्र में यूनियन कार्बाइड कारखाने का कचरा जलाए जाने के दौरान तमाम उत्सर्जन मानक सीमा के भीतर पाए गए। कचरा भस्म किए जाने के दौरान आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर किसी विपरीत असर के बारे में हमारे पास कोई सूचना नहीं है। द्विवेदी के मुताबिक, यूनियन कार्बाइड कारखाने का कुल 337 टन कचरा जलने के बाद निकली राख और अन्य अवशेषों को बोरों में सुरक्षित तरीके से भरकर संयंत्र के 'लीक-प्रूफ स्टोरेज शेड' में रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन अवशेषों को जमीन में दफनाने के लिए तय वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत विशेष सुविधा (लैंडफिल सेल) का निर्माण कराया जा रहा है और यह काम नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

हादसे में मारे गए थे करीब साढ़े पांच हजार लोग

भोपाल में दो और तीन दिसंबर 1984 की दरमियानी रात यूनियन कार्बाइड कारखाने से अत्यधिक जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था। इससे कम से कम 5,479 लोग मारे गए थे और हजारों लोग अपंग हो गए थे। इसे दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदाओं में गिना जाता है। वर्ष 2006 में सरकार के एक शपथ पत्र में माना गया था कि करीब 558,125 सीधे तौर पर प्रभावित हुए, आंशिक तौर पर प्रभावित होने वालों की संख्या लगभग 38,478 थी। 3900 पूरी तरह अपंगता के शिकार हो गए। 1993 में भोपाल-अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को इस त्रासदी के पर्यावरण और मानव समुदाय पर होने वाले दीर्घकालिक प्रभावों को जानने का काम सौंपा गया था।